दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

आज का विचार

खूबसूरत होते हैं वो रिश्ते जिसमें मैं की नहीं केवल हम की भावना होती है।

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । मंगलवार, 24 फरवरी, 2026 वर्ष 24, अंक 47, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

पंजाब की जनता को एनएफएसए के तहत मिलने वाले गेहूं से अलग ये किट दी जाएंगी: भगवंत सिंह मान

इस योजना का सबसे ज्यादा फायदा पंजाब के लाखों गरीब और दलित परिवार को होगा: हरपाल सिंह चीमा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब में पहली बार व्यापक स्तर पर खाद्य और पोषण सुरक्षा को मजबूती देने के उद्देश्य से ऐतिहासिक पहल करते हुए मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान ने आज मेरी रसोई योजना की शुरूआत का ऐलान किया, जिसके तहत 40 लाख परिवारों को अप्रैल से तिमाही आधार पर मुफ्त फूड किट (भोजन किट) का वितरण शुरू किया जाएगा उल्लेखनीय है कि ये फूड किट राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत दिए जाने वाले गेहूं से अलग तौर पर प्रदान की जाएंगी।

इस योजना की शुरूआत करते हुए मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान ने कहा कि उनकी सरकार जन कल्याण योजनाओं के लिए संसाधन जुटाना अच्छी तरह जानती है, जो पूरी ईमानदारी और दूरदर्शिता के साथ चलती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर बच्चे के लिए पौष्टिक भोजन सुनिश्चित करना सिर्फ एक वादा नहीं बल्कि हमारा नैतिक फर्ज है। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले लोक-हितैषी बजट में भी समाज के हर वर्ग के हितों का ख्याल रखते हुए लोक भलाई उपायों का दायरा और विस्तृत किया जाएगा।

मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह पहल पंजाब के हर परिवार के लिए खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने संबंधी पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। देश को अनाज उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में पंजाब के शानदार योगदान को याद करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब के मेहनती और जुझारू किसानों ने अथक मेहनत से यह सुनिश्चित किया कि देश में कोई भी भूखा न सोए। उन्होंने कहा कि हमारे राज्य ने देश का पेट भरने में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि हालांकि पंजाब में अभी भी कुछ परिवार ऐसे

हैं, जो अपनी रोजी-रोटी के लिए रोज संघर्ष करते हैं, जिनकी मुश्किलों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने यह महत्वाकांक्षी 'मेरी रसोई योजना' शुरू की है।

इस योजना के बारे में विस्तार से बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के तहत राज्य सरकार 40 लाख परिवारों को फूड किट प्रदान करेगी। प्रत्येक किट में मासिक खपत के लिए दो किलो दाल, दो किलो चीनी, एक किलो नमक, 200 ग्राम हल्दी पाउडर और एक लीटर सरसों का तेल होगा। ये फूड किट राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत योग्य लाभार्थियों को पहले वितरित की जा रही गेहूं से अलग तौर पर प्रदान की जाएंगी उन्होंने आगे बताया कि मार्कफेड इस पहल के लिए नोडल एजेंसी के रूप में काम करेगा। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि मार्कफेड इन किटों के वितरण के लिए नोडल एजेंसी होगी और ये किट खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा मुफ्त में सप्लाई की जाएंगी। उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने सुचारू वितरण सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत व्यवस्था बनाई है। पंजाब की विरासत के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाबियों ने पिछले समयों में देश को अनाज संकट से बाहर निकाला था और यह पहल हमारी सरकार द्वारा लोक भलाई के लिए की जा रही लोक-हितैषी नीतियों की श्रृंखला का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि यह गारंटी न तो लिखी गई थी और न ही हमारी पार्टी के मेनिफेस्टो का हिस्सा थी, लेकिन यह पंजाब के लोगों के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी है और हम इसे पूरा कर रहे हैं।

बच्चों और परिवारों पर इस योजना के सकारात्मक प्रभाव को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह पहल यह सुनिश्चित करेगी कि राज्य के हर बच्चे को पौष्टिक भोजन मिले, जो पंजाब भर में खाद्य और पोषण सुरक्षा को मजबूती देगा।

उन्होंने ऐलान किया कि इन किटों का वितरण अप्रैल में शुरू होगा। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि अप्रैल महीने से शुरू होकर हर तिमाही के बाद इन किटों का मुफ्त वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिया कि किसी भी हालत में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। पंजाब सरकार सप्लाई की जाने वाली सभी खाद्य वस्तुओं की सख्त गुणवत्ता जांच सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि खराब गुणवत्ता या अनियमित सप्लाई संबंधी किसी भी शिकायत से सख्ती से निपटा जाएगा।

अपनी सरकार की लोक-हितैषी सोच का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि हमारी सरकार समाज के हर वर्ग की भलाई के लिए दृढ़ प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का आगामी लोक-हितैषी बजट पंजाब के लोगों के लिए भलाई उपायों को और मजबूत करेगा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मूल लक्ष्य व्यक्ति निर्माण, राजनीति नहीं: डॉ. मोहन भागवत

एजेंसी (हि.स.)
देहरादून

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने कहा कि संघ किसी राजनीतिक दल का अंग नहीं है और न ही चुनावी राजनीति उसका उद्देश्य है। संघ व्यक्ति निर्माण का कार्य करता है, क्योंकि व्यवस्था तभी सुदृढ़ रहती है, जब व्यक्ति सुदृढ़ हो।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ भागवत दो दिन के प्रवास पर उत्तराखंड में हैं। आज प्रवास के दूसरे दिन डॉ भागवत हिमालयन कल्चरल सेंटर के प्रेक्षागृह में पूर्व सैनिकों और पूर्व सेना अधिकारियों के साथ विशेष संवाद गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। डॉ भागवत ने कहा कि संघ बिना साधनों के खड़ा हुआ और दो बार प्रतिबंध के बाद भी समाज के बल पर आगे बढ़ा। संघ का स्वयंसेवक आत्मिक शक्ति से प्रेरित होकर समाज परिवर्तन के लिए कार्य करता है। डॉ भागवत ने स्पष्ट किया कि संघ का उद्देश्य प्रचार नहीं, बल्कि समाज का संगठन और राष्ट्र का उत्थान है। संघ नहीं, समाज के कारण देश बड़ा हुआ, यही इतिहास में दर्ज होना चाहिए। उन्होंने संघ की प्रारंभिक जानकारी देने के साथ ही स्थापना वर्ष 1925 से लेकर 2025 तक की यात्रा के

प्रमुख बिंदुओं को पूर्व सैनिकों के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि देश के भाग्य निर्माण में समाज की भूमिका सबसे बड़ी होती है। समाज मजबूत होगा तो राष्ट्र की रक्षा भी सशक्त होगी। समाज का बल ही सबको बलवान बनाता है, इसलिए समाज का नेतृत्व चरित्रवान और संगठित होना आवश्यक है। उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध का उदाहरण देते हुए बताया कि इंग्लैड युद्ध के लिए तैयार नहीं था और जर्मनी पूरी ताकत के साथ युद्ध के मैदान में था, तब चर्चिल का मंत्रिमंडल ने भी समझौते की बात कही, लेकिन चर्चिल ने नागरिकों से बातचीत के बाद युद्ध का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि जनता ने चुना है और यदि जनता युद्ध चाहती है तो चर्चिल ने युद्ध का निर्णय लिया। डॉ भागवत ने वर्ष 1857 की क्रांति की विफलता का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि उस समय भारत में वीरता, शौर्य और सहास की कमी नहीं थी, फिर भी हार हुई। वीरों ने संघर्ष किया, भले ही वे पराजित हुए, लेकिन स्वतंत्रता की ज्योति बुझी नहीं। इसके बाद भी क्रांतिकारी आंदोलनों ने देश की आजादी के लिए निरंतर संघर्ष जारी रखा। आरएसएस के सर संघचालक ने कहा कि स्वतंत्रता तक सभी ने एकजुट होकर संघर्ष किया लेकिन स्वतंत्रता के बाद देश की राजनीति स्वार्थों की ओर मुड़ गई और कई राजनीतिक दलों का जन्म हुआ। अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई समाज सुधार के बिना संभव नहीं थी इसलिए जातिगत भेदभाव से ऊपर उठकर समाज को एकजुट करना आवश्यक था। उन्होंने कहा कि आज कई राजनीतिक धाराएं हैं और इससे विकृति भी उत्पन्न हुई है।

उन्होंने संघ के प्रथम सर संघचालक डॉ केशव बलिराम हेडगेवार के चिंतन व राष्ट्रभक्ति को लेकर कहा कि वे जन्मजात राष्ट्रभक्त थे और उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय व निर्भीक भूमिका निभाई। गुलामी के प्रति उनमें तीव्र रोष था। वंदेमातरम समेत अन्य आंदोलनों में सक्रिय रहे और जेल भी जाना पड़ा, लेकिन वे मातृभूमि के संघर्ष करते रहे। उन्होंने कहा कि आज आरएसएस व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण में जुटा हुआ है।

डॉ भागवत ने कहा कि भाषा, पंथ, देवी-देवता और परंपराएं भिन्न हो सकती हैं, लेकिन हमें जोड़ने वाला एक सूत्र है, उसे मजबूत करना होगा। उन्होंने सेक्युलर शासन व्यवस्था को यूरोपीय अवधारणा बताते हुए कहा कि भारत का स्वभाव विविधता में एकता का है। सत्य को एक ही रूप में नहीं देखा जा सकता। हमारे ऋषियों और पूर्वजों ने विश्व कल्याण की भावना से इस राष्ट्र की आधारशिला रखी। डॉ भागवत ने कहा कि हिंदू शब्द इस देश की पहचान है। यह मानवता और विश्व कल्याण का भाव लिए हुए है।

भारत टैक्सी से जुड़े चालकों के लिए न्यूनतम आधार किराया तय होगा : अमित शाह

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि हाल ही में शुरू की गई सहकारी टैक्सी सेवा भारत टैक्सी अपने मंच से जुड़े सभी ह्यसारथियोंह्ल (चालकों) के लिए प्रति किलोमीटर न्यूनतम आधार किराया सुनिश्चित करेगी और इस दर से नीचे सेवा संचालित नहीं की जाएगी।

शाह ने यहां भारत टैक्सी के सारथियों के साथ संवाद करते हुए कहा कि मौजूदा टैक्सी एग्रीगेटर कंपनियों ने अपना मुनाफा बढ़ाने के लिए चालकों के लिए कोई आधार दर तय नहीं की है, जबकि भारत टैक्सी में ऑटो की लागत, पेट्रोल की खपत और न्यूनतम लाभ को जोड़कर बेस रेट निर्धारित किया जाएगा। यह सेवा पारदर्शिता के सिद्धांत पर काम करेगी और किसी भी बदलाव की सूचना एक सप्ताह पहले सारथियों को मोबाइल पर दी जाएगी।

अमित शाह ने कहा, भारत टैक्सी में कुछ भी छिपा नहीं होगा। सारथियों को नोटिफिकेशन के जरिए हर जानकारी देने से ह्यभारत टैक्सीह्ल दुनिया की सबसे पारदर्शी कैब सर्विस बनेगी। भारत टैक्सी सारथियों की मिनिमम वायबिलिटी के आधार पर एक बेसलाइन किलोमीटर रेट तय करके चलेगी। भारत टैक्सी में ऑटो के मूल्य, पेट्रोल की खपत और मिनिमम प्रॉफि ट को मिलाकर एक बेस रेट बनाया जाएगा और सर्विस इस रेट से नीचे नहीं

चलेगी।

उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी का उद्देश्य किसी निजी कंपनी की तरह अधिकतम मुनाफा कमाना नहीं, बल्कि सारथियों को सशक्त बनाना है। इस सहकारी मॉडल में सारथी ही मालिक होंगे और 500 रुपये का शेयर लेकर साझेदार बन सकेंगे। बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के चुनाव में सारथियों के लिए सीटें आरक्षित की जाएंगी, ताकि वे स्वयं अपने हितों की रक्षा कर सकें।

शाह ने कहा कि भारत टैक्सी की आय का 20 प्रतिशत पूंजी के रूप में संस्था के खाते में रखा जाएगा, जबकि 80 प्रतिशत राशि सारथियों को उनके द्वारा चलाए गए किलोमीटर के आधार पर लौटाई जाएगी। शुरूआती तीन वर्षों में विस्तार पर ध्यान दिया जाएगा, इसके बाद लाभ का वितरण इसी अनुपात में होगा। सहकारिता मंत्री ने कहा कि आने वाले तीन सालों में देश के प्रत्येक नगर निगम में ह्यभारत टैक्सीह्ल मौजूद होगी।

उन्होंने कहा कि सहकारिता के सिद्धांत को समझने की आवश्यकता है और उदाहरण देते हुए अमूल का उल्लेख किया, जहां लाखों महिलाओं ने छोटे निवेश से बड़ी सहकारी संस्था खड़ी की है। उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी भी इसी प्रकार का एक बड़ा सहकारी आंदोलन बनेगी और आने वाले तीन वर्षों में देश के प्रत्येक नगर निगम क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगी।

महिला सशक्तीकरण के तहत ह्यसारथी दीदीह्ल की परिकल्पना का उल्लेख करते हुए अमित शाह ने कहा कि ऐप में ऐसा प्रावधान किया जाएगा कि एकल महिला यात्री को प्राथमिकता से महिला सारथी उपलब्ध कराई जाए, जिससे सुरक्षा और आत्मनिर्भरता दोनों सुनिश्चित हों।

उन्होंने कहा कि सारथियों की शिकायतों के निवारण के लिए वेबसाइट पर विशेष विंडो बनाई जाएगी और फीडबैक के आधार पर नीतियों में लगातार सुधार किया जाएगा। उन्होंने सारथियों से आग्रह किया कि वे स्वयं को ड्राइवर नहीं, बल्कि गौरव के साथ ह्यसारथीह्ल कहें और सहकारिता के इस मॉडल को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

रांची से दिल्ली जा रहा एयर एंबुलेंस चतरा के जंगलों में दुर्घटनाग्रस्त

एजेंसी (हि.स.)
चतरा/रांची

झारखंड के चतरा जिले से एक विमान हादसे की खबर सामने आई है। रांची स्थित बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना हुआ एक एयर एंबुलेंस विमान सिमरिया थाना क्षेत्र के घने जंगलों में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार विमान में सवार सात लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है।

बताया जा रहा है कि आपात स्थिति में एक गंभीर मरीज को दिल्ली ले जाया जा रहा था। विमान में मरीज के साथ एक परिजन, एक डॉक्टर, एक मेल नर्स और चालक दल के सदस्य सवार थे।

इनमें पायलट विवेक विकास भगत, स्वराजदीप सिंह, मरीज संजय कुमार, अर्चनादेवी, ध्रुव, डॉ विकास कुमार गुप्ता, सचिन कुमार मिश्रा शामिल है।

उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद विमान का संपर्क एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से टूट गया और वह रडार से गायब हो गया। इसके बाद सिमरिया क्षेत्र के खासियातू करम टांड़ के जंगलों से तेज धमाके की आवाज सुनाई देने की सूचना स्थानीय ग्रामीणों ने दी।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि विमान को आसमान में असंतुलित हालत में उड़ते देखा गया, जिसके कुछ ही देर बाद वह जंगल में जा गिरा। दुर्घटना स्थल दुर्गम और घने जंगलों से घिरा होने के कारण राहत और बचाव कार्य में कठिनाई आ रही है। सूचना मिलते ही सिमरिया थाना पुलिस और जिला प्रशासन की टीम मौके के लिए रवाना हो गई है और मलबे तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है।

प्रशासन का प्राथमिक फोकस शवों को बाहर निकालने और घटनास्थल की घेराबंदी कर जांच प्रक्रिया शुरू करने पर है। अभी तक विमान में सवार लोगों की आधिकारिक पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। हादसे के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है, लेकिन तकनीकी खराबी की आशंका जताई जा रही है। मामले की जांच के लिए नागरिक उड्डयन महानिदेशालय को सूचित किए जाने की जानकारी मिली है। प्रशासन ने विस्तृत रिपोर्ट आने तक किसी भी तरह की अटकलों से बचने की अपील की है। पुलिस के एक वरीय अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है।

मेडिकल ट्रैवल इकोसिस्टम होगा मजबूत, अंतर-मंत्रालयी और नियामक समन्वय पर जोर: नड्डा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने सोमवार को कहा कि मेडिकल ट्रैवल केवल आर्थिक अवसर नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग और विश्वास निर्माण का माध्यम भी है। मेडिकल वैल्यू ट्रैवल इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए सरकार अंतर-मंत्रालयी और नियामक समन्वय बढ़ा रही है। सोमवार को ह्यएडवांटेज हेल्थ केयरझ इंडिया 2026ह्ल के 8वें संस्करण को वर्चुअल रूप से संबोधित करते हुए कहा जेपी नड्डा ने कहा कि यह आयोजन सहयोग के नए क्षेत्रों का पता लगाने और वैश्विक स्वास्थ्य सेवा गतिशीलता के भविष्य को सामूहिक रूप से आकार देने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय

प्रतिनिधियों और हितधारकों को सक्रिय रूप से भाग लेने, सार्थक सहयोग स्थापित करने और एक विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवा भागीदार के रूप में भारत द्वारा प्रदान की जाने वाली विशाल क्षमता का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत एक मजबूत, गुणवत्तापूर्ण और वैश्विक मानकों के अनुरूप स्वास्थ्य प्रणाली के निर्माण की दिशा में व्यापक सुधार कर रहा है। मेडिकल वैल्यू ट्रैवल भारत की क्लिनिकल उत्कृष्टता, अंतरराष्ट्रीय स्तर के मानकों और मरीज-केंद्रित देखभाल का प्रतीक है। भारत के कुशल डॉक्टर, आधुनिक अस्पताल और डिजिटल हेल्थ तकनीकें कार्डियोलॉजी, कैंसर उपचार, अंग प्रत्यारोपण, ऑर्थोपेडिक्स और न्यूरोसाइंसेज जैसे क्षेत्रों में विश्वस्तरीय सेवाएं दे रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि सरकार विभिन्न मंत्रालयों, नियामक संस्थाओं और राज्य सरकारों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित कर मेडिकल ट्रैवल इकोसिस्टम को मजबूत बना रही है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रताप राव जाधव ने अपने संबोधन में कहा कि आधुनिक चिकित्सा और पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों का समन्वय भारत की समग्र स्वास्थ्य दृष्टि को दशार्ता है।

मुख्यमंत्री योगी का सिंगापुर दौरा : पहले दिन यूपी में निवेश के लिए 20 हजार करोड़ के एमओयू हुए हस्ताक्षरित

एजेंसी (हि.स.)
लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सिंगापुर दौरे के पहले दिन उत्तर प्रदेश को निवेश और कौशल विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल हुई है। कई बैठकों और निवेशकों के साथ संवाद के बीच कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और कंपनियों ने राज्य सरकार के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। पहले दिन कुल 19 हजार 877 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों पर सहमति बनी है। यह प्रदेश की अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन के लिए अहम माने जा रहे हैं। वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री योगी ने सभी निवेशकों के आश्वस्त किया कि उत्तर प्रदेश सरकार निवेशकों को पारदर्शी नीतिगत ढांचा, त्वरित स्वीकृतियां और बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री कार्यालय से सोमवार को मिली जानकारी के मुताबिक हस्ताक्षरित किए गए समझौता ज्ञापनों में एक बड़ा प्रस्ताव यूनिवर्सल सक्सेस ग्रुप की ओर से आया है। इसमें ग्रुप हाउसिंग, लॉजिस्टिक पार्क और डेटा सेंटर परियोजनाओं में छह हजार 650 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव रखा है। इन परियोजनाओं से शहरी विकास, औद्योगिक गतिविधियों और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को नई गति मिलने की उम्मीद है। इसी क्रम में गोल्डन स्टेट कैपिटल (जीएससी) ने उत्तर प्रदेश में 100 मेगावाट क्षमता के डेटा सेंटर की स्थापना के लिए आठ हजार करोड़ रुपये निवेश करने की घोषणा की। यह परियोजना राज्य को देश के अग्रणी डेटा सेंटर हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी।

इसी तरह, प्राइवेट इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट ग्रुप (पीआईडीजी) ने नवीकरणीय ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन और कृषि सह सोलर (एग्री-पीवी) परियोजनाओं में दो हजार 500 करोड़ रुपये

निवेश का समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। इसके अतिरिक्त एवीपीएन लिमिटेड ने भी नवीकरणीय ऊर्जा और एग्री-पीवी क्षेत्र में दो हजार 727 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई। इन पहलों से उत्तर प्रदेश के हरित ऊर्जा लक्ष्यों को मजबूती मिलेगी।

सरकार के प्रवक्ता के अनुसार मुख्यमंत्री की सिंगापुर यात्रा के पहले दिन निवेश के साथ-साथ कौशल विकास पर भी विशेष ध्यान दिया गया। तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण (टीवीईटी) को सुदृढ़ करने के लिए आईटीई एजुकेशन सर्विसेज (आईटीईईएस) के साथ सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस साझेदारी के तहत आईटीईईएस शैक्षणिक विकास, बुनियादी ढांचे के उन्नयन, नेतृत्व और क्षमता निर्माण, आईएसक्यू प्रमाणन तथा क्वालिटी एश्योरेंस जैसे क्षेत्रों में परामर्श और तकनीकी सहयोग प्रदान करेगा। इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश की कौशल व्यवस्था को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित करना है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिंगापुर में बसे भारतीय समुदाय को संबोधित भी किया। मुख्यमंत्री योगी ने नए भारत और नए उत्तर प्रदेश की स्पष्ट और आत्मविश्वास से भरी तस्वीर प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि जो उत्तर प्रदेश कभी दंगों और कर्फ्यू के लिए जाना जाता था, वही आज विकास, निवेश, आस्था, औद्योगिक प्रगति और वैश्विक विश्वास का केंद्र बन चुका है। अब वह दंगों वाला यूपी नहीं है। अब उत्तर प्रदेश में न कर्फ्यू है, न दंगा, अब उत्तर प्रदेश में सब चंगा है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में नए उत्तर प्रदेश की बदली तस्वीर, विरासत और विकास के संगम तथा कानून-व्यवस्था में आए व्यापक परिवर्तन को विस्तार से रखा। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने उपस्थित सभी लोगों को आगामी होली पर्व की शुभकामनाएं भी दीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश का सर्वाधिक आबादी वाला राज्य उत्तर प्रदेश आज जिस परिवर्तन का साक्षी है, वह बीते नौ वर्षों की प्रतिबद्धता, सुशासन और दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है। प्रदेश आज कानून-व्यवस्था, निवेश और विकास का मॉडल बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन को जमीनी धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करते हुए उत्तर प्रदेश ने ह्यविरासत और विकासह्ल का संतुलित और प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

हिमाचल में पहली बार शराब ठेकों की ई-नीलामी शुरू, घर बैठे लग सकेंगी ऑनलाइन बोलियां

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में पहली बार खुदरा शराब ठेकों (रिटेल लिकर वेंड्स) के आवंटन के लिए ऑनलाइन ई-नीलामी प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो गई है। राज्य सरकार ने वर्ष 2026-27 के लिए इस नई व्यवस्था को मंजूरी देते हुए ठेकों का आवंटन पूरी तरह पारदर्शी ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से करने का फैसला लिया है। यह प्रक्रिया 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 की अवधि के लिए लागू रहेगी।

आबकारी विभाग के अनुसार पहले दिन किन्नौर, हमीरपुर और चंबा जिलों के लिए ई-नीलामी प्रक्रिया शुरू की गई। इच्छुक आवेदक विभाग की आधिकारिक वेबसाइट और आबकारी ई-गवर्नेंस पोर्टल पर जाकर सीधे ऑनलाइन बोली में भाग ले सकते हैं। खास बात यह है कि बोलीदाता अपने घर या कार्यालय से ही डिजिटल माध्यम से आवेदन और बोली लगा सकेंगे, जिससे पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और आसान होने की उम्मीद जताई जा रही है।

किन्नौर, हमीरपुर और चंबा जिलों की शराब इकाइयों के लिए ऑनलाइन आवेदन 23 फरवरी 2026 शाम 6:55 बजे से 26 फरवरी 2026 शाम 6:15 बजे तक स्वीकार किए जाएंगे। दस्तावेजों की जांच 25 फरवरी शाम 6:30 बजे से 27 फरवरी 2026 शाम 6:55 बजे तक होगी, जबकि नीलामी 28 फरवरी 2026 को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जाएगी।

सिरमौर, ऊना और बद्दी जिलों के लिए आवेदन 24 फरवरी शाम 6:55 बजे से 26 फरवरी शाम 6:15 बजे तक लिए जाएंगे। इन जिलों के दस्तावेज 26 फरवरी शाम 6:30 बजे से 28 फरवरी शाम 6:55 बजे तक जांचे जाएंगे और नीलामी 2 मार्च 2026 को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक होगी।

सोलन, कांगड़ा और बिलासपुर जिलों के लिए आवेदन 25 फरवरी शाम 6:55 बजे से 27 फरवरी शाम 6:30 बजे तक स्वीकार किए जाएंगे। दस्तावेजों की जांच 27 फरवरी शाम 6:30 बजे से 2 मार्च शाम 6:55 बजे तक चलेगी और नीलामी 3 मार्च 2026 को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगी।

मंडी और नूरपुर इकाइयों के लिए आवेदन 26 फरवरी शाम 6:55 बजे से 28 फरवरी शाम 6:15 बजे तक जमा किए जा सकेंगे। दस्तावेजों की जांच 28 फरवरी शाम 6:30 बजे से 3 मार्च शाम 6:55 बजे तक की जाएगी, जबकि नीलामी 5 मार्च 2026 को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक होगी।

शिमला और कुल्लू जिलों के लिए आवेदन 27 फरवरी शाम 6:55 बजे से 3 मार्च शाम 6:15 बजे तक स्वीकार किए जाएंगे। इनके दस्तावेज 3 मार्च शाम 6:30 बजे से 6 मार्च शाम 6:55 बजे तक जांचे जाएंगे और नीलामी 7 मार्च 2026 को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक होगी।

राज्य कर एवं आबकारी आयुक्त डॉ. यूनुस ने बताया कि सभी आवेदकों के लिए निर्धारित ई-नीलामी पोर्टल पर वैध डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट (डीएससी) के माध्यम से पंजीकरण करना अनिवार्य है। उन्होंने संभावित बोलीदाताओं को सलाह दी है कि वे भाग लेने से पहले आबकारी नीति 2026-27, मानक संचालन प्रक्रिया और उपयोगकर्ता पुस्तिका को ध्यान से पढ़ लें, ताकि प्रक्रिया के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो। ये सभी दस्तावेज विभागीय वेबसाइट और ई-नीलामी पोर्टल पर उपलब्ध कराए गए हैं।

कांगड़ा जिला में 478 भूमिहीन परिवारों को उपलब्ध करवाई गई जमीन : आयुष मंत्री

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

आयुष, युवा सेवाएं एवं खेल तथा विधि मंत्री यादविंद्र गोमा ने कहा कि कांगड़ा जिला में पात्र भूमिहीन परिवारों को आवास निर्माण के लिए प्राथमिकता के आधार पर भूमि उपलब्ध करवाने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी। उन्होंने यह बात जिला कांगड़ा में जिला योजना, विकास एवं 20 सूत्रीय कार्यक्रम समीक्षा समिति की हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड, धर्मशाला के सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही।

आयुष मंत्री यादविंद्र गोमा ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र भूमिहीन परिवारों को आवास निर्माण के लिए प्राथमिकता के आधार पर भूमि उपलब्ध करवाने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि लंबित आवेदनों का आवंटन मई माह पूर्ण करना सुनिश्चित किया जाए, ताकि कोई भी भूमिहीन परिवार आवास सुविधा से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि कांगड़ा जिला में 478 भूमिहीन परिवारों को आवास के लिए सरकार की ओर से भूमि उपलब्ध करवाई गई है।

समीक्षा बैठक के दौरान मनरेगा के अंतर्गत रोजगार उपलब्धता, जॉब कार्ड जारी करने की स्थिति तथा मजदूरी भुगतान की प्रगति पर भी चर्चा की गई। आयुष मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मांग के अनुसार कार्य उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने, उन्हें समय पर ऋण सुविधा उपलब्ध कराने तथा उनके उत्पादों के विपणन के लिए प्रभावी मंच उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया गया। यादविंद्र गोमा ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े पात्र व्यक्ति तक पहुंचना सुनिश्चित किया जाए तथा सभी विभाग निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति करें।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा एंटी-चिट्टा अभियान को जन आंदोलन बनाने के लिए प्रदेश में ह्यचिट्टा सूचना इनाम योजनाह्ल की गई है और चिट्टा की सूचना देने वालों को इनाम भी दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश में न केवल सख्त प्रवर्तन सुनिश्चित कर रही है, बल्कि नशे से पीड़ित व्यक्तियों की काउंसलिंग, उपचार और पुनर्वास तंत्र को भी मजबूत कर रही है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि मादक पदार्थ ह्यचिट्टाह्ल के उन्मूलन के लिए सक्रिय सहयोग दें तथा 112 नंबर पर कॉल करके या नजदीकी पुलिस स्टेशन में सूचना दे सकते हैं।

सामुदायिक भवन का किया लोकार्पण, श्री गुरु रविदास जी सभा परिसर में नई सुविधा

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

जम्मू पश्चिम के विधायक अरविन्द गुप्ता ने सोमवार को जम्मू पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के वार्ड संख्या 29 स्थित श्री गुरु रविदास जी सभा में नवनिर्मित सामुदायिक भवन का उद्घाटन कर इसे स्थानीय जनता को समर्पित किया। यह भवन सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए समर्पित रहेगा। उद्घाटन समारोह में सभा समिति के सदस्य, भाजपा के वरिष्ठ नेता, मंडल अध्यक्ष भाजपा रिहाड़ी-बख्शी नगर, पार्टी कार्यकर्ता तथा जम्मू नगर निगम के अधिकारी उपस्थित रहे। स्थानीय निवासियों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र की आधारभूत संरचना में महत्वपूर्ण योगदान बताया। इस अवसर पर विधायक अरविंद गुप्ता ने कहा कि नया सामुदायिक भवन क्षेत्रवासियों को एक समर्पित मंच प्रदान करेगा जहां विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे विकास कार्य न केवल आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करते हैं बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को भी सशक्त बनाते हैं। उन्होंने सभा समिति और स्थानीय नागरिकों के सहयोग की सराहना करते हुए आश्वासन दिया कि वार्ड स्तर पर विकास कार्य उनकी प्राथमिकता में शामिल हैं और जम्मू पश्चिम में नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए आगे भी पहल की जाएगी। सभा समिति के सदस्यों ने विधायक और संबंधित विभागों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह भवन धार्मिक अनुष्ठानों, सामुदायिक बैठकों, शैक्षणिक गतिविधियों तथा युवाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों के कार्यक्रमों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

कठुआ रेलवे स्टेशन के विकास और ट्रेनों के ठहराव बहाली की मांग

एजेंसी (हि.स.)
कठुआ

कठुआ के विधायक डॉ. भारत भूषण ने उत्तरी रेलवे जम्मू मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) विवेक कुमार के साथ बैठक कर कठुआ रेलवे स्टेशन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए।

विधायक ने डीआरएम को अवगत कराया कि टाटा मूरी, अर्चना एक्सप्रेस और सूबेदारगंज जैसी ट्रेनों का ठहराव कोविड-काल के दौरान कठुआ स्टेशन पर बंद कर दिया गया था, जिसे अभी तक बहाल नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि इससे रोजाना आने-जाने वाले कर्मचारियों, यात्रियों तथा अमृतसर स्थित दरबार साहिब जाने वाले श्रद्धालुओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि उन्हें ट्रेन पकड़ने के लिए पहले पठानकोट जाना पड़ता है। डॉ. भारत भूषण ने मरोली रोड पर आरपीएफ पुलिस स्टेशन के पास बने अंडरपास की जर्जर स्थिति का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि इस खराब अंडरपास के कारण कंडी पंचायतों के ग्रामीणों और आईआईडीसी केंद्र के औद्योगिक श्रमिकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही जंगलोट और जसरोटा में रेलवे ट्रैक पर नए अंडरपास के निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि यातायात सुचारु रह सके और लोगों को 20-30 मिनट तक लगने वाले जाम से राहत मिल सके। इसके अलावा विधायक ने कठुआ रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं के विस्तार, नए पंखे और बैठने की व्यवस्था तथा प्लेटफार्मों के बीच आवाजाही को सुगम बनाने के लिए एस्केलेटर लगाने की मांग भी की। इस पर डीआरएम विवेक कुमार ने सभी मांगों पर उचित और आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

संक्षिप्त-समाचार

जेकेपीसीसी किसान विभाग के नेतृत्व में परगवाल में किसानों का प्रदर्शन

जम्मू। जेकेपीसीसी किसान विभाग के प्रदेश अध्यक्ष भारत प्रिय के नेतृत्व में बॉर्डर फार्मर्स वेलफेयर एसोसिएशन के बैनर तले खौड़ उप-डिवीजन के परगवाल तहसील में किसानों ने जोरदार प्रदर्शन किया। पिछले 72 घंटों से बिजली आपूर्ति ठप रहने के विरोध में किसानों ने पावर डेवलपमेंट डिपार्टमेंट (पीडीडी), जिला प्रशासन जम्मू तथा तहसीलदार परगवाल के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि लगातार बिजली कटौती से सिंचाई कार्य, घरेलू गतिविधियाँ और सीमावर्ती क्षेत्र का सामान्य जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। भारत प्रिय ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि सीमांत क्षेत्रों के निवासी पहले ही भौगोलिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, ऐसे में मूलभूत सुविधाओं में बाधा अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि खेती के महत्वपूर्ण मौसम में पानी के मोटरों के संचालन के लिए निर्बाध बिजली आपूर्ति अनिवार्य है। उन्होंने निकोवाल जैसे सीमावर्ती इलाकों के किसानों को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताते हुए कहा कि उन्हें विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। प्रदर्शन के दौरान तहसीलदार परगवाल के माध्यम से सरकार को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें बिजली आपूर्ति की तत्काल बहाली और बार-बार होने वाली कटौती का स्थायी समाधान करने की मांग की गई। ज्ञापन में यह भी स्पष्ट किया गया कि सिंचाई के लिए उपयोग होने वाले पानी के मोटरों के बिजली बिल किसानों से वसूलना अन्यायपूर्ण है, क्योंकि कृषि क्षेत्र पहले ही आर्थिक दबाव झेल रहा है। प्रदर्शन के बाद गांव में बिजली आपूर्ति बहाल होने की सूचना है। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि समस्याएं दोबारा उत्पन्न हुईं तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। भारत प्रिय ने आश्वासन दिया कि सीमांत किसानों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रहेगा।

आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार और जीवनरक्षक तकनीकों पर 50 प्रतिभागियों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

जम्मू। सरकारी शिक्षा महाविद्यालय नहर मार्ग, जम्मू में 5 दिवसीय सिविल डिफेंस बेसिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सिविल डिफेंस जम्मू के उप नियंत्रक के पर्यवेक्षण तथा डिप्टी चीफ वार्डन आर. विजय मगोतरा के समन्वय से आयोजित किया जा रहा है। शिविर में 50 छात्र-छात्राएं एवं स्टाफ सदस्य भाग ले रहे हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को आपातकालीन प्रतिक्रिया, बचाव कार्य, प्राथमिक उपचार, अग्निशमन और जीवनरक्षक तकनीकों का प्रशिक्षण देना है। विशेष रूप से हवाई हमले, प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं के दौरान अपनाए जाने वाले निवारक उपायों की जानकारी भी दी जा रही है। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. ज्योति परिहार ने सिविल डिफेंस टीम का स्वागत करते हुए ऐसे उपयोगी प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्य वार्डन सिविल डिफेंस, जम्मू परमजीत कुमार ने अपने व्याख्यान में पांच दिवसीय प्रशिक्षण की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए सिविल डिफेंस की भूमिका के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक किया। डिप्टी चीफ वार्डन आर. विजय मगोतरा ने सिविल डिफेंस वार्डन सेवाओं की जिम्मेदारियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सिविल डिफेंस राष्ट्रीय आपदा तैयारी तंत्र का महत्वपूर्ण अंग है जिसका उद्देश्य नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और संकट की घड़ी में त्वरित सहायता प्रदान करना है।

राष्ट्रीय पैरा अल्पाइन स्कीइंग में मंडी का दबदबा: उमेश को स्वर्ण और अतुल को मिला रजत पदक

मंडी। नारकंडा में आयोजित दूसरी राष्ट्रीय पैरा अल्पाइन स्कीइंग प्रतियोगिता में मंडी जिला पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए जिला और प्रदेश का नाम पूरे देश में रोशन किया है। युवा सेवा एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त इस प्रतिष्ठित आयोजन में हिमाचल प्रदेश पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के मार्गदर्शन में मंडी के दो जांबाज खिलाड़ियों ने कड़े मुकाबलों के बीच शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के परिणामों के अनुसार मंडी के उभरते खिलाड़ी उमेश कुमार ने अपनी श्रेणी कैटेगरी एलडब्ल्यू -9 में उत्कृष्ट तकनीक और अदम्य साहस का परिचय देते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया है। वहीं अतुल चौहान ने कैटेगरी एलडब्ल्यू -4 श्रेणी में अपनी स्टीक स्किल्स और अथक परिश्रम के दम पर रजत पदक जीतकर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। इन खिलाड़ियों की सफलता ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि आत्मविश्वास मजबूत हो और लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पण हो, तो कोई भी शारीरिक चुनौती सफलता के मार्ग में बाधा नहीं बन सकती।

शिमला में आंगनबाड़ी कर्मियों का प्रदर्शन, आंदोलन तेज करने की चेतावनी

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

राजधानी शिमला में आंगनबाड़ी वर्करज एवं हैल्परज यूनियन (संबंधित सीटू) की प्रोजेक्ट कमेटी ने अपनी मांगों को लेकर सोमवार को महिला एवं बाल विकास विभाग के निदेशक कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में जुटे आंगनबाड़ी वर्कर्स और हेल्पर्स ने विभाग की कथित उदासीनता के खिलाफ नारेबाजी करते हुए निदेशक को मांग पत्र सौंपा। प्रदर्शन में यूनियन से जुड़े कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए यूनियन नेताओं ने आरोप लगाया कि आंगनबाड़ी कर्मियों से लगातार अतिरिक्त काम लिया जा रहा है, लेकिन उन्हें जरूरी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं करवाई जा रही हैं। उनका कहना है कि कई-कई महीनों तक वेतन न मिलने से कर्मियों को गंभीर आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नेताओं ने यह भी कहा कि पुराने और खराब मोबाइल फोन, लंबित रिचार्ज भुगतान, स्टेशनरी और किचन सामग्री की कमी, कम ढुलाई दर और प्रोत्साहन राशि में देरी के कारण कर्मचारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

यूनियन ने ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाली आंगनवाड़ी कर्मी हर्षा के परिवार को 50 लाख रुपये मुआवजा देने और परिवार के एक सदस्य को करुणामूलक आधार पर नौकरी देने की मांग भी उठाई। इसके अलावा यूनियन ने साफ कहा कि जब तक नए स्मार्ट फोन या टैबलेट उपलब्ध नहीं कराए जाते, तब तक ऑफलाइन कार्य बंद किया जाए। मांग पत्र में सीबीई इंसेंटिव को ऑफलाइन बिल के आधार पर देने, पोषण ट्रैकर से जुड़ी तकनीकी समस्याओं को दूर करने, गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने, वर्दी भत्ता देने, मेडिकल अवकाश और छुट्टियां सुनिश्चित करने तथा आयुष्मान कार्ड में पूरे परिवार को शामिल करने जैसी मांगों को भी प्रमुखता से रखा गया।

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि विभाग ने जल्द सकारात्मक कदम नहीं उठाए तो यूनियन अपने आंदोलन को और तेज करने के लिए मजबूर होगी। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति की पूरी जिम्मेदारी विभाग की होगी।

हिमाचल सदन में हुड़दंगियों को पनाह, क्या यही है कांग्रेस का व्यवस्था परिवर्तन: जयराम ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने दिल्ली स्थित हिमाचल सदन में एआई समिट के दौरान प्रदर्शन करने वाले युवकों के ठहरने के मामले में प्रदेश की सुक्खू सरकार को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने केंद्र व दिल्ली सरकार से इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

जयराम ठाकुर ने सोमवार को मंडी से जारी प्रेस बयान में कड़े शब्दों में प्रहार करते हुए पूछा कि क्या यही मुख्यमंत्री का वह व्यवस्था परिवर्तन है, जिसके तहत उस स्थान पर असामाजिक तत्व कमरा लेकर हुड़दंग मचा रहे हैं जहां स्वयं मुख्यमंत्री ठहरे हुए थे।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी लोकप्रिय केंद्र सरकार के खिलाफ साजिश रचने वालों को न केवल हिमाचल सदन में पनाह दी गई, बल्कि वहां पैसों का अवैध लेन-देन तक होने की सूचनाएं हैं, जो राज्य की छवि के लिए अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक है।

नेता प्रतिपक्ष ने इस घटनाक्रम को कांग्रेस के असली चरित्र का प्रमाण बताते हुए कहा कि यह बेहद चिंताजनक है कि सरकारी संपत्ति का उपयोग देश के शीर्ष नेतृत्व के विरुद्ध गतिविधियों के लिए किया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर किसके इशारे पर इन प्रदर्शनकारियों को सदन में ठहराया गया और दिल्ली में उन्हें कौन राजनीतिक संरक्षण प्रदान कर रहा था, क्योंकि बिना किसी ऊंचे रसूख के ऐसे संवेदनशील स्थान पर रुकना संभव नहीं है।

जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश की जनता का पैसा उन वकीलों पर लुटाया जा रहा है जो सरकार के गलत कार्यों को सही ठहराने के लिए मोटी फीस वसूल रहे हैं, जबकि प्रदेश की आर्थिक स्थिति बदहाल है। उन्होंने मांग की है कि दिल्ली पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां इस मामले की तह तक जाएं कि इन तत्वों के पीछे कौन सी ताकतें सक्रिय थी।

शिकंजा

डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर पुलिस को मिली सफलता

पुलिस ने युवक की हत्या कर फरार हुए दो आरोपी गिरफ्तार किए

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

शिमला पुलिस ने बडियारा पुल के पास युवक के ब्लाइंड मर्डर मामले में कुल्लू जिला के कसौल से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसएसपी शिमला गौरव सिंह ने शिमला में पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी।

उन्होंने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि पुलिस थाना चिडगांव में 18 फरवरी को धारा 103, 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। उसी दिन 112 हेल्पलाइन के माध्यम से पुलिस को सूचना मिली थी कि बडियारा पुल के समीप पब्बर नदी के किलोचा नाला क्षेत्र में एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा है। शव से काफी खून बह रहा था तथा मृतक के दोनों हाथ-पैर कपड़े से बंधे हुए थे।

सूचना मिलते ही थाना चिडगांव की पुलिस टीम और डीएसपी रोहडू मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। स्थानीय लोगों से पूछताछ के बाद मृतक की पहचान राकेश प्रताप उर्फ सेती राम कामी (36 वर्ष), निवासी डाकाडाम/2 नेपाल के रूप में हुई। वह बडियारा के एक व्यक्ति के बगीचे में मजदूरी करता था।

घटना की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक साइंस लैब जुन्गा की टीम और पुलिस डॉग स्क्वॉड को मौके पर बुलाया गया। पुलिस ने घटनास्थल से भौतिक और डिजिटल साक्ष्य कब्जे में लिए। हत्या में इस्तेमाल पत्थर और खंजर भी बरामद किए गए। आसपास के सभी सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए और संदिग्धों के फोटो मीडिया के माध्यम से जारी किए गए।

स्थानीय लोगों ने बताया कि घटना वाले दिन मृतक को दो नेपाली मूल के व्यक्तियों के साथ घूमते देखा गया था।

जांच के दौरान गवाहों से पूछताछ, डिजिटल साक्ष्यों और खुफिया जानकारी के आधार पर पता चला कि 17 फरवरी 2026 को दो संदिग्ध व्यक्ति मृतक से मिलने बडियारा पहुंचे थे। उन्होंने दिन में मृतक के कमरे में शराब पी और शाम करीब 7 बजे और शराब पीने के बहाने उसे पब्बर नदी के किनारे किलोचा नाला ले गए। वहां मामूली कहासुनी के बाद आरोपियों ने तेजधार हथियार और पत्थरों से हमला कर उसकी निर्मम हत्या कर दी। आरोपियों ने मृतक का चेहरा भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया और उसका मोबाइल फोन गायब कर दिया, ताकि पहचान न हो सके। हत्या के बाद दोनों आरोपी फरार हो गए और अपने मोबाइल फोन बंद कर दिए।

डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर पुलिस को आरोपियों के कुल्लू जिला के कसोल और मणीकर्ण क्षेत्र में छिपे होने की जानकारी मिली। प्रवासी मजदूर पंजीकरण रजिस्टर की जांच के बाद आरोपियों की पहचान ललित राणा उर्फ लक्ष्मण राणा (20 वर्ष) पुत्र नैन बहादुर, निवासी भुरपावरी जिला जजरकोट, नेपाल और साहबीर लुवर (21 वर्ष) पुत्र विसे लुवर, निवासी भुरपावरी जिला जजरकोट, नेपाल के रूप में हुई। दोनों आरोपी कुछ दिन पहले ही गांव देवीधार में मजदूरी के लिए आए थे और घटना के दिन से लापता थे। 22 और 23 फरवरी 2026 की मध्य रात्रि को चिडगांव पुलिस टीम ने कसोल जिला कुल्लू में दबिश देकर दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया और उन्हें थाना चिडगांव लाया गया। आरोपियों के कब्जे से मृतक का मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है।

एसएसपी ने कहा कि पुलिस द्वारा मामले की जांच हर पहलू से की जा रही है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि प्रवासी मजदूरों और किरायेदारों को काम पर रखने या मकान किराये पर देने से पहले नजदीकी पुलिस थाना या चौकी में उनका पंजीकरण अवश्य करवाएं, ताकि भविष्य में किसी भी आपराधिक घटना की स्थिति में समय पर पहचान और कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक मामले में जांच के लिए बनेगी कमेटी: नायब सैनी

किसी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा, एक एक पैसा हैं सुरक्षित: मुख्यमंत्री

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के मामले में कहा कि हरियाणा सरकार के विभागों की जागरूकता से यह मामला सामने आया और इस पर सरकार ने तत्काल बैंक को डि-एमपैनल कर दिया। बैंक द्वारा जो स्टेटमेंट उपलब्ध कराए गए, वे-विभागीय स्टेटमेंट से मेल नहीं खाते थे। राज्य सरकार गंभीरता से इस मामले की जांच करवा रही है। सरकार ने ये मामला राज्य के एंटी करप्शन ब्यूरो को सौंपा है। इसके अलावा, इस पूरे मामले की जांच के लिए एक उच्चस्तरीय कमेटी का भी गठन किया जायगा।

मुख्यमंत्री ने इस विषय पर सोमवार को हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सदन में और पत्रकारों से बातचीत करते हुए जानकारी दी कि आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने सेबी को पत्र लिखा, जिसमें बैंक के कर्मचारियों द्वारा गड़बड़ किए जाने की बात कही। इस मामले में बैंक ने भी अपने कर्मचारियों पर कार्रवाई शुरू कर रखी है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के लेनदेन में मिली अनियमितताओं के सम्बंध में एफआईआर दर्ज हो गयी है। बैंक ने इस सम्बंध में 21 फरवरी को पत्र लिखा था, जबकि जैसे ही यह मामला राज्य सरकार के संज्ञान में आया तो सरकार ने पहले ही 18 फरवरी को बैंक को डि-एमपैनल करते हुए ब्याज सहित पैसा राष्ट्रीय बैंक में ट्रांसफर करने के लिए कह दिया था, पैसा पूरा सुरक्षित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक एक पैसा वापिस लाया जाएगा, इस सम्बंध में बैंक के कर्मचारी ने कोई हरकत की है या फिर किसी और ने, इन पहलुओं की जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने प्रो-एक्टिव होकर इस मामले को पकड़ा है क्योंकि राज्य सरकार हर विषय के ऊपर बहुत गंभीरता से ध्यान देती है। उन्होंने कहा कि आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के पास हरियाणा सरकार की जो धनराशि जमा थी, उसका एक बड़ा भाग सावधि जमा यानी कि एफ.डी. के रूप में निवेशित था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बैंकों में विभागों द्वारा पैसा रखने की प्रथा आज से नहीं, बल्कि पहले से ही है। कांग्रेस के समय में भी विभागों का पैसा बैंकों में रहता था। बैंकों के पैनल बनते रहते है, और नए बैंक जुड़ते रहते है। इस मामले की गहनता से जांच की जाएगी और किसी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री ने सदन में शालीनता और स्वस्थ बहस का किया आह्वान

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विधानसभा लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहां सभी चुने हुए प्रतिनिधियों का सम्मान होना चाहिए और सदन की गरिमा हर हाल में बनाए रखी जानी चाहिए। मुख्यमंत्री सोमवार को विधानसभा के बजट सत्र के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। विधानसभा में आचरण से संबंधित पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने विधायकों से आग्रह किया कि सदन में शालीनता रखें। उन्होंने कहा कि कटाक्ष या टिप्पणी ऐसी हो जिससे किसी की भावनाएं आहत न हों। सभी जनप्रतिनिधि जनता द्वारा चुने गए हैं और सभी का सम्मान आवश्यक है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस हमेशा गुमराह करने वाले बयान देती है और उसके पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार नौकरियों सहित हर विषय पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन इसके लिए विपक्ष को भी सदन में बैठकर चर्चा सुननी और करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में भी मनरेगा का नाम कई बार बदला गया। वर्तमान में वीबी जी रामजी ग्रामीण के अंतर्गत 125 दिन के रोजगार की गारंटी दी गई है। काम के दायरे का विस्तार किया गया है और देशभर के मजदूर/मेट सरकार के इस फैसले का स्वागत कर रहे हैं।

सर्वाइकल कैंसर की घटनाओं व मृत्यु दर को कम करने के लिए सरकार कर रही है निरंतर प्रयास : आरती सिंह राव

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और सर्वाइकल कैंसर की घटनाओं व मृत्यु दर को कम करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि सरकार जागरूकता, समय पर जांच और बेहतर उपचार सुविधाओं को मजबूत करने के लिए कई ठोस कदम उठा रही है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि हर वर्ष विश्व कैंसर दिवस और राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस के अवसर पर महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर के जोखिम कारकों, लक्षणों, शुरूआती पहचान और बचाव के बारे में जागरूक किया जाता है तथा विशेष अभियान चलाए जाते हैं। इसके अलावा, मेडिकल अधिकारियों, स्टाफ नर्सों, सीएचओ और फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कर्मियों को नियमित प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे स्क्रीनिंग की गुणवत्ता, समय पर पहचान, परामर्श और फॉलो-अप देखभाल में सुधार हो सके।

आरती सिंह राव ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर गर्भाशय के निचले हिस्से (सर्विक्स) में शुरू होने वाला कैंसर है, जिसका मुख्य कारण ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (ल्ढश) का लंबे समय तक संक्रमण होता है। विशेष रूप से ल्ढश-16 और ल्ढश-18 प्रकार अधिक खतरनाक माने जाते हैं। धूम्रपान, कम उम्र में यौन संबंध, एक से अधिक यौन साथी, असुरक्षित यौन व्यवहार, कम उम्र में विवाह और गर्भधारण, बार-बार प्रसव और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली जैसे कारक इसके जोखिम को बढ़ाते हैं।

सर्वाइकल कैंसर के सामान्य लक्षणों में पीरियड्स के बीच रक्तस्राव, अत्यधिक या लंबे समय तक मासिक धर्म, रजोनिवृत्ति के बाद रक्तस्राव, यौन संबंध के बाद रक्तस्राव, दुर्गंधयुक्त योनि स्राव, निचले पेट में दर्द, अचानक वजन घटना और पेशाब के दौरान दर्द शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यदि इस बीमारी का समय रहते पता चल जाए तो इसका इलाज काफी हद तक संभव है।

उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग, हरियाणा द्वारा इस दिशा में कई महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। राज्य के सभी 22 जिलों में गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत 30 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं की स्क्रीनिंग की जा रही है। इस अभियान में उच्च रक्तचाप, मधुमेह और सामान्य कैंसरकृमुख, स्तन और सर्वाइकल कैंसर की जांच शामिल है।

महिलाओं की जांच के लिए विजुअल इंस्पेक्शन विद एसेटिक एसिड (श्क्अ) नामक सरल टेस्ट का उपयोग किया जा रहा है, जिसकी सुविधा आयुष्मान आरोग्य मंदिर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, उप-जिला अस्पताल और जिला नागरिक अस्पतालों में उपलब्ध है।

ज्योतिसर अनुभव केंद्र व पुरुषोत्तमपुरा बाग पर्यटन स्थलों पर सांग जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की तैयार करेंगे योजना : विश्राम कुमार मीणा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि ज्योतिसर अनुभव केंद्र व पुरुषोत्तमपुरा बाग पर्यटन स्थलों पर सांग जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की योजना तैयार की जाएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी गीता स्थली ज्योतिसर को आध्यात्मिक केंद्र बनाने की योजना पर काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कुरुक्षेत्र को धार्मिक नगरी के साथ-साथ पर्यटक नगरी के रूप में विकसित करने के लिए पूरा सहयोग दे रहे हैं। इसी दिशा में महाभारत अनुभव केंद्र स्थापित किया गया और इसके साथ ही एक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति को लेकर योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि ये प्रस्तुतियां सांग कार्यक्रम ही नहीं है, बल्कि कला, सांस्कृतिक व सामाजिक ताना बाना है। यहीं से समाज के हर वर्ग के लोगों को एक साथ बैठकर भाईचारे को बढ़ावा देने का मंच मिलता है।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा सोमवार को कलाकृति भवन हरियाणा कला परिषद के भरतमुनि रंगशाला के सभागार में प्रसिद्ध लोक कलाकार धनपत सिंह की स्मृति में आयोजित 5 दिवसीय सांग महोत्सव 2026 के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा को पद्मश्री डा. महावीर गुड्डू, ने पगड़ी पहनाकर, प्रोजेक्ट ऑफिसर डा. पवन आर्य ने पुष्प गुच्छ व चित्र भेंट कर सम्मानित किया। प्रदेशभर से 24 टीमों के बीच सांग का कंपीटिशन किया जा रहा है। प्रदेश सरकार की तरफ से विजेता को 1 लाख का पुरस्कार दिया जाएगा।

उपायुक्त ने कहा कि सांग महोत्सव के दूसरे सीजन का आयोजन कुरुक्षेत्र में होना यहां के लोगों के लिए बड़ा सौभाग्य है। प्रदेश का नाम रोशन करने वालों का सरकार पूरा सहयोग कर रही है।

कौशल विकास और शोध-आधारित शिक्षा समय की आवश्यकता: प्रो. राकेश कुमार

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

- कुवि में डेटा एनालिटिक टेक्नीक्स यूजिंग एसपीएसएस एवं आर विषय पर एक सप्ताह की कार्यशाला आरम्भ

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में सांख्यिकी एवं परिचालन अनुसंधान विभाग द्वारा ह्लडेटा एनालिटिक टेक्नीक्स यूजिंग एसपीएसएस एवं आरह्व विषय पर एक सप्ताह की कार्यशाला का शुभारंभ 23 फरवरी से विश्वविद्यालय के सीनेट हॉल में किया गया। यह कार्यशाला 27 फरवरी, 2026 तक आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम का आयोजन कौशल विकास केंद्र के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों के आगमन, पुष्प स्वागत तथा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

मुख्य अतिथि प्रो. राकेश कुमार, डीन अकादमिक अफेयर्स, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने अपने उद्घाटन संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत कौशल विकास एवं अनुसंधान-आधारित शिक्षा को विशेष महत्व दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि उन्हें व्यावहारिक दक्षताओं से भी सशक्त बनाना है। उन्होंने इस कार्यशाला को समय की आवश्यकता बताते हुए कहा कि डेटा विश्लेषण में दक्षता आज प्रत्येक विषय के विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य हो चुकी है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. डी. एस. हुड्डा, पूर्व प्रो-वाईस चांसलर, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने अपने उद्बोधन में कहा कि सांख्यिकी केवल संख्याओं का अध्ययन नहीं, बल्कि वैज्ञानिक निर्णय-प्रक्रिया का आधार है। उन्होंने कहा कि आज ह्लडेटा ही नई ऊर्जाह्व की अवधारणा सार्थक सिद्ध हो रही है, किंतु कच्चे डेटा को उपयोगी सूचना में परिवर्तित करने के लिए प्रशिक्षित विश्लेषकों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शोध की गुणवत्ता तभी सुनिश्चित होती है जब डेटा का विश्लेषण वैज्ञानिक एवं तार्किक ढंग से किया जाए। एसपीएसएस एवं आर जैसे आधुनिक सॉफ्टवेयर में दक्षता प्राप्त कर शोधार्थी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बन सकते हैं।

विभागाध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र कुमार ने स्वागत भाषण में कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि प्रतिस्पर्धात्मक एवं शोध-उन्मुख वातावरण में डेटा विश्लेषण तकनीकों का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। कार्यशाला के संयोजक प्रो. एम. एस. कादयान ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए कहा कि इस पांच दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा प्रतिभागियों की वर्तमान शैक्षणिक एवं शोध आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। राष्ट्रगान के साथ उद्घाटन सत्र का समापन हुआ।

इस अवसर पर प्रो. विनोद भारद्वाज, प्रो. संजीव अग्रवाल, प्रो. तेजेन्द्र शर्मा, प्रो. परमेश कुमार, प्रो. पंकज सिंह, प्रो. दीपक राय बब्बर, डॉ. गुरचरण, डॉ. ज्ञान चहल, डॉ. सौरभ चौधरी, डॉ. सुरेन्द्र जगलान, डॉ. मनीष गोयल, डॉ. जोरावर बूरा तथा डॉ. विपिन बाला सहित अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

संक्षिप्त-समाचार

भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त कार्रवाई – तीन आरोपियों के खिलाफ माननीय न्यायालय में चालान पेश

गुरुग्राम। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम द्वारा भ्रष्टाचार के एक गंभीर मामले में प्रभावी कार्रवाई करते हुए आज दिनांक 23.02.2026 को आरोपी अनिल कुमार (तत्कालीन जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक, गुरुग्राम), विजय कुमार (तत्कालीन सहायक खाद्य आपूर्ति अधिकारी, गुरुग्राम) तथा निरीक्षक प्रेम पूरण, गुरुग्राम के विरुद्ध धारा 7, 7ए, 13 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम तथा धारा 238 बीएनएसएस के अंतर्गत माननीय न्यायालय डॉ. गगन गीत कौर, ए.एस.जे., गुरुग्राम की अदालत में चालान (चार्जशीट) प्रस्तुत किया गया है। यह अभियोग शिकायतकर्ता रूपेश कुमार द्वारा दी गई लिखित शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया कि आरोपियों ने शिकायतकर्ता से उसका डिपो बंद करवाने के बदले घड़ी, मोबाइल फोन तथा 35,000 रुपये फोन-पे के माध्यम से अपने खाते में ट्रांसफर करवाए और अवैध रूप से रिश्वत की मांग की। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम द्वारा विधि सम्मत जांच उपरांत अभियोग संख्या 12 दिनांक 16.04.2025, धारा 7, 7ए, 13 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम एवं धारा 238 बीएनएसएस के तहत थाना राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम में मामला दर्ज किया गया था। गहन जांच और साक्ष्यों के आधार पर आरोपों की पुष्टि होने पर संबंधित आरोपियों के विरुद्ध माननीय न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया गया है। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा स्पष्ट किया गया है कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत दोषियों के विरुद्ध कठोर एवं निष्पक्ष कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

महिला सुपरवाइजर व मुख्य रसायनविद रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

चंडीगढ़। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, अम्बाला द्वारा भ्रष्टाचार के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आज दो अलग-अलग मामलों में प्रभावी कार्रवाई करते हुए आरोपियों को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। दोनों मामलों में कार्रवाई स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में पूर्ण पारदर्शिता के साथ की गई। हरियाणा शुगर मिल्स के मुख्य रसायनविद 2,50,000/- रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार दूसरे मामले में शिकायतकर्ता रणजीत सिंह पुत्र श्री राम आज्ञा प्रसाद निवासी जिला देवरिया, उत्तर प्रदेश की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए आरोपी मनोज कुमार, मुख्य रसायनविद, दी हरियाणा शुगर मिल्स, भाली आनन्दपुर, जिला रोहतक को 2,50,000/- रुपये रिश्वत लेते हुए सुनारिया रोड, रोहतक से गिरफ्तार किया गया। शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपी द्वारा उसकी फर्म के बिल की भुगतान प्रक्रिया करवाने, तैयार की गई चीनी की गुणवत्ता को अनुकूल दशार्ने तथा फर्म के प्रदर्शन को बेहतर दिखाने की एवज में 2,50,000/- रुपये की मांग की गई थी। इस संबंध में अभियोग संख्या 06 दिनांक 23.02.2026 धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 व धारा 308(2) बी.एन.एस. के तहत थाना राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, रोहतक में मामला दर्ज किया गया है।

आंगनबाड़ी सुपरवाइजर 2,000/- रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार

चंडीगढ़। जिला अंबाला निवासी शिकायतकर्ता सुभाष चन्द की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए महिला आरोपी मीनू, सुपरवाइजर आंगनबाड़ी, जिला अम्बाला को आंगनबाड़ी केन्द्र तेपला से 2,000/- रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया। शिकायत में आरोप लगाया गया कि शिकायतकर्ता की पत्नी श्रीमती उषा रानी, आंगनबाड़ी हेल्पर का केवाईसी न होने के कारण आई.डी.बी.आई. बैंक, मुलाना में खाता बंद हो गया था तथा तीन माह का वेतन लंबित था। नया बैंक खाता खुलवाने हेतु विभागीय मोहर व हस्ताक्षर करने तथा बकाया वेतन नए खाते में डलवाने की एवज में आरोपी द्वारा 4,000/- रुपये की मांग की गई थी। दिनांक 21.02.2026 को 2,000/- रुपये प्राप्त कर लिए गए थे तथा शेष 2,000/- रुपये आज लेते समय उसे रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में अभियोग संख्या 02 दिनांक 23.02.2026 धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत थाना राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, अम्बाला में दर्ज किया गया है। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने स्पष्ट किया है कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध उसकी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। आमजन से अपील की जाती है कि किसी भी प्रकार की रिश्वत मांगने की सूचना तुरंत ब्यूरो को दें, ताकि पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन की स्थापना सुनिश्चित की जा सके।

भारत निर्वाचन आयोग एवं राज्य निर्वाचन आयुक्तों का आज राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन आयोजित होगा

चंडीगढ़। भारत निर्वाचन आयोग 24 फरवरी 2026 मंगलवार को भारत मंडपम, नई दिल्ली में निर्वाचन आयोग एवं राज्य निर्वाचन आयुक्तों का राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन आयोजित करेगा। यह सम्मेलन 27 वर्षों के अंतराल के बाद आयोजित किया जा रहा है। इससे पूर्व ऐसा सम्मेलन वर्ष 1999 में आयोजित किया गया था। गोलमेज सम्मेलन की अध्यक्षता मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार करेंगे। इस अवसर पर निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू एवं डॉ. विवेक जोशी भी उपस्थित रहेंगे। सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य निर्वाचन आयुक्त अपने कानूनी एवं तकनीकी विशेषज्ञों सहित सम्मेलन में भाग लेंगे। सभी 36 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारी भी सम्मेलन में भाग रहेंगे। इस गोलमेज सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य निर्वाचन प्रक्रियाओं एवं व्यवस्थाओं के संदर्भ में निर्वाचन आयोग और राज्य निर्वाचन आयोग के कार्यों में समन्वय स्थापित करना है, ताकि वे अपने-अपने कानूनी ढांचे के अंतर्गत बेहतर तालमेल से कार्य कर सकें। विचार-विमर्श से रचनात्मक संवाद को बढ़ावा देने तथा निर्वाचन प्रबंधन में सहकारी संघीयता की भावना को सुदृढ़ करना है। एक दिवसीय सम्मेलन में ईवीएम, मतदाता सूची के विषयों सहित निर्वाचन प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने और प्रौद्योगिकी के साझा उपयोग पर चर्चा की जाएगी। आयोग के वरिष्ठ अधिकारी हाल ही में प्रारंभ किए गए ईसीआईनेट डिजिटल प्लेटफॉर्म सहित प्रमुख तकनीकी एवं कार्यान्वित पहलों पर प्रस्तुतियां देंगे तथा इसके माध्यम से निर्वाचन सेवाओं को सुव्यवस्थित करने की बदलावकारी संभावनाओं को रेखांकित करेंगे।

सरकार ओलंपिक, पैरा ओलंपिक और राष्ट्रीय खेलों के पदक विजेता खिलाड़ियों को बिना विलंब के दे रही है पुरस्कार राशि: गौरव गौतम

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के खेल राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम ने कहा कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित सभी प्रकार की प्रतियोगिताओं के लिए 31 दिसंबर 2022 तक की नकद पुरस्कार राशि हरियाणा के पात्र खिलाड़ियों को वितरित की जा चुकी है। साथ ही, वर्ष 2023, 2024 और 2025 के ओलंपिक, पैरा ओलंपिक और राष्ट्रीय खेलों जैसी प्रतियोगिताओं की नकद पुरस्कार राशि भी बिना किसी देरी के वितरित कर दी गई है। वर्ष 2023, 2024 और 2025 की शेष नकद पुरस्कार राशि भी पात्र खिलाड़ियों को शीघ्र ही वितरित की जाएगी। इसके साथ ही प्रशिक्षक अवार्ड हेतु कुल 52 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 31 पात्र प्रशिक्षकों को कुल 3.56 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है।

मंत्री आज हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सदन के एक सदस्य द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे।

श्री गौरव गौतम ने कहा कि हरियाणा के पात्र छात्र खिलाड़ियों को संबंधित शैक्षणिक सत्र की समाप्ति पर छात्रवृत्ति दी जाती है। सरकार ने सत्र 2023-24 तक छात्रवृत्ति जारी कर दी है और सत्र 2024-25 के लिए जांच अंतिम चरण में है और इसे भी जल्द ही जारी किया जाएगा। वर्ष 2019 से 2023-2024 तक 14306 खिलाड़ियों को 44.74 करोड़ रुपये की राशि वितरित की गई है। इसके अतिरिक्त 1 जुलाई 2024 से सरकार ने पात्र खिलाड़ियों को समय पर नकद पुरस्कार राशि का सुचारु वितरण सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया गया है।

उन्होंने कहा कि सरकार पात्र खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार मासिक आधार पर नहीं बल्कि वार्षिक आधार पर देती है। वर्ष 2019 से अब तक 8234 खिलाड़ियों को 491.22 करोड़ रुपये की नकद पुरस्कार राशि वितरित की गई है।

कला यह समाज में जागरूकता और सकारात्मक परिवर्तन का सशक्त माध्यम: प्रो. ब्रजेश साहनी

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोनमाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में ललित कला विभाग द्वारा द्वारा आयोजित कला प्रदर्शनी में विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा, सामाजिक सरोकार और समकालीन चिंतन का प्रभावशाली प्रदर्शन देखने को मिला। प्रदर्शनी का उद्घाटन डीन ऑफ कॉलेजेज प्रो. ब्रजेश साहनी ने किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. गुरचरण सिंह सहित प्राध्यापकगण, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं कला प्रेमी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि प्रो. ब्रजेश साहनी ने विद्यार्थियों की कृतियों की सराहना करते हुए कहा कि कला केवल सौंदर्यबोध तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज में जागरूकता और सकारात्मक परिवर्तन का सशक्त माध्यम भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर सृजनशील बने रहने के लिए प्रेरित किया। डॉ. गुरचरण सिंह ने कहा कि विभाग का उद्देश्य विद्यार्थियों को सामाजिक विषयों से जोड़ते हुए उनकी रचनात्मक क्षमता को मंच प्रदान करना है।

प्रदर्शनी में अंजू मलिक ने अपने सामाजिक जागरूकता अभियानों की श्रृंखला के माध्यम से डिजिटल सनस्क्रीन अभियान, पारंपरिक व्यवसायों के संरक्षण, वृद्धजन देखभाल और महिला गरिमा जैसे विषयों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। उत्कर्ष ने हिमाचल प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर और भारतीय मसालों की परंपरा को डिजिटल कला के माध्यम से दशार्ते हुए पारंपरिक रंगों और आधुनिक तकनीक का सुंदर समन्वय किया। वहीं, एकता की ह्लटाइम सीरीजह्व कृतियों में समय, परिवर्तन और जीवन चक्र के विभिन्न आयामों को प्रतीकात्मक शैली में उकेरा गया। प्रदर्शनी में उपस्थित दर्शकों ने विद्यार्थियों की मौलिकता और विषय चयन की सराहना की। यह आयोजन इस बात का प्रमाण है कि आज की युवा पीढ़ी कला के माध्यम से सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय मूल्यों को सशक्त अभिव्यक्ति दे रही है।

गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान सम्पूर्ण मानवता के लिए धार्मिक स्वतंत्रता और मानवाधिकारों की रक्षा का अद्वितीय उदाहरण: प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में फैकल्टी लाउंज में गुरु तेगबहादुर जी की 350वीं शहादत शताब्दी के उपलक्ष्य में श्री गुरु तेग बहादुर जी की शिक्षाएं एवं सर्वोच्च बलिदान (हिंद दी चादरः धार्मिक स्वतंत्रता और मानवाधिकारों की विरासत)ह्व विषय विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं विशेषज्ञ वक्ता के रूप में हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला के पूर्व उपाध्यक्ष एवं पूर्व कुलपति प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने अपने व्याख्यान में कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान केवल सिख इतिहास की घटना नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए धार्मिक स्वतंत्रता और मानवाधिकारों की रक्षा का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने 1675 के ऐतिहासिक बलिदान को वैश्विक मानवाधिकार चेतना की आधारशिला बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसचिव लेफ्टिनेंट प्रो. वीरेन्द्र पाल ने की। उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी को ह्लहिंद दी चादरह्व की उपाधि इसलिए मिली क्योंकि उन्होंने अन्य धर्मों की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उनका जीवन साहस, त्याग और सहिष्णुता की प्रेरणा देता है। डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. ए.आर.चौधरी ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को अपने इतिहास और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ते हैं। इस अवसर पर प्रो. नीरा राघव, कुवि आडिट के संयुक्त निदेशक सुखमीत सिंह, आरएसए भूपिन्द्र सिंह,डॉ सौरभ चौधरी , डॉ. गुरप्रीत सिंह, डॉ. सुरेन्द्र वर्मा, डॉ. जितेन्द्र जांगडा सहित शिक्षक, शोधार्थी व विद्यार्थी मौजूद रहे।

590 करोड़ रुपयों के घोटाले की हो उच्चस्तरीय जांच: सैलजा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- निजी बैंकों में खाते खोलने के निर्णय पर उठे सवाल; जवाबदेही तय हो
- कथित धोखाधड़ी के जिम्मेदारों पर हो कड़ी कार्रवाई

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा सरकार से जुड़े खातों में लगभग 590 करोड़ रुपयों की कथित वित्तीय अनियमितताओं को अत्यंत गंभीर और जनहित से जुड़ा मामला बताया है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह मामला चंडीगढ़ स्थित आइडीएफसी फर्स्ट बैंक की एक शाखा से जुड़ा हुआ है, जिसमें कुछ कर्मचारियों की संलिप्तता सामने आई है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकारी खातों से जुड़े लगभग 590 करोड़ रुपयों के कथित घोटाले की खबर बेहद चिंताजनक है। उनके अनुसार यह केवल वित्तीय गड़बड़ी नहीं, बल्कि जनता के विश्वास के साथ सीधा विश्वासघात है। उन्होंने सवाल उठाया कि इतनी बड़ी गड़बड़ी उच्च स्तर की लापरवाही या संभावित मिलीभगत के बिना कैसे हो सकती है और क्या आंतरिक ऑडिट तथा निगरानी तंत्र केवल औपचारिकता बनकर रह गए हैं।

कुमारी सैलजा ने स्पष्ट किया कि केवल चार अधिकारियों को निलंबित करना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि जब मामला जनता के पैसे का हो, तो पूरी जवाबदेही तय होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस मामले को केवल एक बैंक या शाखा तक सीमित नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि यह पूरे वित्तीय प्रबंधन तंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। उन्होंने निष्पक्ष, उच्चस्तरीय और समयबद्ध जांच की मांग करते हुए कहा कि सच्चाई जनता के सामने लाई जानी चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। सैलजा ने यह भी पूछा कि जब राष्ट्रीयकृत बैंक उपलब्ध थे, तब सरकारी विभागों और संस्थानों को निजी बैंकों में खाते खोलने के निर्देश क्यों दिए गए।

उन्होंने सरकार से मांग की कि वह स्पष्ट करे कि किन परिस्थितियों में और किसके निर्देश पर ऐसे निर्णय लिए गए तथा इसमें शामिल सभी अधिकारियों और प्रशासनिक स्तरों की पहचान की जाए। उन्होंने कहा कि यदि अब सरकार विभागों को राष्ट्रीयकृत बैंकों में खाते खोलने के निर्देश दे रही है, तो उसे यह भी सार्वजनिक करना चाहिए कि पहले स्थापित नीति के विपरीत निजी बैंकों को प्राथमिकता क्यों दी गई। कुमारी सैलजा ने पूरे मामले में जिम्मेदारी तय करने, न्यायिक या स्वतंत्र उच्चस्तरीय जांच कराने, संबंधित अधिकारियों और बाहरी व्यक्तियों की भूमिका उजागर करने, सरकारी धन की पूर्ण सुरक्षा और शीघ्र वसूली सुनिश्चित करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कड़े प्रोटोकॉल लागू करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि सार्वजनिक धन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और किसी भी स्तर पर लापरवाही या मिलीभगत बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। चाहे किसी का कितना भी प्रभाव या पद क्यों न हो, दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

संपादकीय

एल मेंचो के खात्मे के बाद ड्रग वर्ल्ड में भूचाल: पाब्लो एस्कोबार से भी खतरनाक था यह सरगना?

मेक्सिको के जलिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल (सी जे एन जी)के प्रमुख नेमेसियो रूबेन ओसेगुएरा सर्वेंट्स, जिन्हें दुनिया एल मेंचो के नाम से जाना जाता है, को सुरक्षा बलों ने 22 फरवरी 2026 को एक सशस्त्र ऑपरेशन में मार गिराया। यह ऑपरेशन मेक्सिको के पश्चिमी हिस्से में तपल्पा के पास हुआ, जहां मैक्सिकन सेना और राष्ट्रीय माओवादी ने संयुक्त कार्रवाई में एल मेंचो को ढेर कर दिया। घटना के तुरंत बाद देश के कई हिस्सों में हिंसा और बदला लेने की प्रतिक्रिया देखने को मिली, जिसमें गाड़ियों में आग, रोड ब्लॉक और सशस्त्र संघर्ष शामिल हैं। इस हमले में सी जे एन जी के कई सदस्यों के साथ-साथ सुरक्षा बलों के घायल होने की भी रिपोर्ट आई। एल मेंचो की मौत न सिर्फ मेक्सिको के लिए, बल्कि अमेरिका समेत पूरी दुनिया के लिए ड्रग व्यापार के खिलाफ संघर्ष में एक बड़ा मोड़ है। अमेरिका ने एल मेंचो को पकड़ने के लिए $15 मिलियन का इनामी रखा था, जो यह दिखता है कि उसे दुनिया के सबसे तलाश किए जाने वाले अपराधियों में से एक माना जाता था। ड्रग लॉर्ड्स ऐसे अपराधी होते हैं जो नशीला पदार्थों की तस्करी, वितरण, धन शोधन और हिंसक अपराधों का नेटवर्क चलाते हैं। ये लोग न सिर्फ अपने देश में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मादक पदार्थों की सप्लाई चेन को नियंत्रित करते हैं। अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा कोकीन उपभोक्ता है और इसके लिए ज्यादातर कोकीन लैटिन अमेरिका के कार्टेल्स के माध्यम से आता रहा है। सबसे प्रसिद्ध ड्रग लॉर्ड्स में से एक पाब्लो एमिलियो एस्कोबार गैविरिया था, जो कोलंबिया के मेडेलिन कार्टेल का नेता था। 1980 और 90 के दशक में एस्कोबार का कार्टेल अमेरिका और यूरोप को कोकीन की भारी खेप पहुंचाता था। उस समय मेरे अनुमान के अनुसार अमेरिका में जब्त होने वाला 95% कोकीन कोलंबिया में उत्पादित होता था, और एस्कोबार उस सप्लाई का अधिकांश हिस्सा नियंत्रित करता था। एस्कोबार ने अपने ड्रग साम्राज्य से इतनी संपत्ति अर्जित की कि फोर्ब्स ने उन्हें दुनिया के सातवें सबसे अमीर व्यक्ति के रूप में सूचीबद्ध किया था। उनकी शक्ति इतनी बढ़ी कि वह कोलंबिया की राजनीति और समाज पर गहरा प्रभाव डालने लगे थे। पाब्लो एस्कोबार के प्रभाव के साथ-साथ मेक्सिको में मिगुएल एंजेल फेलिक्स गैलार्डो जैसे ड्रग लॉर्ड ने भी अपना दबदबा बनाया। उन्हें 'बॉस ऑफ बॉसेस' कहा जाता था क्योंकि 1980 के दशक में ज्यादातर मैक्सिकन कार्टेल उनके प्रभाव में थे। गैलार्डो के नेतृत्व में मेक्सिको की ड्रग तस्करी को एक संगठित नेटवर्क में बदला गया, जिसने संयुक्त राज्य अमेरिका में ड्रग सप्लाई को मजबूत किया। जोकिन 'एल चापो' गुजमैन मेक्सिको के सिनालोआ कार्टेल का मुख्य चेहरा था। एल चापो ने अमेरिका तक ड्रग सप्लाई और तस्करी के तरीकों पर नियंत्रण रखा था। तीन बार गिरफ्तार होने और जेल से भागने के बावजूद, वह सबसे खतरनाक और प्रसिद्ध ड्रग लॉर्ड्स में से एक रहे। एल मेंचो ने सीजेएनजी को तेजी से विकसित किया और इसे मेक्सिको का सबसे हिंसक और शक्तिशाली कार्टेल बना दिया। सीजेएनजी न केवल कोकीन बल्कि फेंटेनाइल, मेंथ और अन्य प्रतिबंधित ड्रग्स की तस्करी में भी शामिल था। एल मेंचो के नेतृत्व में यह संगठन अमेरिका और अन्य देशों के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया था। उनके नेटवर्क में भारी हथियार, ड्रोन, और लड़ाकू क्षमता थी, जिसने इसे केवल एक तस्करी गिरोह से आगे बढ़कर एक सशस्त्र आतंकवादी संगठन जैसा रूप दे दिया था। अमेरिकी और कनाडाई यहूदियों ने सुरक्षा चेतावनी जारी की थी क्योंकि सीजेएनजी की गतिविधियों से हलचल महसूस की जा रही थी। एल मेंचो की मौत के तुरंत बाद सीजेएनजी के सदस्यों ने मेक्सिको के कम से कम पांच राज्यों में हिंसक प्रतिक्रिया दिखाई। लाए में आग लगाई गई, राजमार्गों को अवरुद्ध किया गया और स्थानीय प्रशासन के लिए स्थिति को नियंत्रित करना मुश्किल हो गया। कई उड़ानें रद्द कर दी गईं और सुरक्षा बलों को स्थिति नियंत्रण में लाने के लिए तैनात किया गया। हिंसा की लहर ने दिखाया कि ड्रग कार्टेल्स का सत्ता वैकल्पिक शासन चलाने जैसा प्रभाव पैदा कर सकता है, और उनकी गिरावट अक्सर बड़े पैमाने पर प्रतिबंधों और संघर्ष को जन्म देती है। ड्रग लॉर्ड्स ने न केवल लैटिन अमेरिका के देशों को प्रभावित किया, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपराध, आतंकवाद और आर्थिक भ्रष्टाचार को भी बढ़ाया है। इनका नेटवर्क बहुदेशीय होता है, जिसमें वित्तीय धोखाधड़ी, मानव तस्करी और हथियारों की आपूर्ति भी शामिल है। अमेरिका को भी इन कार्टेल्स की गतिविधियों के कारण अपनी आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करना पड़ा है। पाब्लो एस्कोबार से लेकर एल मेंचो तक, ड्रग लॉर्ड्स की कहानी हिंसा, ताकत, पैसे और सत्ता के लिए संघर्ष की है। इन अपराधियों ने न केवल मादक पदार्थों की तस्करी का इतिहास बदला, बल्कि अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा और राजनीतिक नीतियों को भी प्रभावित किया। एल मेंचो का पतन इस जटिल जाल के खिलाफ एक बड़ा कदम हो सकता है, लेकिन यह स्पष्ट है कि ड्रग व्यापार और उसके नेतृत्व की भूचाल अभी खत्म नहीं हुई है।

वेद और बुद्ध के बीच संवाद की परंपरा

दीपक कुमार द्विवेदी (हि.स)

पश्चिम, क्रिश्चियनिटी और वामपंथी बौद्धिक प्रवृत्तियों में बुद्ध के प्रति जो विशेष आकर्षण दिखाई देता है, उसे केवल आध्यात्मिक या नैतिक कारणों से समझना पर्याप्त नहीं है। यह आकर्षण एक बड़े बौद्धिक परिप्रेक्ष्य में खड़ा है–सृष्टि की अवधारणा, काल-दृष्टि, इतिहास-लेखन की पद्धति, औपनिवेशिक विमर्श और आधुनिक वैचारिक राजनीति के संदर्भ में। इस प्रश्न को भावनात्मक प्रतिक्रिया की बजाय तर्क और संदर्भ के साथ देखना आवश्यक है।

सबसे पहले यह स्पष्ट कर लेना चाहिए कि बौद्ध मत को सनातन वैदिक धर्म से पृथक या विरोधी धारा के रूप में प्रस्तुत करना ऐतिहासिक रूप से संतुलित दृष्टि नहीं है। गौतम बुद्ध उस सांस्कृतिक और दार्शनिक वातावरण में प्रकट हुए जहां उपनिषदों में आत्मा, ब्रह्म, कर्म और पुनर्जन्म पर गहन विमर्श पहले से चल रहा था। बृहदारण्यक उपनिषद में याज्ञवल्क्य आत्मा की अनंतता पर विचार करते हैं। कठोपनिषद में नचिकेता मृत्यु के पार के सत्य को जानना चाहता है। छांदोग्य उपनिषद 'तत्त्वमसि' का उद्घोष करता है। भगवद्गीता में आत्मा की अनश्वरता और कर्मफल का सिद्धांत प्रतिपादित है। बुद्ध ने कर्म और पुनर्जन्म की अवधारणा को नकारा नहीं। उन्होंने यज्ञकर्म और वेद-प्रामाण्य की अनिवार्यता पर प्रश्न उठाए, पर उनका चिंतन उसी दार्शनिक धरातल पर विकसित हुआ जिसे सनातन वैदिक परंपरा कहा जाता है।

भारतीय दर्शन की परंपरा में सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, पूर्व मीमांसा, उत्तर मीमांसा (वेदांत), जैन, बौद्ध और चार्वाक जैसे दर्शनों का उल्लेख मिलता है। यह सूची इस बात का संकेत है कि बौद्ध दर्शन को भारतीय बौद्धिक परंपरा से बाहर नहीं रखा गया। चार्वाक जैसे भौतिकवादी मत को भी स्थान मिला, जिसे परंपरा देवगुरु बृहस्पति से जोड़ती है। इसका अर्थ यह है कि भारतीय दार्शनिक संरचना में मतभेद को संवाद के रूप में स्वीकार किया गया, संघर्ष के रूप में नहीं। श्रमण और वैदिक धाराएँ एक ही दार्शनिक भूमि की अभिव्यक्तियां थीं।

अब पश्चिमी सृष्टि-दृष्टि पर विचार करें। यूरोप में लंबे समय तक बाइबिल-आधारित कालगणना प्रभावी रही। सत्रहवीं शताब्दी में आयरलैंड के आर्चबिशप जेम्स अशर ने बाइबिल की वंशावलियों के आधार पर सृष्टि की तिथि 4004 ईसा पूर्व निर्धारित की। इस प्रकार मानव इतिहास को कुछ हजार वर्षों की रेखीय समयरेखा में सीमित कर दिया गया। यह दृष्टि एक आरंभ-बिंदु से प्रारंभ होकर क्रमिक विकास और अंत की ओर बढ़ती रेखा पर आधारित थी।

उन्नीसवीं शताब्दी में चार्ल्स डार्विन की 'On the Origin of Species' (1859) प्रकाशित हुई। विकासवाद ने जीवों के क्रमिक परिवर्तन की परिकल्पना दी। डार्विन ने यह कहा कि मनुष्य और आधुनिक वानरों का एक साझा पूर्वज रहा है। लोकप्रिय समझ में यह विचार इस रूप में बैठा कि मनुष्य बंदर से उत्पन्न हुआ। आज भी सामान्य स्तर पर यह प्रश्न उठता है कि यदि ऐसा है तो बंदर अभी भी क्यों हैं। वैज्ञानिक उत्तर यह देता है कि विकास शाखाओं में हुआ, एक सीधी रेखा में नहीं। फिर भी समग्र ढाँचा रेखीय जैविक विकास पर आधारित है।

इसके विपरीत सनातन वैदिक ग्रंथों में सृष्टि की अवधारणा बहुस्तरीय और चक्रीय है। पुराणों में मानसिक सृष्टि का उल्लेख है–ब्रह्मा द्वारा संकल्प से उत्पत्ति। उसके पश्चात मैथुनिक सृष्टि का क्रम है। यह संकेत करता है कि सृष्टि को केवल भौतिक घटना के रूप में नहीं, बल्कि चेतना और प्रकृति के संयुक्त आयाम में देखा गया। विष्णु पुराण में सृष्टि और प्रलय को चक्र में वर्णित किया गया है। श्रीमद्भागवत के तृतीय स्कंध में ब्रह्मा के एक दिन की गणना 4.32 अरब वर्ष कही गई है। महाभारत के शांति पर्व में कल्पों और मन्वंतरों का विस्तार मिलता है। योगवासिष्ठ में असंख्य ब्रह्मांडों की चर्चा है। यहाँ समय अनादि और चक्रीय है।

यदि इस चक्रीय काल-दृष्टि को स्वीकार किया जाए तो सृष्टि को कुछ हजार वर्षों में सीमित करने की धारणा चुनौती के घेरे में आ जाती है। औपनिवेशिक काल में भारत के इतिहास को इसी रेखीय ढाँचे में ढालने का प्रयास हुआ। जेम्स मिल की 'History of British India' (1817) ने भारतीय परंपरा को अंधविश्वासी और अविकसित बताया। मैक्स मूलर ने वेदों का काल सीमित किया। उन्नीसवीं शताब्दी में आर्य आक्रमण सिद्धांत प्रस्तुत हुआ–यह सिद्ध करने के लिए कि वैदिक संस्कृति स्वदेशी नहीं थी। इससे भारतीय परंपरा की प्राचीनता और निरंतरता पर प्रश्न उठे।

इसी पृष्ठभूमि में 'बौद्ध बनाम ब्राह्मण' का आख्यान विकसित हुआ। कुछ मिशनरी लेखनों और बाद में वामपंथी इतिहासकारों ने यह प्रतिपादित किया कि बौद्ध मत सामाजिक विद्रोह था और वैदिक परंपरा दमनकारी। इससे दार्शनिक निरंतरता को खंडित दिखाया गया और बुद्ध को एक वैकल्पिक नैतिक प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया। बुद्ध को 'ईश्वर-निरपेक्ष नैतिक शिक्षक' के रूप में चित्रित करना पश्चिमी बौद्धिकता के लिए अनुकूल था। इससे बाइबिल-आधारित ढाँचे को सीधी चुनौती नहीं मिलती और वामपंथी चिंतन को एक ऐतिहासिक प्रतीक मिल जाता है।

ऐतिहासिक स्रोत इस सरलीकरण का समर्थन नहीं करते। सम्राट अशोक के शिलालेखों में वैदिक परंपरा के विरुद्ध कोई धार्मिक युद्ध का उल्लेख नहीं मिलता। हर्षवर्धन ने बौद्ध विहारों और ब्राह्मणों दोनों को संरक्षण दिया। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने The Buddha and His Dhammal में संकेत किया कि भारत में बौद्ध संस्थानों के पतन में विदेशी आक्रमणों की भूमिका रही। नालंदा और विक्रमशिला के विनाश का उल्लेख विभिन्न ऐतिहासिक अभिलेखों में है। अतः बौद्ध मत के लोप को केवल 'ब्राह्मणीय दमन' की कथा में सीमित करना एकांगी दृष्टि है।

पश्चिम, क्रिश्चियनिटी और वामपंथी चिंतन में बुद्ध के प्रति विशेष आग्रह का एक कारण आध्यात्मिक आकर्षण हो सकता है, पर उससे अधिक वह वैचारिक सुविधा है जो बुद्ध को सनातन से पृथक प्रस्तुत करने में निहित है। यदि यह स्वीकार कर लिया जाए कि बौद्ध मत उसी दार्शनिक परंपरा की धारा है, कि श्रमण और वैदिक विचार एक ही बौद्धिक भूमि के अंग हैं, तो यह कृत्रिम द्वंद्व समाप्त हो जाता है।

बुद्ध और सनातन के बीच विभाजन स्थापित करना ऐतिहासिक जटिलता को सरल बनाना है। समस्या बुद्ध में नहीं है; समस्या उस व्याख्या में है जो उन्हें सनातन के विरुद्ध खड़ा करती है। जब सृष्टि-दृष्टि, काल-दृष्टि और दार्शनिक निरंतरता के संदर्भ में विषय को देखा जाता है, तो स्पष्ट होता है कि दोनों को अलग कर-के देखना ही मूल भ्रम है।

(लेखक, स्तम्भकार हैं।)

दिल्ली सरकार का एक साल और बदलाव की बयार

27 साल के लंबे अंतराल के बाद दिल्ली में रेखा गुप्ता की अगुवाई में बनी भाजपा सरकार ने साल भर के शासन में भविष्य की विकसित दिल्ली की ठोस बुनियाद रखी। 20 फरवरी,2026 को सरकार के एक साल पूरे होने पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मंत्रिमंडल के अपने सभी सहयोगियों के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में अपनी सरकार का रिपोर्ट कार्ड जारी किया। इस मौके पर पहला कदम बदलाव का, एक साल विकास का, नाम से एक बुकलेट भी जारी की गई। इसमें दावा किया गया कि दिल्ली की भाजपा सरकार ने बहाने बनाने के बजाए कड़ी मेहनत करके भविष्य की जरूरतों के हिसाब से विकसित दिल्ली बनाने के लिए हर दिन काम किए। 365 दिन में 370 आयुष्मान आरोग्य मंदिर(डिस्पेंसरी) बने, इसकी संख्या इस साल 1100 करने का लक्ष्य है। पांच रुपये में गरीबों को भाजन उपलब्ध कराने के लिए 71 अटल कैंटीन शुरू की गई। अभी हर रोज करीब 71 हजार लोग खाना खा रहे हैं। साल भर में ही पानी, बिजली, स्वास्थ्य, सार्वजनिक परिवहन, प्रदूषण दूर करने, यमुना की सफाई और दिल्ली के मूलभूत ढांचे को बेहतर करने की ठोस बुनियाद रखी गई हैं। जन सुनवाई की हर स्तर पर व्यवस्था और आम जन की शिकायतों पर कड़ाई से अमल होना शुरू हो गया है। वैसे अभी सरकार के सामने चुनौतियों का पहाड़ खड़ा है। उसका सामना करने और उसका निबटारा करने के लिए सरकार को लगातार युद्ध स्तर पर काम करना होगा।

वादे के मुताबिक मंत्रिमंडल की पहली बैठक में आम लोगों को मुफ्त उपचार के लिए आयुष्मान योजना न केवल दिल्ली में लागू किया गया। अब तक इस योजना में सात साख से ज्यादा लोग पंजीकरण कराकर इसका लाभ उठा रहे हैं। झुग्गी बस्तियों के लिए सात सौ करोड़ का बजट जारी किया गया है। दिल्ली में देश का सर्वाधिक न्यूनतम वेतन 22411 रुपये प्रति महीना लागू किया गया। कामकाजी महिलाओं की सुविधा के लिए 500 पालन केन्द्र खोले गए हैं। परिवहन क्षेत्र में चार हजार से अधिक ई-बसें चलाई जा रहा है। नौ हजार से ज्यादा चार्जिंग स्टेशन बनाए गए हैं। नई ईवी नीति, ई- बाइक, ई-टैक्सी को बढ़ावा देने के अलावा दिल्ली के आखिरी छोर तक सार्वजनिक वाहन को पहुंचाने की दिशा में सरकार काम कर रही है। वैसे सरकार को हाई कोर्ट के हलफनामे के हिसाब से 11 हजार बसों को सड़क पर लाने की भी चुनौती है। यमुना साफ करने के लिए बड़े पैमाने पर काम हो रहा है। 37 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में से 28 को अपग्रेड किया गया है। नौ पर काम चल कहा है। 12 नए संयंत्र बनेंगे। दिल्ली को वायु प्रदूषण से मुक्त करने से लेकर दिल्ली के मूलभूत ढांचे को विकसित करने से लेकर दिल्ली को आधुनिकतम सुविधाओं से युक्त शहर बनाने के प्रयास के लिए दिल्ली सरकार केन्द्र की सरकार के सहयोग से दिन-रात काम कर रही है।

मनोज कुमार मिश्र (हि.स)

साल 1993 में दिल्ली में नए प्रशासनिक ढांचे में विधानसभा बनने पर हुए पहले चुनाव में भाजपा की सरकार बनी। पांच साल में तीन मुख्यमंत्री बदलने के बावजूद उस सरकार ने कई ठोस काम किए। पहली बार यमुना के जल में राज्य की तरह दिल्ली को हिस्सा मिला। दिल्ली सरकार ने अपने अधिकार बढ़ाकर बिजली बोर्ड बनाकर बिजली का उत्पादन बढ़ाया। नए स्कूल कालेज ही नहीं नया विश्वविद्यालय बनाया गया। नए अस्पताल बने और बड़ी संख्या में दिल्ली के हर कोने में निर्माण कार्य हुए। दिल्ली मेट्रो की नींव रखी गई।1984 के सिख दंगा पीडितों को न्याय दिलाने के प्रयास हुए। इस सिलसिले को 1998 में शीला दीक्षित की अगुवाई बनी कांग्रेस सरकार ने और आगे बढ़ाया। दिल्ली के मूलभूत ढांचे के विकसित करने की सर्वाधिक श्रेय शीला दीक्षित के जाता है। पूरी दिल्ली में काम हुए। दिल्ली फ्लाईओवर का शहर बना। असंभव माने जाने वाले बारापूला नाले को ढक कर कई किलोमीटर लंबा फ्लाईओवर बना। ऐतिहासिक सलीम गढ़ किला के ऊपर से सड़क निकाली गई। मेट्रो दिल्ली समेत पूरी एनसीआर(राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में पहुंचा। 15 साल शीला दीक्षित के शासन के बाद आंदोलन से निकली आम आदमी पार्टी(आआपा) की दिल्ली में सरकार दस साल रही। बीच में करीब साल भर के लिए राष्ट्रपति शासन भी लगा। आआपा की अनुभवहीन सरकार ने कामकाज से ज्यादा विवाद ही किया। विकास कार्य पटरी से उतर गई। आम लोगों को लुभाने के लिए सरकार केवल मुफ्त की रेवड़ियां बांटती रही। इसी के बल पर वे दो बार प्रचंड बहुमत से विधानसभा चुनाव जीत गए।

उसके बाद साल भर पहले भाजपा की सरकार बनी। चुनाव प्रचार में भाजपा के नेताओं ने बड़े-बड़े वादे किए थे। उनमें से कुछ पर तो अमल शुरू हो गए हैं लेकिन काफी काम अभी करने हैं। कायदे में आआपा शासन के दस साल ने दिल्ली में विकास की दिशा ही बदल दी थी। उसे वापस पटरी पर लाना भाजपा सरकार के लिए पहली चुनौती थी। उसमें वे कामयाब रहे। दिल्ली की समस्या अनोखी है। उसका इलाका तो 1483 किलोमीटर ही रहना है लेकिन आबादी बेहिसाब बढ़ रही है। दिल्ली की आबादी में हर साल पांच लाख अतिरिक्त आबादी जुड़ती है। देश की राजधानी होने और नोट-वोट की राजनीति में कोई भी राजनीतिक दल इस पर अंकुश लगाना नहीं चाहता है। दिल्ली का अपना कुछ नहीं है। मौसम से लेकर बिजली-पानी के लिए दिल्ली पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है। दिल्ली की सड़कों भी एक सीमा से ज्यादा नहीं बढ़ सकती। शीला दीक्षित ने भी सड़क के ऊपर सड़क (डबल डेकर रोड) बनाने की योजना बनाई थी, उस पर अमल रेखा गुप्ता सरकार करने वाली है। सड़कों से वाहनों की भीड़ कम होना कठिन हो गया है। पेरेफेरियल सड़कों के अलावा चार सौ किलोमीटर मेट्रो चलने और दिल्ली से मेरठ के लिए नमो भारत रेल शुरू होने आदि के बावजूद सड़कों पर भीड़ लगातार बढ़ रही है। केन्द्र सरकार ने दो और रास्तों पर नमो भारत रेल चलाने की घोषणा की है।

पिछली सरकार से विपरीत इस सरकार ने फटाफट मेट्रो के अगले चरणों को मंजूरी दी है। नए चरणों के लिए बजट भी आवंटित किए गए हैं। मेट्रो के विस्तार से सड़कों पर से वाहनों की भीड़ कुछ कम होने की उम्मीद जगी है। लोक निर्माण विभाग की 1400 किलोमीटर सड़कों में से पहले साल में 550 किलोमीटर सड़कों की वाल-टू-वाल कारपेंटिंग का काम पूरा हो गया है। नंद नगरी फ्लाई ओवर जनता को समर्पित कर दिया गया है। मुकरबा चौक अंडर पास मार्च तक और बारापूला का अगला चरण जून तक पूरा होने के दावे किए गए हैं। 40 नए फुट ओवर ब्रिज का काम हो रहा है।

दिल्ली के अनेक सरकारी अस्पतालों की क्षमताएं बढ़ाई गई और सभी खाली पदों को भरा गया। यह प्रक्रिया लगातार जारी रहने वाली है। नए अस्पताल बनाने की घोषणा की गई है। हर महिला को 2500 रुपये प्रति माह महिलाओं को पेंशन देना यानी महिला समृधि योजना के लिए 5100 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसके लिए समिति काम कर रही है। लाडली योजना के अंतर्गत सालों से लंबित 1.75 लाख बच्चियों के भुगतान की पहले चरण में तीस हजार बच्चियों के खाते में 90 करोड़ रुपये भेजे गए। अब लाड़ली योजना के बजाए ज्यादा पैसा देने वाली लखपति योजना को लागू करने की योजना है। दिल्ली को वायु प्रदूषण से मुक्त करने के लिए वायु प्रदूषण शमन योजना बनाई गई है। सरकार का फोकस दिल्ली की साफ सफाई पर है, इसमें उसे काफी सफलता मिली है। पहला बरसात ऐसा बीता जिसमें बहुचर्चित मिंटो रोड को लंबे समय तक बंद न करना पड़ा। पिछले दिनों सरकार ने मेधावी छात्र-छात्राओं को सरकार लैपटाप देने और ओलंपिक आदि जीतने वाले खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि बढ़ाई । राष्ट्रीय स्तर पर तैयारी करने वाले खिलाड़ियों को बीस लाख रुपये की सहायता दी जा रही है। दिल्ली में खेल महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है। सरकार का दावा है कि दिल्ली में हर रोज निकलने लावे 11 हजार मीट्रिक टन कचरे का निबटान करने की व्यापक योजना बनने से कूड़े के नए पहाड़ बनेंगे। इतना ही नहीं कूड़े के पहाड़ों से भी दिल्ली को जल्दी ही निजात मिल जाएगी।

आम आदमी पार्टी के हारने के कई कारणों में एक काम यह माना जाता है कि उसकी सरकार ने दिल्ली की मूल ढांचे की बेहतरी के लिए ठोस काम नहीं किए। लेकिन उसके कुछ अच्छे कामों में से एक काम निजी स्कूलों के फीस पर नियंत्रण रखना था। आआपा सरकार जाते ही निजी स्कूलों ने बेहिसाब फीस बढ़ा दी। भाजपा सरकार को इसके विरोध में सड़कों पर उतरे लोगों को शांत करने के लिए सरकार को कठोर कदम उठाने पड़े। सरकार ने फीस रेगुलेशन बिल विधानसभा में पास करके निजी स्कूलों पर लगाम लगाई। इस साल 44 करोड़ रुपये की छात्रवृति बांटी गई। इस सरकार के सामने यमुना को साफ करने की बड़ी चुनौती है। सरकार बनते ही मुख्यमंत्री ने यमुना की आरती शुरू करवाई और यमुना को साफ करने का संकल्प लिया। दिल्ली जल बोर्ड में इसके लिए कई योग्य अधिकारी तैनात किए गए। इस साल यमुना से और दिल्ली के नालों से 22 लाख मीट्रिक टन सिल्ट निकाली गई। यमुना में गिरने वाले नालों को टैप (गंदगी गिरने से रोकने) करने के लिए ड्रोन सर्वे कराए गए। पुराने सीवर ट्रीटमेंट प्लांट को अपग्रेड करने और 12 नए लगाने का काम हो रहा है। यमुना का जल अनवरत बहता रहे, इसके लिए पड़ोसी राज्यों से समन्वय का काम किया जा रहा है। सरकार को भरोसा है कि इसका असर आने वाले समय में दिखेगा।

बावजूद इसके इस सरकार के सामने चुनौतियों का पहाड़ खड़ा है। सबसे बड़ी चुनौती तो दिल्ली में अपने काम से बड़ी लकीर खींचने की है। भाजपा दिल्ली में विधानसभा बनने के बाद हुए पहले चुनाव यानी 1993-98 के बाद लगातार दिल्ली की सरकार से बेदखल होती रही है। उसे अपने काम के बल पर दिल्ली में लगातार चुनाव जीतने लायक माहौल बनाना है। सालों दिल्ली की सत्ता में रही कांग्रेस हाशिये पर है। दिल्ली पर दस साल राज करने वाली आआपा भी ढलान पर है। संयोग से केन्द्र, दिल्ली और दिल्ली नगर निगम के सत्ता में भाजपा काबिज है। ऐसे में दिल्ली की भाजपा सरकार के लिए दिल्ली की बहुशासन प्रणाली बाधा नहीं बन रही है। अभी तो शुरुआत है आने वाला समय बताएगा कि दिल्ली सरकार अपने लक्ष्य में कितना सफल हो पाई।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष: आज आपका स्वास्थ्य सामान्य से बेहतर रहने की संभावना है। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत मिल रहे हैं, जिससे रुकी हुई योजनाओं को गति मिल सकती है। परिवार के भीतर आपसी समझ और स्नेह बढ़ेगा। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: आपकी दिनचर्या व्यवस्थित और अनुशासित रहेगी। संतुलित सोच और व्यवहार के कारण लोग आपकी सराहना करेंगे। दांपत्य जीवन में भावनात्मक निकटता बढ़ेगी। किसी पुरानी समस्या का समाधान निकल सकता है। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: कार्यस्थल पर आपकी क्षमता पर सवाल उठ सकते हैं, इसलिए आत्मविश्वास बनाए रखें। दूसरों पर अधिक निर्भरता नुकसान दे सकती है। कुछ महत्वपूर्ण कार्य अधूरे रह सकते हैं। घरेलू वातावरण में तनाव की स्थिति बन सकती है और खर्चों में वृद्धि संभव है। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: व्यापार या नौकरी से जुड़ी यात्रा लाभ और सम्मान दिला सकती है। आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें, सफलता आपके साथ होगी। प्रेम संबंधों को लेकर भावनात्मक जुड़ाव बढ़ेगा। संतान की उपलब्धियों से गर्व महसूस करेंगे। कला और रचनात्मक गतिविधियों में रुचि बढ़ सकती है। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: स्वार्थपूर्ण व्यवहार से आलोचना का सामना करना पड़ सकता है। वरिष्ठ अधिकारियों से महत्वपूर्ण निर्देश मिल सकते हैं। कुछ लोग आपके काम में बाधा डालने की कोशिश करेंगे। भ्रम की स्थिति से बचने के लिए स्पष्ट निर्णय लें। आरोप-प्रत्यारोप से दूर रहना आपके हित में रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: दिन की शुरूआत सकारात्मक रहेगी। अचानक कोई शुभ समाचार मिल सकता है। मधुर वाणी के कारण लोग आपके प्रति आकर्षित रहेंगे। विदेश यात्रा या नए रोजगार के अवसर बन सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों के लिए प्रदर्शन शानदार रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

तुला: गलत संगति आपकी प्रतिष्ठा को प्रभावित कर सकती है। जोड़ों में दर्द या शारीरिक थकान महसूस हो सकती है। मन में अनजाना भय बना रह सकता है। महत्वपूर्ण परियोजनाओं में रफ्तार धीमी रह सकती है। सच्चे मित्रों के साथ संबंधों को बनाए रखना जरूरी है। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: आय में वृद्धि के प्रबल संकेत हैं। आपके विचारों को महत्व मिलेगा और सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नई संपत्ति खरीदने की योजना बन सकती है। कार्यक्षेत्र में प्रदर्शन सराहनीय रहेगा। पुराने मित्रों से मुलाकात आनंद देगी और पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

धनु: अनावश्यक मामलों में दखल देने से बचें। संयमित भाषा का प्रयोग करें। चुनौतियों का सामना साहस के साथ करेंगे। घरेलू कार्यों को कुछ समय के लिए टालना पड़ सकता है। स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें, विशेषकर मधुमेह से पीड़ित लोग लापरवाही न करें। *(सिटी दर्पण)*

मकर: सकारात्मक ऊर्जा और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। रुके हुए कार्य पूर्ण होने से संतोष मिलेगा। प्रेम विवाह में आ रही बाधाएं दूर हो सकती हैं। भाग्य का साथ मिलेगा और अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। *(सिटी दर्पण)*

कुंभ: वैवाहिक निर्णयों में जल्दबाजी न करें। स्वयं के लिए समय निकालना आवश्यक है। स्वास्थ्य संबंधी छोटी परेशानियां हो सकती हैं, स्वच्छता पर ध्यान दें। कार्यस्थल की राजनीति से सतर्क रहें। कुछ लोग आपके विनम्र स्वभाव का लाभ उठाने की कोशिश कर सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

मीन: धार्मिक यात्रा के योग बन रहे हैं। विद्यार्थी वर्ग उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकता है। अनुभवी व्यक्तियों का मार्गदर्शन लाभकारी रहेगा। कमीशन या व्यापार से जुड़े लोगों को आर्थिक लाभ मिल सकता है। व्यवसाय विस्तार के प्रयास सफल होंगे। *(सिटी दर्पण)*

नई दिल्ली घोषणा से कृषि क्रांति तक भविष्य की वैश्विक धुरी एआई

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने विश्व समुदाय को यह स्पष्ट संकेत दे दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भारत अब नीति निर्धारण और वैश्विक दिशा तय करने वाला देश बन चुका है। 89 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों की भागीदारी तथा 88 देशों द्वारा हस्ताक्षरित नई दिल्ली घोषणा ने भारत के मानव-केंद्रित एआई दृष्टिकोण को जब अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्रदान की, तब इसके साथ यह भी तय हो गया कि भारत अब एआई क्राति में आर्थिक, सामाजिक और नैतिक आयामों को समेटने वाला देश बनने जा रहा है।

दरअसल, नई दिल्ली घोषणा का मूल दर्शन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस विचार में निहित है, जिसमें एआई को मानव कल्याण का साधन माना गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्पष्ट किया कि यह घोषणापत्र सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की भावना से प्रेरित है। इसका उद्देश्य एआई संसाधनों और उसके लाभों को कुछ देशों या कंपनियों तक सीमित रखने के बजाय पूरी मानवता तक पहुंचाना है। घोषणा में सात प्रमुख स्तंभों को आधार बनाया गया है; एआई संसाधनों का लोकतंत्रीकरण, आर्थिक विकास और सामाजिक भलाई, सुरक्षित और भरोसेमंद एआई, विज्ञान के लिए एआई, सामाजिक सशक्तिकरण, मानव पूंजी विकास तथा लचीली और ऊर्जा-कुशल प्रणालियां। यहां यह ढांचा वैश्विक सहयोग की नई संरचना प्रस्तुत करता हुआ दिखा है, जिसमें राष्ट्रीय संप्रभुता का सम्मान करते हुए साझा प्रगति को प्राथमिकता दी गई है।

700 अरब डॉलर तक पूंजीगत व्यय की तैयारी

इस समिट ने एक और महत्वपूर्ण संदेश दिया कि भारत एआई निवेश का नया वैश्विक केंद्र बन रहा है। अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और अल्फाबेट जैसी दिग्गज कंपनियां एआई पर वैश्विक स्तर पर लगभग 700 अरब डॉलर तक पूंजीगत व्यय की तैयारी में हैं। भारत में बड़े औद्योगिक समूहों ने भी अभूतपूर्व निवेश योजनाओं की घोषणा की है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लगभग 110 अरब डॉलर डेटा सेंटर और संबंधित अवसंरचना में निवेश की योजना बना रही है, जबकि अदाणी ग्रुप ने अगले दस वर्षों में 100 अरब डॉलर एआई आधारित डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए निर्धारित किए हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने इस दशक के अंत तक ग्लोबल साउथ देशों में 50 अरब डॉलर निवेश की दिशा में बढ़ने की बात कही है।

भारत की डिजिटल संप्रभुता की वैश्विक धाक

ओपनएआई और एडवांस्ड माइक्रो डिवाइसेज ने टाटा समूह के साथ मिलकर भारत में एआई क्षमताओं को मजबूत करने का संकल्प लिया है। ब्लैकस्टोन ने भारतीय एआई इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी नेयसा में 600 मिलियन डॉलर का निवेश किया है। एनवीडिया ने भारतीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में अपनी भागीदारी बढ़ाने की घोषणा की है। ये निवेश केवल पूंजी प्रवाह नहीं हैं; ये भारत की डिजिटल संप्रभुता, डेटा अवसंरचना और तकनीकी आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने की दिशा में संरचनात्मक परिवर्तन का संकेत हैं।

भारत अब वैश्विक तकनीकी विमर्श का केंद्र

समिट में वैश्विक तकनीकी नेतृत्व की उपस्थिति ने भारत की बढ़ती साख को और मजबूत किया। ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन, अल्फाबेट के सुंदर पिचाई, एंथ्रोपिक के डारियो अमोदेई और गूगल डीपमाइंड के डेमिस हासाबिस जैसे वैश्विक नेता इस आयोजन में शामिल हुए। निश्चित ही यह भागीदारी संकेत है कि भारत अब वैश्विक तकनीकी विमर्श का केंद्र बन चुका है। अमेरिका और भारत के बीच पैक्स सिलिका समझौते ने सिलिकॉन आधारित तकनीकों की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित करने के सहयोग को नया आयाम दिया है। भारत द्वारा 18 अरब डॉलर की सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी देना इस रणनीतिक दृष्टि का आधार है।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी (हि.स)

एआई के संदर्भ में भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका समावेशी दृष्टिकोण है। यहां एआई को केवल कॉर्पोरेट लाभ का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का उपकरण माना जा रहा है। इसका सबसे सशक्त उदाहरण कृषि क्षेत्र में दिखाई देता है। इस संदर्भ में मुंबई में आयोजित AI4Agri 2026 सम्मेलन को देखा जा सकता है, जिसमें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने स्पष्ट कहा कि भारत की अगली कृषि क्रांति एआई संचालित होगी।

इंडिया एआई मिशन, जिसका बजट 10,372 करोड़ रुपये है, स्वदेशी सुपरकंप्यूटिंग क्षमता, डेटा सेट और स्टार्टअप ढांचे को मजबूत कर रहा है। भारतजन के तहत विकसित Agri Param मॉडल 22 भारतीय भाषाओं में किसानों को सलाह प्रदान कर रहा है। यह भाषाई समावेशन एआई को वास्तविक अर्थों में जन-केंद्रित बनाता है। ड्रोन और उपग्रह आधारित मैपिंग से लेकर जलवायु पूवार्नुमान और जैव प्रौद्योगिकी तक, एआई का एकीकृत उपयोग कृषि को अधिक सटीक, टिकाऊ और लाभकारी बना रहा है। यदि 60 करोड़ किसानों की उत्पादकता में केवल 10 प्रतिशत की वृद्धि होती है, तो यह इस सदी का सबसे बड़ा गरीबी-निवारण अवसर सिद्ध हो सकता है, और भारत इस परिवर्तन का सह-निमार्ता बन रहा है।

ओपन-सोर्स और ऊर्जा-कुशल एआई मॉडल बना भारत की ताकत

भारत की रणनीति का एक और महत्वपूर्ण आयाम ओपन-सोर्स और ऊर्जा-कुशल एआई मॉडल है। पश्चिमी देशों के बंद और पेटेंट-आधारित ढांचे के विपरीत, भारत सुलभ और पारदर्शी एआई पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर रहा है। कम लागत वाले डेटा सेंटर, ऊर्जा दक्ष अवसंरचना और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए छोटे, उद्देश्य-विशिष्ट एआई मॉडल भारत को व्यापक सामाजिक परिवर्तन की दिशा में अग्रसर कर रहे हैं। कम कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों में मोबाइल आधारित एआई समाधान यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि तकनीक का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

भारत की जनसंख्या संरचना भी इस परिवर्तन को गति दे रही है। 1.4 अरब की आबादी, विशाल युवा प्रतिभा-आधार और तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था इसे वैश्विक एआई हब बनने के लिए उपयुक्त बनाती है। आधार, यूपीआई और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे मजबूत आधारभूत ढांचे एआई अनुप्रयोगों के लिए तैयार मंच प्रदान करते हैं। नीतिगत स्पष्टता, निवेश की बाढ़ और व्यावहारिक अनुप्रयोगों का संयोजन भारत को एक अद्वितीय स्थिति में खड़ा करता है।

भारत विश्व व्यवस्था का एक प्रमुख एआई निमार्ता बनने की ओर अग्रसर

अतः इस संदर्भ में कहना यही है कि नई दिल्ली घोषणा ने आज ये संदेश दिया है कि एआई का उद्देश्य दक्षता बढ़ाने के साथ ही समानता और समावेशन सुनिश्चित करना है। निवेश प्रतिबद्धताएं भारत को अवसंरचना और नवाचार की शक्ति प्रदान कर रही हैं, जबकि कृषि जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रयोग यह सिद्ध कर रहे हैं कि एआई जमीन पर वास्तविक परिवर्तन ला सकता है।

इस आधार पर यही सच प्रतीत होता है कि यदि बीती सदी औद्योगिक क्रांति की थी और वर्तमान सदी डिजिटल क्रांति की है तो आने वाला दशक एआई क्रांति का होगा। इस क्रांति की धुरी वही देश बन सकता है, जोकि तकनीक को मानव कल्याण से जोड़कर वैश्विक सहयोग का सेतु बन सके। साथ ही जिसमें नवाचार को समावेशी बनाने की क्षमता हो। कहना होगा कि आज ये संकेत स्पष्ट हैं; भारत उसी दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा चुका है और एआई के युग में विश्व व्यवस्था का एक प्रमुख निमार्ता बनने की ओर अग्रसर है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई में मंत्रिमंडल द्वारा पंजाब सरकार खाद्य कार्यक्रम के ऐतिहासिक फैसले को हरी झंडी, एन.एफ.एस.ए. के तहत 40 लाख परिवारों को गेहूं, दाल, चीनी, तेल और नमक मिलेगा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई में पंजाब मंत्रिमंडल ने जनकल्याण सेवाओं के विस्तार और वित्तीय मजबूती प्रदान करते हुए एक अहम फैसले के तहत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एन.एफ.एस.ए.) के अंतर्गत आने वाले 40 लाख परिवारों को गेहूं, दाल, चीनी, तेल और नमक उपलब्ध कराने के लिए ऐतिहासिक पंजाब सरकार खाद्य कार्यक्रम को मंजूरी दे दी है, जो पंजाब के इतिहास का सबसे व्यापक खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने वर्ष 2026-27 के लिए आबकारी राजस्व में 12,800 करोड़ रुपये का लक्ष्य भी निर्धारित किया है, जिसके तहत अगले पांच वर्षों में जनकल्याण योजनाओं को मजबूत करने के लिए राजस्व संग्रह को दोगुना करने का अनुमान है।

खाद्य कार्यक्रम के साथ-साथ कैबिनेट ने सरकारी भूमि पर खेती करने वाले बाढ़ प्रभावित किसानों को एकमुश्त मुआवजा देने के निर्णय को मंजूरी दी, सरकारी विभागों और सार्वजनिक संस्थानों के लिए एकमुश्त निपटान योजना को 30 जून, 2026 तक बढ़ाया और वांछित अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने के लिए पारदर्शी इनाम नीति को स्वीकृति दी।

सरकार ने यह भी घोषणा की कि 16वीं पंजाब विधानसभा का बजट सत्र 6 मार्च से 16 मार्च तक आयोजित किया जाएगा और राज्य का बजट 8 मार्च को प्रस्तुत किया जाएगा। स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करने के लिए 361 स्टाफ नर्सों के पद पुनः बहाल किए जाएंगे तथा कोविड वालंटियरों को भर्ती में आयु सीमा में छूट और अतिरिक्त अंक दिए जाएंगे, जो भगवंत सिंह मान सरकार के तहत जनकल्याण, वित्तीय एकजुटता और प्रशासनिक सुधार की दिशा में एक बड़े कदम का संकेत है।

आज यहां यह जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि इस जनपक्षीय पहल के तहत

सरकार राज्य में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 (एन.एफ.एस.ए.) के तहत पंजीकृत लाभार्थियों को गेहूं के साथ-साथ चीनी, दाल, सरसों का तेल और नमक वितरित करेगी। इससे राज्य के लोगों, विशेषकर समाज के कमजोर और पिछड़े वर्गों, जिनमें 40 लाख एन.एफ.एस.ए. कार्डधारक शामिल हैं, को बड़ी राहत मिलेगी, जिससे वे अपने बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध करा सकेंगे। इस कदम से अप्रैल महीने से सुदृढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री की आपूर्ति से आम आदमी को बड़ा लाभ होगा।

मंत्रिमंडल ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य की आबकारी नीति को भी मंजूरी दे दी है, जिसमें वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 12,800 करोड़ रुपये का आबकारी राजस्व एकत्र करने का लक्ष्य रखा गया है, जो कि वित्त विभाग द्वारा पिछले वित्तीय वर्ष के लिए निर्धारित 11,200 करोड़ रुपये के संशोधित लक्ष्य की तुलना में 1,600 करोड़ रुपये (12.5%) की वृद्धि दशार्ता है। आबकारी राजस्व, जो वर्तमान सरकार के कार्यकाल की शुरूआत में लगभग 6,200 करोड़ रुपये था, के पांच वर्षों की अवधि में दोगुना होने का अनुमान है।

मंत्रिमंडल ने वर्ष 2025 में भारी वर्षा के दौरान आई बाढ़ से फसलों को हुए नुकसान के लिए उन किसानों (जो सरकारी भूमि पर खेती कर रहे हैं) को मुआवजा देने की भी मंजूरी दे दी है। इस निर्णय के अनुसार जिन किसानों की वर्ष 2025 की विशेष गिरदावरी के दौरान फसल नुकसान का आकलन किया गया था, लेकिन उन्हें फसल मुआवजा नहीं दिया गया था क्योंकि उनकी गिरदावरी 15 सितंबर, 2015 के माननीय हाई कोर्ट के निर्देशों और 25 सितंबर, 2015 के राज्य सरकार के पत्र के अनुपालन में सरकार के पक्ष में बदल दी गई थी, उन्हें भी फसल मुआवजा दिया जाएगा। यह मानवता के आधार पर एकमुश्त समाधान के रूप में किया जाएगा और किसी भी प्रकार से किसी को भी स्वामित्व अधिकार प्रदान नहीं करेगा। इस हेतु जहां भी 25 सितंबर, 2015 से पहले खसरा गिरदावरी में दर्ज व्यक्ति अभी भी भूमि की खेती कर रहा है या उसके कानूनी वारिस भूमि की खेती कर रहे हैं, मुआवजा उस व्यक्ति या उसके कानूनी वारिसों को दिया जाएगा, जैसा भी मामला होगा। यदि कब्जे में कोई परिवर्तन पाया जाता है जो वर्ष 2015 के राजस्व रिकॉर्ड के अनुरूप नहीं है, तो कोई मुआवजा नहीं दिया जाएगा। सरपंच, नंबरदार और पटवारी की समिति इस संबंध में पुष्टि करेगी और किसानों को मुआवजा वितरित करने के लिए रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। मंत्रिमंडल ने 13 मार्च, 2025 को अधिसूचित की गई एकमुश्त निपटान योजना (ओ.टी.एस.) को 31 दिसंबर, 2025 से बढ़ाकर 30 जून, 2026 तक लागू रखने की मंजूरी दे दी है। यह विस्तार केवल उन प्लॉटों पर लागू होगा जो सरकारी विभागों/सार्वजनिक संस्थानों को आवंटित किए गए हैं तथा उन आवंटियों पर भी लागू होगा जिन्होंने 7 मई, 2025 की नीति के तहत प्लॉटों की बहाली के लिए अपीलें दायर की थीं और जो ओ.टी.एस. योजना के अंतर्गत अपने बकाया का निपटान करने के पात्र थे तथा जिनके प्लॉट पी.एस.आई.ई.सी. के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स द्वारा बहाल किए गए हैं।

उन्हें 13 मार्च, 2025 से 30 जून, 2026 तक ओ.टी.एस. योजना के तहत ब्याज सहित अपने बकाया का निपटान करने की अनुमति होगी। मंत्रिमंडल ने वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पंजाब की इनामी नीति को भी मंजूरी दे दी है। इस कदम का उद्देश्य इनाम देने के लिए एक पारदर्शी और सुव्यवस्थित प्रक्रिया को संस्थागत रूप देना है, ताकि सूचना देने वालों को प्रोत्साहित किया जा सके और वांछित अपराधियों को पकड़ने में कानून लागू करने वाले जवानों के प्रयासों को मान्यता दी जा सके।

पंजाब सरकार द्वारा जल्द करवाई जाएगी एन.आर.आई. मिलनी: डॉ. रवजोत सिंह

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब सरकार द्वारा जल्द ही जिला वार एन.आर.आई. मिलनियां आयोजित की जाएंगी। यह जानकारी आज यहां एन.आर.आई. मामलों से संबंधित विभागीय उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करने के बाद कैबिनेट मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने दी।

डॉ. रवजोत सिंह ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा विदेशों में बसे पंजाबी एन.आर.आई.ज की समस्याओं को हल करने के लिए एन.आर.आई. मिलणियां लगातार आयोजित की जा रही हैं और इसी दिशा में चालू वर्ष के दौरान राज्य के प्रत्येक जिले में एन.आर.आई. मिलनियां करवाई जाएंगी। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि हमारा मुख्य उद्देश्य एन.आर.आई.ज को सामने आने वाली

समस्याओं का समाधान उनके पास पहुंचकर करना है ताकि उन्हें सरकारी दफ्तरों के अनावश्यक चक्कर न काटने पड़ें।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि एन.आर.आईज के मामले और शिकायतें निर्धारित समय के अंदर हल की जाएं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विदेशों में बैठे पंजाबियों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली पंजाब सरकार विदेशों में बसे एन.आर.आईज. पंजाबियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि हमारी सरकार ने एन.आर.आईज की पंजाब में पड़ी जमीन-जायदाद के अधिकार की सुरक्षा सुनिश्चित बनाने के लिए पुख्ता प्रबंध किए हैं।मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि एन.आर.आई.ज सभा के चुनाव जल्द करवाए जाएं और इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई को तेजी से पूरा किया जाए।

इस मौके पर एन.आर.आई. विभाग के सचिव श्री वी एन. जाद्रे, डिवीजनल कमिश्नर जालंधर तथा सचिव सूचना एवं लोक संपर्क विभाग श्री रामवीर, विशेष सचिव एन.आर.आई. श्रीमती अमनदीप कौर, ए.डी.जी.पी. एन.आर.आई. श्री आर. के. जैस्वाल, अतिरिक्त सचिव एन.आर.आई. श्री आर. बी.एस. बराड़ और ए.आई.जी. श्री अजिंदर सिंह उपस्थित थे।

नशा तस्करी से संबंधित नैटवर्क के तीन कारकुन 6 किलो हेरोइन और 6 किलो आईसीई सहित अमृतसर से काबू

चंडीगढ़/ अमृतसर। मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए चल रही मुहिम दौरान बड़ी सफलता के अंतर्गत काउंटर इंटेलीजैंस (सीआई) अमृतसर ने नशा तस्करी के साथ जुड़े माड्यूल के तीन कारकुनों को 6 किलो हेरोइन और 6 किलो आईसीई (क्रिस्टल मेथामफेटामाईन) बरामद करके, इस गिरोह का पदार्फाश किया है। यह जानकारी डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (डीजीपी), पंजाब गौरव यादव ने आज यहां सांझा की। गिरफ़्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान फिरोजपुर के गांव सुरसिंह वाला के निवासी प्रताप सिंह, अमृतसर के गांव कोहाला के निवासी अजैपाल सिंह और अमृतसर के गांव ख्याला कलां के निवासी जोबनदीप सिंह के तौर पर हुई है। पुलिस टीमों ने नशीले पदार्थों की खेप बरामद करने के इलावा दोषियों का काले रंग का स्पलैंडर मोटरसाईकल (पीबी 02 एफ.ई. 1185) और सफेद रंग की एक्टिवा (पीबी 02 ईटी 8995) भी जब्त कर लिया है, जो खेप की ढुलाई के लिए इस्तेमाल किए जा रहे थे। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्राथमिक जांच से पता लगा है कि गिरफ़्तार किए गए आरोपी, प्रताप सिंह और अजैपाल सिंह पाकिस्तानी तस्कर के सीधे संपर्क में थे। उन्होंने कहा कि गिरफ़्तार किए गए आरोपी अमृतसर के गांव अटलगढ़ और रतन के बाड़ वाले क्षेत्र से ड्रोन के द्वारा सरहद पार तस्करी की खेप प्राप्त कर रहे थे और उनको राज्य में आगे अन्य को यह नशीले पदार्थ स्पलाई करने का काम सौंपा गया था। आपरेशन सम्बन्धित विवरन सांझे करते उन्होंने कहा कि सीआई अमृतसर को पुख्ता खुफिया जानकारी मिली थी कि प्रताप सिंह और अजैपाल सिंह को हाल ही में ड्रोन के द्वारा नशीले पदार्थों की एक बड़ी खेप मिली है और वह इस खेप को गांव स्तर में श्मशानघाट की पानी वाली टैंकी नजदीक अपने साथी जोबनदीप सिंह तक पहुंचाने जा रहे है। उन्होंने कहा कि तेजी के साथ कार्यवाही करते सी.आई. अमृतसर की पुलिस टीम ने उस जगह पर छापा मारा और तीनों शक्कियों को 6 किलो हेरोइन और 6 किलो आईसीई सहित गिरफ़्तार किया।

संक्षिप्त-समाचार

कनेडा के सांसद टिम सिंह उप्पल सचखंड श्री हरिमंदिर साहिब में हुए नतमस्तक

जैतो। कनेडा के सांसद और विपक्ष के डिप्टी लीडर टिम सिंह उप्पल ने आज अपने परिवार और दोस्तों के साथ सचखंड श्री हरिमंदिर साहिब में माथा टेककर श्रद्धा व्यक्त की। उनके साथ सर्दी कुलदीप सिंह प्रधान के.एन.आर. गरूप कनेडा और चरणजीत सिंह मावीकला भी मौजूद थे। इस मौके पर शिरोमणि कमेटी की तरफ से श्री दरबार साहिब के इन्फॉर्मेशन सेंटर में उन्हें शिरोमणि कमेटी सदस्य भाई गुरचरण सिंह ग्रेवाल और इन्फॉर्मेशन ऑफिसर रणधीर सिंह ने सचखंड श्री हरिमंदिर साहिब का गोल्डन मॉडल और किताबें देकर सम्मानित किया। इस मौके पर सदस्य भाई गुरचरण सिंह ग्रेवाल ने कहा कि देश और दुनिया में रहने वाले सिखों ने अपनी मेहनत से बहुत बड़ा योगदान दिया है और बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। इनमें से एक हैं टिम सिंह उप्पल, जिन्होंने कनेडा की राजनीति में अपना नाम बनाया है। वे सचखंड श्री हरिमंदिर साहिब में दर्शन के लिए आए थे। टिम सिंह उप्पल और उनके परिवार को बधाई दी। इस मौके पर टिम सिंह उप्पल ने कहा कि सचखंड श्री हरिमंदिर साहिब देश और दुनिया में रहने वाले सिखों के लिए एक बड़ी आस्था है। यह वह केंद्र है जहां वे सिर झुकाते हैं और अपनी खुशकिस्मती महसूस करते हैं। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी कमेटी से मिले सम्मान के लिए धन्यवाद किया।

लुधियाना व ढंढारी कलां स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकट की बिक्री पर अस्थायी पाबंदी

जैतो। उत्तर रेलवे के फिरोजपुर रेल मंडल के वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक परमदीप सिंह सैनी ने सोमवार को कहा कि फिरोजपुर मंडल द्वारा होली के मद्देनजर अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित एवम् रेलयात्रियों की सुविधाजनक आवागमन को ध्यान में रखते हुए लुधियाना और ढंडारी कलां रेलवे स्टेशनों पर प्लेटफार्म टिकट की बिक्री 27.02.2026 से 03.03.2026 तक अस्थायी रूप से प्रतिबंधित करने का निर्णय लिया गया है।फिरोजपुर मंडल रेलयात्रियों से अपील करता है सुखद एवम् आसान रेलयात्रा के लिए आवश्यक जरूरी सामान के साथ सफर करें। ट्रेन में यात्रा करने वाले अपने परिचितों और परिजनों को रेलवे स्टेशन के बाहर तक ही छोड़े ताकि रेलवे स्टेशन पर अनावश्यक भीड़ ना हो।यात्रियों की सुरक्षा और सुखद यात्रा रेलवे के लिए सर्वोपरि है। सफर के दौरान रेल नियमों का पालन करें, साथ में पटाखे अथवा ज्वलनशील वस्तुएं लेकर यात्रा न करें।

बुलडोजर राजनीति बेनकाब, लोकतंत्र कुचला गया, सत्ता का दुरुपयोग, जनता नहीं भूलेगी: सुखमिंदरपाल

जैतो। राष्ट्रीय भाजपा नेता, एडवोकेट सुखमिंदरपाल सिंह ग्रेवाल भूखड़ी कलां ने कहा कि वे अपने मित्र सुखपाल सिंह खैरा के निवास पर की गई शर्मनाक तोड़फोड़ की कार्रवाई की दिल से और पूरी दृढ़ता के साथ निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि यह शासन नहीं बल्कि अहंकार और सत्ता के खुले दुरुपयोग से प्रेरित बदले की राजनीति है। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्रवाई एक खतरनाक मानसिकता को दशार्ती है जो लोकतंत्र, कानून और मूल मानवीय गरिमा का खुला अपमान करती है।ग्रेवाल ने कहा कि सत्ता अस्थायी होती है लेकिन जवाबदेही स्थायी होती है। उन्होंने कहा कि हर अन्यायपूर्ण कार्रवाई को याद रखा जाएगा, दर्ज किया जाएगा और पंजाब की जनता उसका जवाब देगी।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान जी और अरविंद केजरीवाल जी तथा ऐसे सभी अधिकारियों को, जो आंख बंद कर इस तरह के अन्यायपूर्ण आदेशों को लागू कर रहे हैं, यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि सत्ता का दुरुपयोग ताकत नहीं बल्कि कायरता है, जो सत्ता के पीछे छिपी होती है। उन्होंने कहा कि शासन सेवा के लिए होता है, न कि राजनीतिक बदले के लिए।ग्रेवाल ने आगे कहा कि यह कार्रवाई अत्यंत शर्मनाक, अन्यायपूर्ण और पूरी तरह अस्वीकार्य है।

चितकारा इंटरनेशनल स्कूल में बायोडायवर्सिटी अवेयरनेस सेशन का आयोजन

चंडीगढ़। चितकारा इंटरनेशनल स्कूल में आज वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) एक्सपर्ट्स के सहयोग से बायोडायवर्सिटी अवेयरनेस सेशन का आयोजन किया गया। सत्र को 14 वर्षीय युवा एनवायरनमेंटलिस्ट, वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर वीर सिंह ने संबोधित किया, जो वीर वनम फाउंडेशन से जुड़े हैं। उन्होंने गंभीर रूप से संकटग्रस्त भारतीय सबकॉन्टिनेंट का एक फ्रेशवॉटर मगरमच्छ- घड़ियाल के संरक्षण पर छात्रों को जागरूक किया। स्टूडेंट्स और फैकल्टी को एड्रेस करते हुए, वीर सिंह ने रिवर इकोसिस्टम की इकोलॉजिकल इंपॉर्टेंस पर जोर दिया और घड़ियालों को फ्रेशवॉटर हेल्थ का एक अहम इंडिकेटर बताया। उन्होंने बताया कि कैसे हैबिटैट लॉस, रिवर पॉल्यूशन, गैर-कानूनी रेत माइनिंग और जलवायु परिवर्तन जैसे कारणों से घड़ियालों की संख्या तेजी से कम हो रही है। अपने फील्डवर्क और वाइल्डलाइफ डॉक्यूमेंटेशन के आधार पर, उन्होंने लगातार कंजर्वेशन की कोशिशों और मजबूत कम्युनिटी अवेयरनेस की जरूरत पर जोर दिया। सेशन में बायोडायवर्सिटी कंजर्वेशन और नेचुरल इकोसिस्टम को बचाने में युवाओं की भूमिका जैसे बड़े टॉपिक भी शामिल थे। स्टूडेंट्स ने देशी प्रजातियों की रक्षा और बचाव, नदियों, वाइल्डलाइफ और इंसानी समुदायों के बीच के लिंक को समझने पर चर्चा में एक्टिव रूप से हिस्सा लिया।

जसवीर सिंह गढ़ी ने पंजाब के समूह एस.सी.कर्मचारी संगठन की मुश्किलें सुनी

चंडीगढ़। पंजाब राज्य अनुसूचित जाति कमिशन के चेयरमैन श्री जसवीर सिंह गढ़ी ने अनुसूचित जाति वर्ग के साथ सम्बन्धित पंजाब की एस.सी कर्मचारी संगठन की समस्याओं और संवैधानिक अधिकारों को लागू करवाने में आ रही परेशानियों को हल करवाने के लिए पंजाब भवन, चंडीगढ़ में विशेष मीटिंग की अध्यक्षीय की गई। इस मीटिंग में राज्य के ज्यादातर एस.सी. कर्मचारी संगठन ने हिस्सा लिया। संगठन के प्रतिनिधियों ने मीटिंग दौरान आरक्षण/ प्रतिनिधिता

सम्बन्धित पंजाब में लागू नियमों का पुन मूल्यांकन करने की मांग करते कहा कि पंजाब राज्य में आरक्षण नीति 1971 के जनगणना अनुसार तय की गई थी, जिस में 50 साल बीतने के बावजूद की कोई मूल्यांकन नहीं किया गया जबकि पंजाब राज्य में दलित आबादी 38 फीसद से ज्यादा हो गई है। इसके साथ ही इन नेताओं द्वारा 85वीं संवैधानिक संशोधन लागू करने, 10- 10- 2014 को जारी किए गए गैर संवैधानिक पत्र को वापिस लेने रोस्टर रजिस्टरों और बैकलाग के साथ सम्बन्धित भर्ती के साथ सम्बन्धित मामलों को उठाया गया और कमिशन से मांग की गई कि इस सम्बन्धित जल्द कार्यवाही करके इन मसलों को हल करवाया जाए। कर्मचारी संगठनों ने कच्चे कर्मचारियों का भी मुद्दा उठाते कमिशन से मांग की कि इनकी सेवाओं को रेगुलर करवाने के लिए उद्यम किए जाएं। आज की इस बैठक में स.जसवीर सिंह पाल, स.अवतार सिंह कैंथ, स. अमरीक सिंह बंगड़, स.कृष्ण सिंह और कई अन्य उपस्थित थे।

भारत में जमशेदपुर के बाद टाटा स्टील का दूसरा सबसे बड़ा प्लांट अब पंजाब में : भगवंत सिंह मान

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज यहां कहा कि मार्च से लुधियाना में टाटा स्टील के मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के कार्यशील होने से पंजाब में उद्योग को बड़ा हौसला मिलेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह प्रोजेक्ट राज्य की प्रगतिशील नीतियों और मजबूत शासन ढांचे में वैश्विक उद्योग के बढ़ते विश्वास को दशार्ता है।

टाटा स्टील के एक वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करते हुए, जिसमें उपाध्यक्ष (लॉन्ग प्रोडक्ट्स) आशीष अनुपम और कॉर्पोरेट मामलों के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल थे, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि टाटा स्टील ग्रुप दुनिया के अग्रणी स्टील निमार्ताओं में से एक है, जिसकी कच्चे स्टील की वार्षिक क्षमता लगभग 34 मिलियन टन है और दुनिया के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में

इसका मजबूत स्थान है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टाटा स्टील लिमिटेड लुधियाना की हाई-टेक वैली के निकट रीबार मिल के साथ 0.75 एम.टी.पी.ए. इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस आधारित स्टील-मेकिंग सुविधा स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि 115 एकड़ में फैले इस प्रोजेक्ट में शुरू में लगभग 2,600 करोड़ के निवेश का अनुमान था, जो अब बढ़कर 3,200 करोड़ हो गया है। इस प्लांट से लगभग 2,500 व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है, जिससे क्षेत्र के औद्योगिक माहौल को मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जोर देकर कहा कि यह यूनिट 100 प्रतिशत स्टील स्क्रैप को कच्चे माल के रूप में उपयोग करेगी और टिकाऊ तथा पर्यावरण-अनुकूल उत्पादन प्रक्रिया अपनाएगी। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस रूट पारंपरिक ब्लास्ट फर्नेस तकनीक की तुलना में कार्बन उत्सर्जन को काफी हद तक कम करता है, जो पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ औद्योगिक विकास के प्रति पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। पंजाब सरकार की ओर से निभाई गई सक्रिय भूमिका को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार ने इस मेगा प्रोजेक्ट के निर्माण और संचालन को समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित किया है, जो पंजाब की उद्योग-समर्थक नीतियों और सक्रिय शासन ढांचे को दशार्ता है। इस प्रोजेक्ट की शुरूआत को राज्य के लिए गौरव की बात बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह जमशेदपुर के बाद भारत में टाटा स्टील का दूसरा सबसे बड़ा प्लांट है और पंजाब में कंपनी के सबसे बड़े निवेश को दशार्ता है। निरंतर औद्योगिक विस्तार के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए उन्होंने प्रोजेक्ट के सफल संचालन और भविष्य में और विस्तार के लिए टाटा स्टील को पूरा समर्थन और सहयोग देने का भरोसा दिया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा, मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

दोआबा में फसल विविधता के लिए पंजाब के विधायकों की पहल, मार्केटिंग सहयोग और बड़े मुनाफे का आश्वासन

राणा गुरजीत सिंह, राणा इंदर प्रताप सिंह द्वारा शाहकोट में कसावा खेती को प्रोत्साहन

सिटी दर्पण संवाददाता
शाहकोट (गांव मलसियां)

फसल विविधता और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कपूरथला से विधायक राणा गुरजीत सिंह और सुल्तानपुर लोधी से विधायक राणा इंदर प्रताप सिंह ने आज शाहकोट के निकट गांव मलसियां का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने किसानों से मुलाकात कर पारंपरिक पानी-गहन फसलों के स्थान पर कसावा की खेती को एक लाभकारी विकल्प के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

किसानों की विशाल सभा को संबोधित करते हुए राणा गुरजीत सिंह ने पंजाब में तेजी से गिरते भूजल स्तर पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, हमें अपना भूमिगत पानी बचाना होगा, जो हर वर्ष लगभग एक मीटर की दर से नीचे जा रहा है। अपने पिछले प्रयासों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, मैं स्वयं को एक किसान मानता हूं। मेरा कार्य केवल विधानसभा में लोगों का प्रतिनिधित्व करना ही नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर उनकी भलाई के लिए काम करना भी है। वर्ष 2019 में जब मजदूरों की भारी कमी थी, तब मैंने पी.ए.यू. के सहयोग से डायरेक्ट सीडिंग ऑफ राइस (ऊफ) को प्रोत्साहित किया। यह तकनीक 2007झ08 में विकसित की गई थी। उन्होंने बताया कि इस पद्धति से 30 प्रतिशत तक पानी की बचत हुई, लेकिन बाद में धान उत्पादक फिर पारंपरिक तरीके पर लौट गए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि हम लगभग 16 बिलियन क्यूबिक फीट अतिरिक्त भूजल निकाल रहे हैं, जिससे पंजाब का कीमती प्राकृतिक खजाना समाप्त हो रहा है।

किसानों को नई फसलों की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि मार्केटिंग की चिंता अक्सर फसल विविधता में बाधा बनती है। जब भी हम नई फसल की बात करते हैं, किसान तुरंत उसकी खरीद-फरोख्त

के बारे में पूछते हैं। मैं उनकी चिंता समझता हूं। इसलिए मैंने मानसूनी मक्का को न केवल प्रोत्साहित किया, बल्कि उसकी खरीद का आश्वासन भी दिया और अगले वर्ष भी इस वचन पर कायम रहूंगा, उन्होंने कहा।

कसावा की संभावनाओं पर चर्चा करते हुए उन्होंने इसे ग्लूटेन-मुक्त और कीट-प्रतिरोधी फसल बताया, जिसे कम देखभाल की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा, कसावा को दो इंच गहराई और 36 इंच की दूरी पर लगाया जाता है। प्रति एकड़ लगभग 5,000 पौधे लगाए जा सकते हैं, जिनसे प्रत्येक पौधे से लगभग पांच किलोग्राम उत्पादन मिलता है। इस प्रकार प्रति एकड़ लगभग 250 क्विंटल उपज संभव है। उन्होंने आगे कहा, पहले तीन महीनों में कुछ देखभाल और केवल एक खरपतवारनाशक छिड़काव की आवश्यकता होती है। इसके बाद फसल सात से नौ महीनों में तैयार हो जाती है।

उन्होंने बताया कि कसावा दोमट और बलुई दोमट मिट्टी में अच्छी पैदावार देती है, जिससे यह दोआबा क्षेत्र के लिए उपयुक्त है। मुझे विश्वास है कि दोआबा के मेहनती किसान कसावा को भी उतनी ही सफलता देंगे जितनी उन्होंने मक्का और चुकंदर को दी है। मक्का की पैदावार 20 क्विंटल से बढ़कर लगभग 50 क्विंटल प्रति एकड़ हो गई है, जबकि चुकंदर की खेती 15,000 एकड़ तक फैल चुकी है और 500 क्विंटल प्रति एकड़ उपज दे रही है, उन्होंने कहा।

आर्थिक दृष्टि से कसावा की लाभप्रदता पर जोर देते हुए राणा गुरजीत सिंह ने कहा, वर्तमान में कसावा लगभग 15 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रही है, जिससे प्रति एकड़ लगभग 2.5 लाख रुपये की आय संभव है। उचित मार्केटिंग होने पर कीमत 20 रुपये प्रति किलोग्राम से भी ऊपर जा सकती है। आलू जैसी फसलों की तुलना में, जहां कीमतों में उतार-चढ़ाव से नुकसान होता है, कसावा स्थिर और अधिक मुनाफा देती है। उन्होंने कम से कम 20 किसानों से अपील की कि वे एक-एक एकड़ में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इसकी शुरूआत करें।

मार्केटिंग संबंधी आश्वासन देते हुए उन्होंने कहा, यदि मैं मक्का का समर्थन कर सकता हूं तो कसावा का भी करूंगा। मार्केटिंग कोई समस्या नहीं होगी। खरीद और प्रोसेसिंग सुनिश्चित करना मेरी जिम्मेदारी है। कटाई के 48 घंटे के भीतर उत्पाद को फैक्ट्रियों तक पहुंचाया जाएगा, जहां इसे सूखे पाउडर के रूप में प्रोसेस किया जाएगा, और हम यह सुविधा उपलब्ध कराएंगे।

राणा इंदर प्रताप सिंह ने कसावा के औद्योगिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, मक्का में लगभग 58 प्रतिशत स्टार्च होता है, चावल में करीब 68 प्रतिशत, जबकि कसावा में 70 से 80 प्रतिशत तक स्टार्च होता है। इसलिए यह प्रोसेसिंग उद्योग के लिए अत्यंत मूल्यवान है। हमने इसकी खेती के लिए मानक कार्यविधियां तैयार कर ली हैं।

नेपाल में बस हादसा, 18 यात्रियों की मौत, 27 यात्री घायल

सड़क से लगभग 300 मीटर नीचे गिरकर क्षतिग्रस्त हुई बस

बस में न्यूजीलैंड की महिला और पुरुष भी थे सवार

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

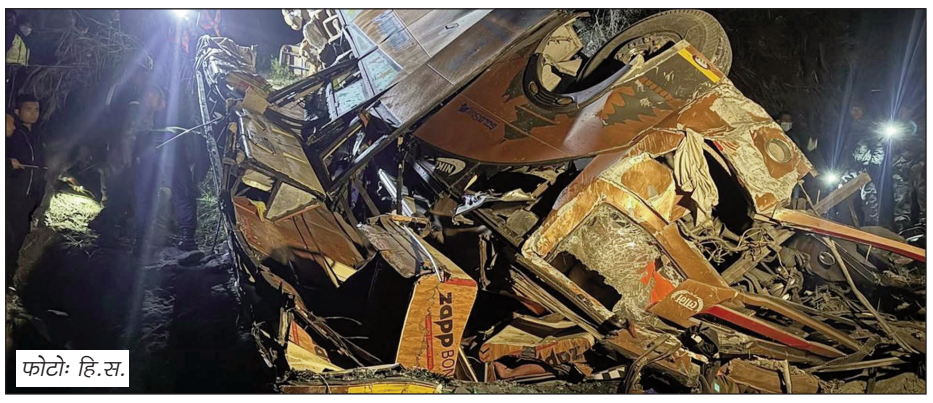
फोटोः हि.स.

पोखरा से काठमांडू आ रही एक यात्री बस के त्रिशूली नदी में गिरने से छह महिलाओं और 12 पुरुषों की मौत की पुष्टिहुईहै।हादसे में घायल 27 लोगों को बचाकर विभिन्न अस्पतालों में भेजा गया है। मृतकों में विदेशी पर्यटक भी शामिल हैं। मृतकों में एक महिला तथा एक पुरुष न्यूजीलैंड के रहने वाले बताए गए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि पृथ्वी राजमार्ग के अंतर्गत पोखरा से काठमांडू की ओर आ रही बस (नंबर-ग 1 ख 1421 नंबर) रात करीब एक बजे धादिंग जिले के बेनिघाट रोरांग गांवपालिका स्थित भैंसेगौडा क्षेत्र से त्रिशूली नदी किनारे जा गिरी। बस सड़क से लगभग 300 मीटर नीचे गिरकर क्षतिग्रस्त हो गई। घटनास्थल से नाव की मदद से यात्रियों को करीब एक किलोमीटर नीचे तक लाया गया, वहां से उन्हें ऊपर लाकर एंबुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया गया। रात का समय, दुर्गम स्थान और राहत सामग्री की कमी के कारण बचाव कार्य में कठिनाई हुई। धादिंग के प्रमुख जिला अधिकारी विजय राज सुवेदी ने फोन पर बताया, ह्लटॉर्च की रोशनी में घायलों की मदद की गई। हमें राहत सामग्री की कमी महसूस हुई ह्व सुवेदी के अनुसार घटनास्थल से 8 महिलाएं, 17 पुरुष और एक बालिका सहित कुल 27 लोगों को बचाकर विभिन्न अस्पतालों में भेजा गया है, जबकि 6 महिलाओं और 12 पुरुषों की मृत्यु हो गई है। सेना, सशस्त्र प्रहरी बल और नेपाल पुलिस की टीमों ने संयुक्त रूप से बचाव अभियान चलाया। सशस्त्र प्रहरी बल के विपद प्रबंधन बेस आदमघाट से डीएसपी सुनील गिरी के नेतृत्व में एक टीम तथा विपद प्रबंधन प्रशिक्षण शिक्षालय कुरिनटार से गोताखोरों की टीम भी राहत और बचाव कार्य में तैनात है।

सोने की कीमत में सांकेतिक गिरावट, चांदी भी फिसली

नई दिल्ली। घरेलू सराफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार में सोना और चांदी के भाव में सांकेतिक गिरावट का रुख नजर आ रहा है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,59,270 रुपये से लेकर 1,59,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,45,990 रुपये से लेकर 1,46,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज 2,74,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में सोमवार को 24 कैरेट सोना 1,59,420 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,59,270 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,59,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,59,270 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,45,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,59,270 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

पाकिस्तान का अफगानिस्तान बॉर्डर पर 70 आतंकियों को मारने का दावा

सुरक्षा बलों ने आतंकवादी शिविरों को निशाना बनायाः गृह राज्यमंत्री तलाल चौधरी

एजेंसी (हि.स.)
इस्लामाबाद

फोटोः हि.स.

पाकिस्तान के गृह राज्यमंत्री तलाल चौधरी ने दावा किया कि पाकिस्तान-अफगानिस्तान बॉर्डर पर हवाई हमले में बड़ी सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि इस हमले में करीब 70 आतंकवादी मारे गए। सुरक्षा बलों ने अफगानिस्तान के अंदर तीन इलाकों में सात आतंकवादी शिविरों और ठिकानों को निशाना बनाया।

दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्री तलाल चौधरी ने कहा कि इस बात के पक्के सबूत हैं कि मारे गए ज्यादातर आतंकवादी पाकिस्तान के नागरिक हैं। यह लोग तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और दाएश-खोरासान जैसे बैन संगठनों से जुड़े थे। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान लंबे समय से आतंकवादियों को पनाह दे रहा है। पाकिस्तान अपने नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा के लिए सभी कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद ने दशकों से लाखों अफगान शरणार्थियों को पनाह दी है और अपनी सुरक्षा और आर्थिक चुनौतियों का सामना करने के बावजूद अफगानिस्तान को आर्थिक मदद दी है। चौधरी ने अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार पर 2020 के दोहा समझौते के तहत अपने वादों को पूरा करने में नाकाम रहने का आरोप लगाया। चौधरी ने कहा, "अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार अपने वादे पर खरी नहीं उतरी है और आतंकवाद को नहीं रोका है।" मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान ने काबुल के साथ सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए कई स्तर की बातचीत की। उन्होंने दावा किया कि यूनाइटेड नेशंस ने अफगानिस्तान में दो दर्जन से अधिक आतंकी संगठनों के सक्रिय होने की सूचना दी है। उल्लेखनीय है पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच यह ताजा तनाव खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में हुए हमलों के बाद इस्लामाबाद और काबुल के बीच बढ़े तनाव के बीच हुआ है।

पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ राजनीतिज्ञ मुकुल रॉय का निधन, 71 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

एजेंसी (हि.स.)
कोलकाता

पश्चिम बंगाल के राजनीति में चाणक्य कहे जाने वाले वरिष्ठ राजनेता मुकुल रॉय का रविवार देररात निधन हो गया। उन्होंने 71 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। लंबे समय से किडनी सहित कई गंभीर शारीरिक समस्याओं से जूझ रहे मुकुल रॉय न्यू टाउन स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती थे। उनके निधन से राज्य की राजनीति में शोक की लहर दौड़ गई। उनके आवास के बाहर समर्थकों और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। अस्पताल से पार्थिव शरीर को घर लाने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

मुकुल रॉय ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत कांग्रेस से की। बाद में वह राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए। वह तृणमूल के संस्थापक सदस्यों में हैं। संगठन को खड़ा करने में उनकी रणनीतिक भूमिका के कारण उन्हें ह्यबंगाल की राजनीति का चाणक्यह्व भी कहा जाता था। एक समय उन्हें मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की छाया कहा जाता था। उन्होंने राज्यसभा सदस्य के रूप में भी दायित्व निभाया और केंद्र सरकार में जहाजरानी तथा रेल मंत्रालय की जिम्मेदारी संभाली। बाद में वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में कृष्णनगर उत्तर सीट से भाजपा के टिकट पर जीत दर्ज की। हालांकि बाद में उन्होंने पुनः तृणमूल कांग्रेस का दामन थाम लिया, लेकिन विधायक पद से इस्तीफा नहीं दिया। इस कारण वह औपचारिक रूप से भाजपा विधायक ही बने रहे। उन्हें विधानसभा की लोक लेखा समिति का अध्यक्ष भी बनाया गया। उनके विधायक पद को लेकर विवाद अदालत तक पहुंचा।

मेक्सिको में ड्रग माफिया एल मेंचो की मौत के बाद हालात बिगड़े

अमेरिका और कनाडा ने नागरिकों के लिए जारी किया परामर्श, उड़ानें रद्द

एजेंसी (हि.स.)
वाशिंगटन

फोटोः हि.स.

मेक्सिको के कुख्यात ड्रग माफिया और जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल (सीजेएनजी) के सरगना नेमेसियो 'एल मेंचो' ओसेगुएरा सर्वेंटेस के रविवार को सैन्य अभियान मारे जाने के बाद हिंसा फैल गई है। बिगड़े हालात को देखते हुए अमेरिका और कनाडा अपने नागरिकों के लिए परामर्श जारी करते हुए उन्हें सुरक्षित जगहों पर रहने यानी 'शेल्टर-इन-प्लेस' की सलाह दी है।

दरअसल, मेक्सिको की सेना ने रविवार को जलिस्को राज्य के तापाल्पा इलाके में एक बड़े ऑपरेशन के दौरान 59 वर्षीय एल मेंचो को घेर लिया था। इस दौरान मुठभेड़ में चार कार्टेल सदस्य मौके पर मारे गए। एल मेंचो गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। इस ऑपरेशन में मेक्सिको के तीन सैनिक भी घायल हुए। अमेरिका को एल मेंचो की लंबे समय से तलाश थी। अमेरिका ने उसकी गिरफ्तारी की जानकारी देने पर 15 मिलियन डॉलर (करीब 125 करोड़ रुपये) का इनाम घोषित था। उसकी मौत के बाद कार्टेल से जुड़े संदिग्ध लोगों ने कई जगह बसों में सरकारी कर्मचारियों को सतर्क रहने, भीड़ से दूर रहने, गैरजरूरी यात्रा न करने और स्थानीय प्रशासन के निदेर्शों का पालन करने को कहा है।

सीएनएन, सीबीएस और फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया गया कि हिंसा के कारण ग्वाडलहारा और प्यूर्टो वालार्टा जैसे बड़े शहरों में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। प्यूर्टो वालार्टा में टैक्सी और राइड-शेयर सेवाएं भी बंद कर दी गईं। कई व्यवसायों ने अस्थायी रूप से काम रोक दिया है। अमेरिका ने खास तौर पर जलिस्को, तमाउलिपास, मिचोआकान, गुरेरो और न्यूवो लियोन राज्यों में मौजूद अपने नागरिकों और

फोटोः हि.स.

आग लगा दी।सड़कों को जाम कर दिया और सुरक्षा बलों से झड़पें कीं। इससे पूरे इलाके में तनाव फैल गया है। हिंसा के बाद अमेरिकन एयरलाइंस और एयर कनाडा समेत कई एयरलाइंस ने प्यूर्टो वालार्टा के लिए उड़ानें रोक दीं। इससे कुछ पर्यटक कुछ समय तक फंसे रहे।

अमेरिका के डिपार्टमेंट के कॉन्सुलर अफेयर्स सेक्शन के एक्स पर जारी एक बयान में कहा गया, ₹मेक्सिको के कई इलाकों में चल रहे बड़े पैमाने पर सिक्योरिटी ऑपरेशन और उससे जुड़ी रोड ब्लॉक और क्रिमिनल एक्टिविटी की वजह से नागरिकों को अगली सूचना तक सुरक्षित जगह पर रहना चाहिए।₹ इसमें कहा गया, ₹रोड ब्लॉक की वजह से एयरलाइन ऑपरेशन पर असर पड़ा है। ग्वाडलहारा और प्यूर्टो वालार्टा दोनों में कुछ डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट रद्द कर दी गई हैं।₹ कनाडा ने कहा कि वह हालात पर करीब से नजर रख रहा है।

कनाडा ने मेक्सिको में रह रहे अपने नागरिकों को सलाह दी कि वे ₹लो प्रोफाइल रहें और स्थानीय अधिकारियों की सलाह मानें।₹ उधर, अमेरिकी कैरियर यूनाइटेड, अमेरिकन, साउथवेस्ट और अलास्का, साथ ही कनाडाई एयरलाइन एयर कनाडा और वेस्टजेट/सनविंग ने प्यूर्टो वालार्टा, ग्वाडलहारा और मंजानिलो के लिए ₹लाइट रद्द करने की घोषणा की।

कई एयरलाइंस ने कहा कि मेक्सिको के रास्ते में ही कुछ फ्लाइट को वापस लौटना पड़ा। साउथवेस्ट ने कहा कि हालात सामान्य होने पर वह अपने फंसे हुए यात्रियों और स्टाफ को वापस लाने के लिए मेक्सिको में विमान भेजेगा। इस बीच मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने एल मेंचो के खिलाफ सैन्य अभियान में शामिल एजेंसियों के काम की तारीफ की है।

संक्षिप्त-समाचार

मोरान आभूषण लूट मामले में एक गिरफ्तार

डिब्रूगढ़ (असम)। डिब्रूगढ़ जिले के मोरान इलाके में गहने के एक व्यापारी पर हमला कर डकैतों द्वारा गहना लूटे जाने के मामले में पुलिस ने एक लुटेरे को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि 20 फरवरी रात कामाख्या ज्वैलर के मालिक शुभाशीष कर्मकार अपने दुकान बंद कर अपने एक कर्मचारी के साथ घर जा रहे थे। जिस दौरान रास्ते में डकैतों का एक दल दोनों पर हमला कर दुकान से घर ले जा रहे लगभग आठ लाख रुपए का गहना लेकर फरार हो गए गए थे। हमले में दुकान के मालिक और कर्मचारियों को चोट लगी थी। गहने के मालिक द्वारा दर्ज कराए गए शिकायत के आधार पर डकैती में शामिल एक डकैत को गिरफ्तार किया गया है । गिरफ्तार डकैत की पहचान राजू ताती के रूप में की गई है। वहीं पुलिस ने डकैती के लिए व्यवहार की गई बाइक को भी जब्त कर लिया है। वहीं पुलिस पहले से दर्ज प्राथमिक की के आधार पर गिरफ्तार डकैती से सागर पूछताछ कर रही है वही इस मामले में शामिल अन्य आरोपितों की भी सरगर्मी से तलाश कर रही है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार पिता-पुत्र और दामाद की मौत, भतीजा गंभीर

करौली। हिण्डौन सिटी कस्बे में बीती रात एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने एक बाइक को टक्कर मार दी, जिस पर चार लोग सवार थे। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। सदर थाना प्रभारी पुरुषोत्तम लाल चौधरी ने बताया कि करौली जिले के हिण्डौन सदर थाना क्षेत्र में यह दुर्घटना हुई। अलीपुरा निवासी यशवेंद्र जाटव (50), उनके बेटे गौरव जाटव (13), दामाद धर्मेंद्र जाटव (25) और भतीजे मुनीम जाटव एक ढाबे पर खाना खाने के बाद एक ही बाइक से घर लौट रहे थे। पनबेड़ा गांव के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में यशवेंद्र, उनके बेटे गौरव और दामाद धर्मेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मुनीम गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। तीनों शवों को हिण्डौन सिटी के जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जांच के बाद डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। डीएसपी मुनेश कुमार मीणा और सदर थाना प्रभारी पुरुषोत्तम लाल चौधरी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि मृतक यशवेंद्र और उनके दामाद धर्मेंद्र मजदूरी का काम करते थे। धर्मेंद्र की शादी यशवेंद्र की बेटी रचना से 29 अप्रैल 2025 को हुई थी। एक ही परिवार में तीन मौतों की खबर मिलते ही जिला अस्पताल में भारी भीड़ जमा हो गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और फरार ट्रैक्टर चालक की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

किन्नरों की दबंगई से परेशान नागरिकों ने पुलिस से लगाई सुरक्षा की गुहार

बिजनौर। जनपद बिजनौर के थाना हल्दौर क्षेत्र स्थित कस्बा झालू में किन्नरों द्वारा जबरदस्ती धन उगाही करने के संबंध में पुलिस चौकी पर शिकायत देते हुए नागरिकों ने सुरक्षा की मांग की है। पुलिस को दी गई शिकायत में कहा गया है कि कुछ किन्नर समुदाय के लोग क्षेत्र में घर-घर जाकर नवजात शिशु के जन्म अथवा विवाह जैसे पारिवारिक अवसरों पर जबरदस्ती अत्यधिक धनराशि (हजारों रुपये) की मांग कर रहे हैं। यदि किसी परिवार द्वारा इतनी बड़ी धनराशि देने में असमर्थता व्यक्त की जाती है, तो उनके साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है तथा दबाव बनाकर धन वसूला जाता है। इस प्रकार की घटनाओं से कस्बा वासियों में रोष एवं भय का वातावरण व्याप्त है। हम सभी नागरिक सामाजिक सौहार्द एवं आपसी सम्मान में विश्वास रखते हैं, किन्तु किसी भी प्रकार की जबरदस्ती, दबाव या अवैध धन उगाही को स्वीकार नहीं किया जा सकता। इस विषय में आवश्यक जांच कर उचित कानूनी कार्यवाही करने की मांग की गई है। ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनी रहे। यदि भविष्य में पुनः इस प्रकार की जबरदस्ती की जाती है तो झालू कमेटी एवं समस्त क्षेत्रवासी कानून के अंतर्गत कार्यवाही हेतु बाध्य होंगे। इस मौके पर विहिप नेता ज्ञानेश्वर सिंह, घनश्याम सिंह मलिक, परवीन सिंह, गौरव, विशाल, संजय, अरुण कुमार, रजनीश सिंह, सुधीर, विनित चौधरी , मुनेंद्र, दिनेश कुमार आदि बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

असम के दीमा हसाओ में निमार्णाधीन एनएच-27 पुल ढहा, एक घायल

दीमा हसाओ (असम)। असम के पहाड़ी जिला दीमा हसाओ में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर निमार्णाधीन एक पुल अचानक ढह गया, जिससे एक श्रमिक घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने सोमवार को बताया कि घटना हरंगाजाओ थाना क्षेत्र के डोलाई चुंगा इलाके में हुई। जानकारी के अनुसार यह पुल एनएच-27 के ब्रिम्बांगलो-हरंगाजाओ खंड पर चल रहे निर्माण कार्य का हिस्सा था। इस महत्वपूर्ण सड़क परियोजना का कार्य डीआरए कंपनी द्वारा किया जा रहा था। हादसे के समय पुल का निर्माण कार्य जारी था। प्रारंभिक सूचना के मुताबिक पुल का एक हिस्सा अचानक भरभराकर गिर पड़ा, जिससे कंक्रीट और निर्माण सामग्री नीचे आ गिरी। मौके पर मौजूद एक श्रमिक को चोटें आईं, जिसका उपचार किया जा रहा है। घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। पुल ढहने के कारणों का पता लगाने के लिए प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है और विस्तृत जांच की प्रक्रिया जारी है। ब्रिम्बांगलो-हरंगाजाओ खंड दीमा हसाओ जिले के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि दुर्गम भू-भाग के कारण यहां लंबे समय से संपर्क व्यवस्था चुनौतीपूर्ण रही है। यह परियोजना राज्य के पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क अवसंरचना को मजबूत करने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है।

श्रीलंका की नौसेना ने पंबन से 12 मछुआरों को गिरफ्तार किया

एजेंसी (हि.स.)
रामेश्वरम

फोटोः हि.स.

श्रीलंका की नौसेना ने तमिलनाडु के 12 मछुआरों को पंबन में गिरफ्तार किया है। इससे क्षेत्र के मछुआरों में आक्रोश पैदा हो गया है। बताया गया है कि 12 मछुआरे बंदरगाह से अनुमति लेकर मछली पकड़ने समुद्र में गए थे। इन लोगों को धनुषकोडी और थलाइमन्नार बीच के पास आई श्रीलंका की नौसेना ने इनकी मोटरबोट को दबोचते हुए गिरफ्तार कर लिया। उन्हें मन्नार नौसैनिक शिविर ले जाने की योजना बनाई गई है।

कच्चतीवु उत्सव के आयोजन से पहले 12 मछुआरों की गिरफ्तारी की एआईटीयूसी मछुआरा संघ ने कड़ी निंदा की है। संघ के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष सेंथिलवेल ने बयान में कहा कि रामेश्वरम और मंडपम क्षेत्रों से मछली पकड़ने गए 12 मछुआरों को कच्चतीवु और नेदुंथीवु के पास मछली पकड़ते समय श्रीलंकाई नौसेना ने घेरकर गिरफ्तार किया है। इस गिरफ्तारी से मछुआरा गांवों में भारी आक्रोश फैल गया है।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में मछुआरों की गिरफ्तारी के मुद्दे पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने केंद्रीय विदेशमंत्री एस. जयशंकर को पत्र लिखा था। उन्होंने कहा था कि मछुआरों की गिरफ्तारियां लगातार जारी हैं और इससे तटीय क्षेत्रों में रहने वाले मछुआरा परिवारों की आजीविका प्रभावित हो रही है। तमिलनाडु और पुडुचेरी के मछुआरे जब मन्नार की खाड़ी और पाक जलडमरूमध्य क्षेत्र में मछली पकड़ते हैं, तो श्रीलंकाई नौसेना द्वारा उन्हें गिरफ्तार किया जाना आम बात हो गई है।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी का रुख, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत भी बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। हालांकि पहले 15 मिनट के कारोबार के बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इन दोनों सूचकांकों की चाल में मामूली गिरावट भी आई। इसके बावजूद दोनों सूचकांक लगातार बढ़त के साथ ही कारोबार करते रहे। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.60 प्रतिशत और निफ्टी 0.63 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। सोमवार को प्रातः 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एक्सिस बैंक, एचडीएफसी लाइफ, श्रीराम फाइनेंस, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस और कोटक महिंद्रा के शेयर 2.13 प्रतिशत से लेकर 1.51 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, ओएनजीसी, सिप्ला, इंफोसिस, टेक महिंद्रा और एटरनल के शेयर 2.21 प्रतिशत से लेकर 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

ऑटो पीएलआई योजना पर डीप-टेक स्टार्टअप इंडस्ट्री ने उठाए सवाल

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

देश की डीप-टेक कंपनियों के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) स्टार्टअप ने भारी उद्योग मंत्रालय से मांग की है कि बजट में आवंटित उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआई स्कीम) के फंड का पूरा उपयोग किया जाए। ईवी स्टार्टअप का कहना है कि पिछले साल घोषित पीएलआई स्कीम के फंड का केवल 10 प्रतिशत ही वास्तव में उपयोग किया गया, वह भी कुछ खास उद्योगों को ही इसका फायदा मिला। इस कारण उत्पादन प्रोत्साहन को बल नहीं मिला। 2026-27 के बजट में पीएलआई स्कीम के लिए 5939 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। ईवी स्टार्टअप का कहना है कि यदि इस फंड का उपयोग सही से हो जाए तो भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों और उससे जुड़े उद्योगों में जबरदस्त तेजी आ सकती है। 2026 की शुरूआती रिपोर्टों के अनुसार, ईवी स्टार्टअप के लिए पीएलआई योजनाओं के तहत धन का उपयोग काफी कम रहा। अनुमान के मुताबिक आवंटित राशि का लगभग 10 प्रतिशत ही वितरित हो सका, उसमें भी एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल (एसीसी) बैटरी के क्षेत्र में तो आवंटन लक्ष्य का केवल 2.8 प्रतिशत ही प्रोत्साहन राशि का वितरण हो सका। बजट बढ़ोतरी के बावजूद वित्त वर्ष 2026 के अंत तक पीएलआई योजना राशि का केवल 12 प्रतिशत ही उपयोग हो पाएगा। ईवी स्टार्टअप का कहना है कि केवल आवंटन बढ़ाने से इस इंडस्ट्री में तेजी नहीं आएगी। जब तक फंड का एक बड़ा हिस्सा ईवी स्टार्टअप के पास नहीं पहुंचता तब तक प्रतिस्पर्धा में भारतीय कंपनियां टिक नहीं पाएंगी।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में भी तेजी का रुख

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

ग्लोबल मार्केट से आज पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे थे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का माहौल बना हुआ था। वहीं एशियाई बाजार भी आज मजबूती के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.69 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,909.51 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 194.92 अंक यानी 0.86 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,877.65 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 324.89 अंक यानी 0.65 प्रतिशत टूट कर 49,301.08 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी बनी रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.56 प्रतिशत उछल कर 10,686.89 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 116.71 अंक यानी 1.37 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,515.49 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 217.12 अंक यानी 0.86 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,260.69 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशिया में भी आज उत्साह का माहौल बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं।

उपलब्धि

हबल स्पेस टेलीस्कोप की मदद से की खोज

नासा ने डार्क मैटर से बनी घोस्ट गैलेक्सी खोजी

एजेंसी (हि.स.)
वाशिंगटन

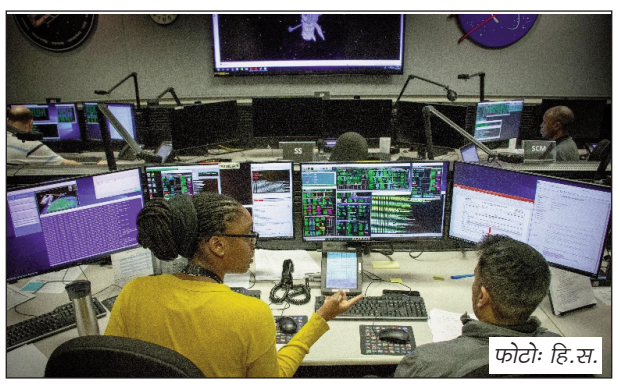
फोटोः हि.स.

अमेरिका की अंतरिक्ष अन्वेषण, वैमानिकी अनुसंधान और नागरिक अंतरिक्ष कार्यक्रमों की सरकारी एजेंसी राष्ट्रीय वैमानिकी और अंतरिक्ष प्रशासन (नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन) यानी नासा के खगोलविदों ने हबल स्पेस टेलीस्कोप की मदद से डार्क मैटर से बनी भूतिया आकाशगंगा (घोस्ट गैलेक्सी) का पता लगाया है। यह 99 प्रतिशत डार्क मैटर से बनी है।

खगोलविदों का दावा है कि यह रहस्यमयी आकाशगंगा में से एक 'सीडीजी-2' है। नासा ने इस उपलब्धि का विवरण अपनी वेबसाइट पर अपलोड किया है। इसमें कहा गया है कि हबल स्पेस टेलीस्कोप से ली गई इस तस्वीर में दिखाई गई कम सतह वाली गैलेक्सी सीडीजी-2 में डार्क मैटर ज्यादा है और इसमें तारों का बहुत कम बिखराव है। यह गैलेक्सी लगभग दिखाई नहीं देती, लेकिन एडवांस्ड स्टैटिस्टिकल टेक्नीक का इस्तेमाल करके वैज्ञानिकों ने तारों के छोटे समूह (ग्लोबुलर क्लस्टर) की खोज करके इसकी पहचान की। राष्ट्रीय वैमानिकी और अंतरिक्ष प्रशासन के अनुसार, यह पृथ्वी से करीब 300 मिलियन प्रकाश वर्ष दूर पर्सियस गैलेक्सी क्लस्टर में स्थित यह बेहद धुंधली आकाशगंगा सामान्य तारों से नहीं, बल्कि चार सघन ग्लोब्युलर क्लस्टर्स के जरिए पहचानी गई। शुरूआती आकलन बताते हैं कि सीडीजी-2 की कुल द्रव्यमान का लगभग 99 प्रतिशत हिस्सा डार्क मैटर है। नासा के अनुसार ,आमतौर पर अधिकतर आकाशगंगा अरबों तारों की चमक से दूर-दूर तक दिखाई देती हैं, लेकिन कुछ विशेष आकाशगंगा इतनी फीकी होती हैं कि उन्हें पहचानना बेहद कठिन हो जाता है। इन्हें लो-सरफेस-ब्राइटनेस गैलेक्सी कहा जाता है। इनमें तारों की संख्या बहुत कम होती है और इनका अधिकांश द्रव्यमान डार्क मैटर से बना होता है, ऐसा पदार्थ जो न प्रकाश उत्सर्जित करता है, न परावर्तित करता है और न ही अवशोषित करता है। प्रारंभिक माप बताते हैं कि सीडीजी-2 की कुल चमक लगभग 60 लाख सूर्य जैसे तारों के बराबर है। यह किसी सामान्य आकाशगंगा की तुलना में बेहद कम है। इस खोज का विवरण द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल लेटर्स में भी प्रकाशित हुआ है। उल्लेखनीय है कि हबल स्पेस टेलीस्कोप का फ्लाइट ऑपरेशंस कंट्रोल सेंटर नासा के गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर में स्थित है। यह सेंटर ग्रीनबेल्ट (मैरीलैंड) में है। यह सेंटर 24 घंटे सक्रिय रहता है। इंजीनियर, वैज्ञानिक और फ्लाइट कंट्रोलर की टीम हबल के संचालन की निगरानी करती है।

इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग को मिला 100 मिलियन डॉलर का निवेश

10 शहरों में फ्रेंचाइजी घोषित, 250 मिलियन डॉलर का आधारभूत संरचना निवेश

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) ने भारतीय गोल्फ इतिहास के सबसे बड़े निजी निवेश की घोषणा करते हुए 10 फ्रेंचाइजी साझेदारों से 100 मिलियन डॉलर की पूंजी प्रतिबद्धता हासिल की है। प्रत्येक फ्रेंचाइजी ने अगले 10 वर्षों में लगभग 10 मिलियन डॉलर निवेश करने का संकल्प लिया है।

आईजीपीएल ने हैदराबाद, मुंबई, कोलकाता, दिल्ली, चेन्नई, विशाखापत्तनम, गोवा, बेंगलुरु, पंजाब और गुरुग्राम को अधिकार प्रदान किए हैं। यह प्रारूप देश के प्रमुख महानगरों और उभरते क्षेत्रों तक पेशेवर गोल्फ को पहुंचाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। लीग संचालन के अलावा साझेदारों ने दूसरे और तीसरे श्रेणी के शहरों तथा गांवों में 8-10 एकड़ के छोटे गोल्फ मैदान विकसित करने के लिए सामूहिक रूप से 250 मिलियन डॉलर निवेश का लक्ष्य रखा है। इसका उद्देश्य गोल्फ को पारंपरिक अभिजात्य दायरे से बाहर निकालकर आम लोगों तक पहुंचाना है। आईजीपीएल अपने पहले ही वर्ष में भारत, अफ्रीका और मध्य-पूर्व सहित तीन महाद्वीपों में विस्तार की रणनीति के साथ शुरूआत करेगा। अगले तीन से चार वर्षों में पांच देशों में संचालन का लक्ष्य रखा गया है।

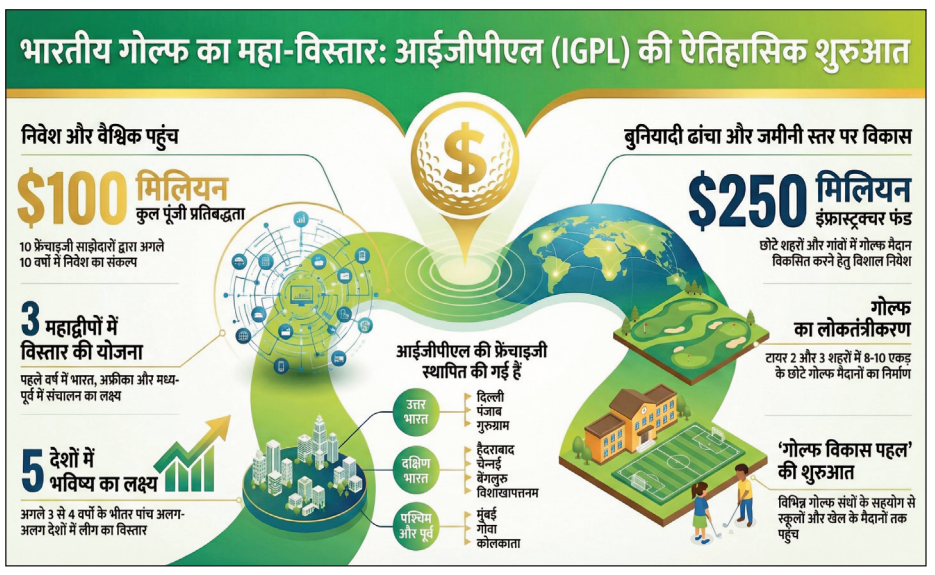

आईजीपीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी उत्तम सिंह मुंडी ने कहा कि यह पारंपरिक खेल निवेश नहीं, बल्कि खेल के माध्यम से राष्ट्र निर्माण का मंच है। उन्होंने कहा कि लीग केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि एक संपूर्ण गोल्फ तंत्र तैयार कर रही है।

आईजीपीएल ने भारतीय गोल्फ संघ, महिला गोल्फ संघ भारत, पेशेवर गोल्फर संघ भारत और गोल्फ फाउंडेशन के साथ मिलकर ह्यगोल्फ विकास पहलह्ल शुरू की है। इसके तहत विद्यालयों और खेल मैदानों में गोल्फ को पहुंचाया जाएगा। लीग प्रारूप, प्रतियोगिता कार्यक्रम और खिलाड़ियों की नीलामी से जुड़ी जानकारी जल्द घोषित की जाएगी।

अयोध्या में 'रन फॉर राम 2026' का भव्य समापन

- हजारों धावकों ने दिखाई आस्था और फिटनेस की मिसाल

एजेंसी (हि.स.)
अयोध्या

फोटोः हि.स.

धर्मनगरी अयोध्या में रविवार को 'रन फॉर राम' मैराथन 2026 का चौथा संस्करण भव्य रूप से संपन्न हुआ। राम कथा पार्क में आयोजित इस आयोजन में देश-विदेश से हजारों प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह मैराथन क्रीड़ा भारती द्वारा आयोजित की गई, जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में कार्यरत है। मैराथन की शुरूआत लता मंगेशकर चौक से हुई और इसका समापन राम कथा पार्क में हुआ। आयोजन की थीम प्राचीन 14-कोसी परिक्रमा से प्रेरित रही, जो धैर्य, अनुशासन और आंतरिक शक्ति का प्रतीक है। इस वर्ष महिला प्रतिभागियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जिसमें 100 से अधिक महिला धावकों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

क्रीड़ा भारती उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अवनीश कुमार सिंह ने कहा कि चौथे संस्करण की सफलता अत्यंत गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि सभी आयु वर्ग के लोगों की भागीदारी अयोध्या की ऊर्जा, अनुशासन और श्रीराम के मूल्यों को दर्शाती है। मैराथन में चार श्रेणियां शामिल रहीं–42 किमी फुल मैराथन, 21 किमी हाफ मैराथन, 10 किमी दौड़ और 3 किमी फन रन। प्रतियोगिता में आरएफआईडी तकनीक के माध्यम से प्रोफेशनल टाइमिंग की व्यवस्था की गई थी।

42 किमी भारतीय पुरुष वर्ग में अभिषेक सोनी ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि अंतरराष्ट्रीय वर्ग में इथियोपिया के डेस्ये एंडालेव विजेता रहे। 21 किमी पुरुष वर्ग में प्रिंस राज यादव और महिला वर्ग में सोनी देवी ने बाजी मारी। 10 किमी पुरुष वर्ग में संदीप पाल और महिला वर्ग में अंकिता विजेता रहीं। इस आयोजन में कुल 15 लाख रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की गई। विजेताओं को उनकी श्रेणी और समय के आधार पर 10 हजार रुपये से लेकर 1.25 लाख रुपये तक की राशि प्रदान की गई। कार्यक्रम में विभिन्न सहयोगी संस्थाओं का भी योगदान रहा, जिनमें उत्तर प्रदेश पर्यटन, आईएफएफसीओ, अमूल, एनबीसीसी इंडिया और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट सहित कई संस्थाएं शामिल रहीं। 'रन फॉर राम 2026' ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि यह केवल मैराथन नहीं, बल्कि आस्था, एकता और राष्ट्रीय भावना से जुड़ा एक सशक्त सांस्कृतिक और फिटनेस अभियान है।

टी20 विश्व कप में सर्वाधिक विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बने बुमराह, अश्विन का रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने सुपर-8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। यह मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया। बुमराह ने इस मैच से पहले पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के 32 विकेट के रिकॉर्ड की बराबरी करने के लिए तीन विकेट की जरूरत थी। उन्होंने चार ओवर में मात्र 15 रन देकर तीन महत्वपूर्ण विकेट झटके और अश्विन को पीछे छोड़ दिया। बुमराह ने दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक, रयान रिकेल्टन और कॉर्बिन बॉश को पवेलियन भेजकर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। इस प्रदर्शन के साथ बुमराह के टी20 वर्ल्ड कप में कुल 33 विकेट हो गए हैं। हालांकि मैच में भारत को 76 रनों की करारी हार का सामना करना पड़ा, जिससे उनके इस प्रदर्शन की चमक थोड़ी धीमी पड़ गई।

टी20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए सर्वाधिक विकेट

1. जसप्रीत बुमराह - 33 विकेट (22 पारियां)
2. अर्शदीप सिंह - 32 विकेट (18 पारियां)
3. रविचंद्रन अश्विन - 32 विकेट (24 पारियां)
4. हार्दिक पांड्या - 29 विकेट (26 पारियां)
5. रवींद्र जडेजा - 22 विकेट (29 पारियां)

अक्षर को बाहर रखने के फैसले को टेन डोइशे ने रणनीतिक बताया

अहमदाबाद। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप के सुपर आठ मुकाबले में उपकप्तान अक्षर पटेल को बाहर रखने के फैसले की काफी आलोचना हो रही है लेकिन भारतीय टीम के सहायक कोच रियान टेन डोइशे और बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा कि यह फैसला पूरी तरह से रणनीतिक कारणों से लिया गया। दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 76 रन से हराया और वॉशिंगटन सुंदर बल्ले तथा गेंद दोनों से फ्लॉप रहे जिन्हें अक्षर की जगह उतारा गया था। टेन डोइशे ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, हमने पिछले कुछ दिन में अंतिम एकादश पर काफी मंथन किया। हम मैच अप पर विचार कर रहे थे। वैसे अक्षर को उतारने का फैसला सही लग रहा था लेकिन हमें आठवें बल्लेबाज के रूप में अक्षर की जरूरत थी। यह फैसला उसी आधार पर लिया गया। उन्होंने कहा, अक्षर की नेतृत्व क्षमता और अहमियत हम सभी जानते हैं।

आसनसोल में लियोनेल मेसी की प्रतिमा का अनावरण

एजेंसी (हि.स.)
आसनसोल

फोटोः हि.स.

राज्य के श्रम विधि व न्याय मंत्री मलय घटक ने रविवार की संध्या आसनसोल में भी अर्जेंटीना के विख्यात फुटबॉलर लियोनेल मेसी की प्रतिमा का अनावरण किया। आसनसोल के मोहिशीला इलाके के निवासी और मूर्तिकार सुशांत राय ने मेसी की जीवंत मोम की प्रतिमा तैयार कर शहरवासियों को एक अनोखा तोहफा दिया है।

गौरतलब है कि 13 दिसंबर 2025 को कोलकाता के लेक टाउन स्थित श्रीभूमि स्पोर्टिंग क्लब द्वारा निर्मित 70 फुट ऊंची लोहे की प्रतिमा का अनावरण किया गया था। यह प्रतिमा मेसी को कतर 2022 विश्व कप जीत का जश्न मनाते हुए दर्शाती है। मेसी ने अपने गो एट इंडिया टूर 2025 के दौरान वर्चुअल माध्यम से इस प्रतिमा का उद्घाटन किया था। इस भव्य प्रतिमा को भारत में फुटबॉल के प्रति जुनून और मेसी के प्रति प्रशंसकों के प्यार का प्रतीक माना गया। इसी कड़ी में आसनसोल के मूर्तिकार सुशांत राय ने महज दो महीने की मेहनत से मेसी की मोम की प्रतिमा तैयार कर सबको चौंका दिया। यह प्रतिमा आकार में भले ही कोलकाता की 70 फुट ऊंची प्रतिमा से अलग हो, लेकिन बारीक कारीगरी और चेहरे के हाव-भाव की सजीवता इसे बेहद खास बनाती है। प्रतिमा को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। फुटबॉल प्रेमियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है और लोग मेसी के साथ सेल्फी लेने के लिए उत्सुक नजर आ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की पहल से आसनसोल की पहचान सांस्कृतिक और खेल प्रेमी शहर के रूप में और मजबूत होगी। वहीं आयोजकों का दावा है कि इस आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल है और बड़ी संख्या में लोग शामिल हो रहे हैं।

कुल मिलाकर, कोलकाता के बाद आसनसोल में मेसी की प्रतिमा का अनावरण फुटबॉल प्रेमियों के लिए गर्व और उत्साह का विषय बना हुआ है, और शहर में खेल के प्रति जुनून को नई ऊंचाई दे रहा है।

प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश के आरोप से लियोनेल मेसी को मिली क्लीन चिट

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) ने समीक्षा के बाद स्पष्ट किया है कि स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने किसी भी नियम का उल्लंघन नहीं किया। इंटर मियामी की सत्र की शुरूआत में मिली 0-3 की हार के बाद मैच अधिकारियों के पीछे एक दरवाजे से अंदर जाने को लेकर उन पर प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करने का आरोप लगा था। यह घटना शनिवार को एमएलएस के मुकाबले के दौरान हुई, जब इंटर मियामी सीएफ को लॉस एंजेल्स एफसी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

लीग प्रवक्ता ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि वीडियो फुटेज की समीक्षा के बाद यह पाया गया कि मेसी जिस स्थान पर गए थे, वह न तो रेफरी का ड्रेसिंग रूम था और न ही कोई प्रतिबंधित क्षेत्र। इसलिए किसी नीति का उल्लंघन नहीं हुआ। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में इंटर मियामी के खिलाड़ी लुइस सुआरेज मेसी को हाथ पकड़कर रोकने की कोशिश करते दिखे, लेकिन अर्जेंटीना के कप्तान उस दरवाजे से अंदर चले गए। कुछ क्षण बाद वे वापस बाहर भी आ गए। लीग प्रवक्ता ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कोई क्षेत्र प्रतिबंधित होता, तो वहां स्पष्ट संकेतक (साइनज) लगे होते। इस पूरे घटनाक्रम पर इंटर मियामी की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई। गौरतलब है कि गत चैंपियन इंटर मियामी ने सत्र की शुरूआत हार के साथ की। यह मुकाबला 75,673 दर्शकों की मौजूदगी में खेला गया, जो एमएलएस ओपनिंग वीकेंड के इतिहास में सबसे अधिक उपस्थिति वाला मैच रहा।

बाजार जैसा टेस्टी कांजी वड़ा घर पर बनाने का आसान तरीका

होली का त्योहार आते ही घरों में गुजिया, दही बड़े और ठंडाई की तैयारी शुरू हो जाती है। इसी के साथ एक और खास डिश है जो खासतौर पर उत्तर भारत में बहुत पसंद की जाती है, कांजी वड़ा। खट्टा-तीखा, हल्का मसालेदार और प्रोबायोटिक गुणों से भरपूर कांजी वड़ा होली की थाली को खास बना देता है। अच्छी बात यह है कि इसे दो-तीन दिन पहले से तैयार करना पड़ता है, ताकि इसका स्वाद पूरी तरह निखर आए। अगर आप चाहते हैं कि इस होली मेहमान आपके खाने की तारीफ करते न थकें, तो कांजी वड़ा जरूर बनाएं। बस याद रखें कि इसे दो-तीन दिन पहले तैयार करना है। इस बार होली मे अपने मेहमानों को कुछ अलग परोसने के लिए ये स्नैक्स परफेक्ट हैं, जिसे बनाना भी आसान है। अभी से कांजी वड़ा की रेसिपी सेव करके रख लें।

कांजी वड़ा क्या है

कांजी वड़ा एक पारंपरिक उत्तर भारतीय डिश है जिसमें उड़द दाल के वड़े खट्टी-तीखी राई वाली फर्मेंटेड पानी (कांजी) में डाले जाते हैं। 2-3 दिन की धूप में रखने के बाद इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है।

कांजी वड़ा के फायदे

पाचन के लिए फायदेमंद, प्राकृतिक प्रोबायोटिक, हल्का और हेल्दी, त्योहार के भारी खाने के बीच संतुलन बनाए

होली पर कांजी वड़ा क्यों खास है

होली का त्योहार रंगों के साथ स्वाद का भी उत्सव है। जैसे होली पर गुजिया और ठंडाई का महत्व है, वैसे ही कांजी वड़ा भी कई घरों की पारंपरिक पहचान है। यह डिश त्योहार के भारी और मीठे पकवानों के बीच एक हल्का, खट्टा और ताजगीभरा विकल्प देती है।

सामग्री

- 4- 5 गिलास उबला और ठंडा किया हुआ पानी
- 2 बड़े चम्मच काली राई (दरदरी पीसी हुई)
- 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- आधा छोटा चम्मच हल्दी
- स्वादानुसार नमक
- चुटकीभर हींग
- 1 कप धुली उड़द दाल
- स्वादानुसार नमक
- तलने के लिए तेल

विधि

- स्टेप 1- दो-तीन दिन पहले कांजी तैयार करें
- इसके लिए एक साफ कांच या चीनी मिट्टी के बर्तन में पानी डालें।
- इसमें पिसी राई, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी, नमक और हींग डालें।
- अच्छे से मिलाकर ढक दें।
- इसे दो-तीन दिन धूप में रखें।
- दिन में एक बार साफ चम्मच से हिलाते रहें।
- नोट- जब पानी में हल्की खटास आ जाए, तो कांजी तैयार है।

स्टेप 2

- उड़द दाल को 5-6 घंटे भिगो दें।
- पानी निकालकर बारीक पीस लें।
- मिश्रण को 5-7 मिनट अच्छी तरह फेंटें ताकि वड़े मुलायम बनें।
- गरम तेल में छोटे-छोटे वड़े तल लें।
- तले हुए वड़ों को गुनगुने पानी में 10 मिनट डालें, फिर हल्का निचोड़ लें।

स्टेप 3

- तैयार वड़ों को कांजी में डाल दें।
- एक दिन के लिए फिर से ढककर रख दें।
- अब आपका स्वादिष्ट कांजी वड़ा सर्व करने के लिए तैयार है।

बनाने के टिप्स

- हमेशा साफ और सूखा बर्तन इस्तेमाल करें।
- अगर मौसम ठंडा है, तो 3-4 दिन लग सकते हैं।
- धूप अच्छी मिले तो स्वाद बेहतर आता है।
- ज्यादा खट्टा पसंद हो तो 1 दिन और फर्मेंट होने दें।

पुआ हो जाते हैं पत्थर जैसे टाइट तो नोट करें ये रेसिपी, बनेंगे एकदम सॉफ्ट-सॉफ्ट

होली का त्योहार सिर्फ रंगों का ही नहीं, बल्कि इस त्योहार में स्वादिष्ट पकवानों की भी खास जगह होती है। इस खास मौके पर घर-घर में गुजिया, दही भल्ले और मालपुआ के साथ पारंपरिक पुआ जरूर बनाया जाता है। उत्तर भारत के कई राज्यों में होली के दिन पुआ बनाना शुभ माना जाता है। दादी-नानी के समय से चली आ रही इस रेसिपी में न तो ज्यादा सामग्री लगती है और न ही ज्यादा समय, लेकिन स्वाद ऐसा कि हर कोई उंगलियां चाटता रह जाए। खास बात यह है कि यह रेसिपी पूरी तरह देसी अंदाज में बनती है, जिसमें सौंफ, इलायची और गुड़ या चीनी की मिठास का बेहतरीन मेल होता है। अगर आप भी इस होली पर पारंपरिक स्वाद का आनंद लेना चाहते हैं, तो इस आसान और क्लासिक पुआ रेसिपी को जरूर ट्राई करें।

पुआ बनाने की सामग्री

- 1 कप गेहूं का आटा
- ½ कप सूजी (ऑप्शनल, कुरकुरापन के लिए)
- ¾ कप गुड़ (या 1 कप चीनी)
- 1 कप दूध
- 2-3 छोटी इलायची पाउडर
- 1 छोटा चम्मच सौंफ
- 1-2 चम्मच कसा हुआ नारियल (ऑप्शनल)
- घी या तेल तलने के लिए

विधि होली के खास मौके पर दादी-नानी स्टाइल पुआ बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में गुनगुना दूध लें और उसमें गुड़ को अच्छी तरह घोल लें। ध्यान रखें कि गुड़ पूरी तरह पिघल जाए और उसमें कोई दाने न रहें। अब इसमें गेहूं का आटा (या मैदा) और थोड़ा सा सूजी मिलाएं। मिश्रण को अच्छे से फेंटें ताकि बैटर में गांठ न पड़े। बैटर न ज्यादा पतला हो और न ज्यादा गाढ़ा–इसकी कंसिस्टेंसी पकोड़े के घोल जैसी होनी चाहिए। अब इसमें सौंफ और इलायची पाउडर डालें, चाहें तो स्वाद बढ़ाने के लिए थोड़ा कसा हुआ नारियल भी मिला सकते हैं। घोल को 10-15 मिनट ढककर रख दें, ताकि सूजी फूल जाए और स्वाद अच्छी तरह मिल जाए। अब कढ़ाही में घी गरम करें। जब घी मध्यम गरम हो जाए तो एक करछी भरकर घोल को धीरे-धीरे कढ़ाही में गोल आकार में डालें। पुआ अपने आप फैल जाएगा। इसे मध्यम आंच पर दोनों तरफ से सुनहरा और हल्का कुरकुरा होने तक तलें। तैयार पुआ को टिश्यू पेपर पर निकालें ताकि अतिरिक्त घी निकल जाए। गरमागरम पुआ को ठंडाई, दही या रबड़ी के साथ परोसें और त्योहार का आनंद लें।

चावल की कचरी बनाने का सबसे सरल तरीका

होली का त्योहार रंगों, खुशियों और स्वादिष्ट पकवानों का प्रतीक है। इस समय घरों में खासतौर पर पापड़, गुजिया और अन्य मिठाइयां बनती हैं। अगर आप कुछ अलग और टेस्टी बनाने का मन बना रही हैं, तो चावल की कचरी एक बेहतरीन विकल्प हो सकती है। ये न केवल स्वाद में लाजवाब होती है, बल्कि इसे घर में आसानी से तैयार भी किया जा सकता है। खास बात यह है कि अगर इसे सही तरीके से बनाया जाए, तो यह सालभर ताजगी से बनी रहती है। चावल की कचरी का स्वाद बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को बहुत भाता है। तो आइए, जानते हैं इसे बनाने की सरल विधि, जिससे आप भी इस होली पर एक नया स्वाद पा सकें।

सामान

- चावल - 1 कटोरी
- पानी - 2 कटोरी
- स्वादानुसार नमक
- तलने के लिए तेल
- काली मिर्च - 1/2 छोटा चम्मच
- घी - 1 बड़ा चम्मच

विधि चावल की कचरी बनाने के लिए सबसे पहले 1 कटोरी चावल को अच्छे से धोकर 2 कटोरी पानी में डालकर कुकर में डालें। फिर उसमें स्वादानुसार नमक, काली मिर्च पाउडर और 1 बड़ा चम्मच घी डालें। इन सब चीजों को अच्छे से मिला लें और कुकर का ढक्कन बंद करके 3-4 सीटी आने तक उबालने के लिए रख दें। अब चावल को हल्का गीला रखें ताकि कचरी नरम बने और पकने के बाद आसानी से मैश किया जा सके। जब कुकर का प्रेशर निकल जाए, तब ढक्कन खोलकर चावलों को अच्छे से मैश कर लें। मैश किए हुए चावलों को अब पाइपिंग बैग में डालें, ताकि आप इसे ठीक से शेप दे सकें। इसके लिए एक साफ पॉलीथीन बिछा लें और पाइपिंग बैग की मदद से पॉलीथीन पर लम्बी-लम्बी या गोल आकार की कचरी बना लें। आप इन्हें अपनी पसंद के आकार में बना सकती हैं। अब इन कचरी को 1-2 दिन तक धूप में सुखा लें, ताकि ये पूरी तरह से सूख जाएं। जब कचरी पूरी तरह से सूख जाए, तो इन्हें तला जा सकता है। एक कढ़ाई में तेल गरम करें और कचरी को सुनहरा और क्रिस्पी होने तक तलें। तलने के बाद, कचरी को किचन टॉवल पर रखें ताकि अतिरिक्त तेल निकल जाए। ये कचरी चाय, दही या अपनी पसंदीदा चटनी के साथ सर्व की जा सकती है। ये कुरकुरी, स्वादिष्ट और ताजगी से भरपूर होती है। आप इसे सालभर तक सुरक्षित रख सकती हैं, क्योंकि यह लंबे समय तक ताजगी बनी रहती है। होली जैसे त्योहारों पर यह एक बेहतरीन स्नैक बन सकती है, और घर के सभी सदस्य इसे चाव से खाएंगे।

हरियाणा के युवा हर क्षेत्र में प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं: भारत भूषण भारती

भारत भूषण भारती ने 153 किलोमीटर ट्रैकिंग पूरी करने वाले विद्यार्थियों को दी बधाई, युवाओं की क्षमता को सराहा

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय (एमडीयू) के विद्यार्थियों ने नेचर कैंप थपली में आयोजित दो दिवसीय ट्रैकिंग एवं शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह विशेष भ्रमण हरियाणा सरकार के युवा कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया गया।

इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री के ओएसडी भारत भूषण भारती ने विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। उन्होंने सात दिनों में 153 किलोमीटर की ट्रैकिंग सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके साहस, अनुशासन एवं दृढ़ संकल्प की सराहना की। उन्होंने कहा कि हरियाणा के युवाओं में किसी भी कार्य को करने की अपार क्षमता है तथा प्रदेश सरकार युवाओं के सर्वांगीण विकास और उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार के साहसिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रम युवाओं में नेतृत्व क्षमता, टीम भावना तथा आत्मविश्वास को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारत भूषण भारती ने विद्यार्थियों को जीवन में अनुशासन, लक्ष्य निर्धारण और सकारात्मक सोच अपनाने का संदेश देते हुए कहा कि राज्य सरकार युवाओं को खेल, शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि वे प्रदेश और देश का नाम रोशन कर सकें।

युवा कल्याण संयोजक नरेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दो दिवसीय विशेष यात्रा का उद्देश्य विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को प्रकृति के निकट लाना, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना तथा जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर ज्ञानवर्धन करना है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी प्राकृतिक संसाधनों के महत्व को समझते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पहचान रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान डिप्टी रेंजर विजय नेहरा ने विद्यार्थियों को जलवायु परिवर्तन विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के कारणों, इसके दुष्प्रभावों तथा इससे निपटने के उपायों पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों ने व्याख्यान में गहरी रुचि दिखाई और विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से विषय की गहन जानकारी प्राप्त की।

विद्यार्थियों ने ट्रैकिंग के साथ-साथ प्राकृतिक वातावरण का अवलोकन किया तथा जैव विविधता के संरक्षण के महत्व को समझा। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना और उन्हें सतत विकास के लिए प्रेरित करना रहा।

चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय (सीबीएलयू), भिवानी के विद्यार्थी नेचर कैंप थपली का अवलोकन करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थी ट्रैकिंग गतिविधियों में भाग लेंगे। विद्यार्थी प्राकृतिक परिवेश में रहकर पर्यावरण संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त करेंगे तथा प्रकृति के विविध आयामों को निकट से समझेंगे।

उपायुक्त ने समाधान शिविर में सुनी समस्याएं, प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के दिए निर्देश

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

- एसडीएम पंचकूला को अभयपुर के लोगों के वोट कटने को लेकर जांच के दिए निर्देश
- डीसी ने जिलावासियों से समाधान शिविर में आकर अपनी समस्याओं का जल्द समाधान करवाने की करी अपील

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने सैक्टर-21 निवासियों की खाली पडे प्लॉटों में उगे झाड़ों की सफाई की मांग पर तुरंत संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारी को तुरंत सफाई करवाने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने अभयपुर में लोगों के वोट कटने की नगर निगम के एमसी की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए एसडीएम पंचकूला को मामले की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उपायुक्त लघु सचिवालय के सभागार में आज हरियाणा सरकार द्वारा निर्देशित समाधान शिविर में जिलावासियों की समस्याएं सुन रहे थे। उन्होंने 8 जिलावासियों की अलग-अलग समस्याएं सुनी कुछ का मौके पर ही निवारण किया बाकि समस्याओं का संबंधित अधिकारी को प्राथमिकता के आधार पर निदान करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर में आई शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर बिना विलम्ब किए समाधान करें ताकि जिलावासियों को समय पर सुविधाओं व योजनाओं का लाभ मिल सके व उनकी समस्याओं का समाधान हो सके। उपायुक्त ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की मंशा है कि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अलग अलग कार्यालयों में न जाना पडे। इसी सोच के अनुरूप मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार हर कार्यदिवस के दिन लघु सचिवालय के सभागार में सोमवार व वीरवार को प्रात 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविर का आयोजन किया जाता है जंहा सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहते हैं। मुख्यमंत्री वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुडकर लोगों से बातचीत करते हैं और उनकी समस्याओं पर की गई कारवाई का फीडबैक लेते हैं। इस अवसर पर नगराधीश जागृति, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी विशाल पराशर, जिला बागवानी अधिकारी अशोक कौशिक, तहसीदार सुरेश, सहायक मृदा संरक्षण अधिकारी राहुल बरकोदिया, सीएम विंडो के एमिनेंट पर्सन सत्यवान भारद्वाज, विपिन लिड्डू सहित जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, लोक निर्माण विभाग, एचएसवीपी, पीएमडीए, पुलिस, स्वास्थ्य और अन्य विभागों के संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

होमी भाभा कैंसर अस्पताल में खेलों के जरिए बढ़ा तालमेल

सिटी दर्पण संवाददाता
न्यू चंडीगढ़

होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र पंजाब द्वारा आयोजित सालाना खेल महोत्सव 'मेटाप्लेजिया 2026' का रविवार को बड़े उत्साह के साथ समापन हुआ। 16 फरवरी से शुरू हुए इस हफ्ते भर के आयोजन में न्यू चंडीगढ़ और संगरूर, दोनों यूनिट्स के फैकल्टी मेंबर्स, रेजिडेंट डॉक्टर्स, नर्सिंग ऑफिसर्स और बाकी स्टाफ ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इस समापन समारोह में चंडीगढ़ ठटक्टर की डायरेक्टर डॉ. ज्योत्स्ना सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। साथ ही, उत्साह फाउंडेशन के उएड श्री संजीव शर्मा भी विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. आशीष गुलिया ने इस मौके पर कहा कि खेलों का मकसद सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि संस्थान में एकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा, खेल भावना और टीम वर्क एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। जिस तरह मरीजों के इलाज में तालमेल और भरोसे की जरूरत होती है, वैसे ही खेल भी हमें साथ मिलकर काम करना सिखाते हैं।

मुख्य अतिथि डॉ. ज्योत्स्ना सिंह ने अस्पताल की तारीफ करते हुए कहा कि पढ़ाई और काम के साथ-साथ सेहत और खेलों को बढ़ावा देना काबिल-ए-तारीफ है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से प्रोफेशनल्स न केवल कुशल बनते हैं, बल्कि वे अनुशासन और टीम के साथ चलना भी सीखते हैं।

'मेटाप्लेजिया 2026' में शतरंज, कैरम, पुश-अप्स और बेंच प्रेस जैसे इंडोर गेम्स से लेकर रेस (100 मीटर से 1000 मीटर), स्लो साइकिलिंग, स्पून रेस, बैडमिंटन, फुटबॉल और क्रिकेट जैसे कई मुकाबले हुए। आपको बता दें कि पंजाब और आसपास के राज्यों को बेहतरीन कैंसर इलाज देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगस्त 2022 में इस अस्पताल को राष्ट्र को समर्पित किया था। टाटा मेमोरियल सेंटर द्वारा करीब 660 करोड़ की लागत से बना यह 300 बेड वाला अस्पताल हर आधुनिक सुविधा (जैसे सर्जरी, रेडियोथेरेपी, कीमोथेरेपी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट) से लैस है। यह अस्पताल एक मुख्य केंद्र की तरह काम करता है, जबकि संगरूर वाला 150 बेड का अस्पताल इसकी एक शाखा के रूप में मरीजों की सेवा कर रहा है।

एसडी कॉलेज में एआर-वीआर पर टेक्निकल लेक्चर आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस विभाग की ओर से पीएम-उषा योजना के तहत ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) और वर्चुअल रियलिटी (वीआर) पर एक टेक्निकल लेक्चर का आयोजन किया। इस लेक्चर का उद्देश्य विद्यार्थियों को उभरती हुई इमर्सिव तकनीकों से परिचित कराना तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग और अनुसंधान के क्षेत्र में उनके वास्तविक जीवन में उपयोगों के बारे में जानकारी प्रदान करना था। इस सत्र के रिसोर्स पर्सन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (एनआईईएलआईटी) के डिप्टी डायरेक्टर (सिस्टम्स) डॉ. सरवण सिंह थे, जिन्होंने एक ज्ञानवर्धक एवं तकनीकी रूप से समृद्ध लेक्चर प्रस्तुत किया। उन्होंने एआर और वीआर के मूल सिद्धांतों, नई तकनीकी प्रगति और दवा, रक्षा तथा गेमिंग जैसे क्षेत्रों में इनके उपयोग के बारे में सरल तरीके से जानकारी दी। साथ ही, इस क्षेत्र में भविष्य के रुझानों और करियर के अवसरों पर भी विस्तार से बताया। सत्र काफी रोचक और इंटरैक्टिव रहा, जिसमें छात्रों ने सवाल पूछकर और चर्चा में भाग लेकर सक्रिय सहभागिता दिखाई। यह इवेंट कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। उन्होंने इस तरह के तकनीक से जुड़े शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विभाग की सराहना की और कहा कि नई तकनीकों की जानकारी छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करने में मदद करती है।

विभागाध्यक्ष डॉ.रीना ने आधुनिक कंप्यूटिंग शिक्षा में एआर और वीआर की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और छात्रों को इस क्षेत्र में शोध एवं नवाचार के लिए प्रेरित किया। लेक्चर का सफल समन्वय डॉ. शैलजा अग्निहोत्री और ओजस्वी आनंद द्वारा किया गया, जिससे कार्यक्रम का संचालन सुचारू रूप से सुनिश्चित हुआ। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें संसाधन व्यक्ति एवं सभी गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया। यह कार्यक्रम पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों के लिए अत्यंत उपयोगी और ज्ञानवर्धक साबित हुआ। यह उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से शैक्षणिक एवं कौशल आधारित पहलों को बढ़ावा देने वाली पीएम-उषा योजना के लक्ष्यों के अनुरूप रहा।

संक्षिप्त-समाचार

रेखा शर्मा ने पंचकूला में की जनसुनवाई

पंचकूला। श्रीमती रेखा शर्मा, राज्यसभा सांसद, ने पंचकूला लघु सचिवालय में स्थित अपने कार्यालय में जनसुनवाई की। इस दौरान विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि, गांवों के सरपंच, स्थानीय जनप्रतिनिधि और क्षेत्र के नागरिक उनसे मिलने पहुंचे। जनसुनवाई में पंचायत विभाग, लोक निर्माण विभाग (ढहऊ), पुलिस और होमगार्ड विभाग से जुड़ी समस्याओं और शिकायतों को विस्तार से सुना गया। श्रीमती रेखा शर्मा ने सभी की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और भरोसा दिलाया कि संबंधित विभागों के अधिकारियों से बात कर समस्याओं का जल्द और प्रभावी समाधान कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा करना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है और हर नागरिक की समस्या का समाधान करना उनकी प्रतिबद्धता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनसहभागिता और निरंतर संवाद के माध्यम से क्षेत्र के विकास को और गति मिलेगी।

एसडीएम (पूर्व) द्वारा विशेष निस्तारण न्यायालय आयोजित

चंडीगढ़। समयबद्ध न्याय सुनिश्चित करने तथा उत्तरदायी प्रशासन को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक विशेष पहल के तहत उप-मंडल दंडाधिकारी (पूर्व), चंडीगढ़ द्वारा कल एक विशेष निस्तारण न्यायालय का आयोजन किया जाएगा, जिसमें अंतिम निर्णय हेतु परिपक्व मामलों का बड़े स्तर पर निपटारा किया जाएगा। सुनियोजित समीक्षा एवं मामलों के पृथक्करण के उपरांत 126 मामलों को अंतिम आदेश हेतु पूर्णतः परिपक्व पाया गया है। इन मामलों की सुनवाई कर उसी दिन निस्तारण किया जाएगा तथा आदेशों की प्रमाणित प्रतियां संबंधित पक्षों को तत्काल उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अतिरिक्त लगभग 150 ऐसे मामले, जिनमें पूर्व में विशिष्ट निर्देश जारी किए गए थे, अनुपालन सत्यापन हेतु सूचीबद्ध किए गए हैं। निर्धारित निदेर्शों के अनुपालन की पुष्टि होने पर इन मामलों का भी कार्यवाही के दौरान अंतिम निपटारा किया जाएगा। इस श्रेणी में केवल वे ही मामले शामिल किए गए हैं जिनमें लंबित अनुपालन मामूली प्रकृति के हैं तथा जिनका तत्काल सत्यापन संभव है। न्यायालय पारदर्शिता एवं सुगमता सुनिश्चित करने के लिए खुली सुनवाई प्रारूप में कार्य करेगा। जिन वादियों के मामले अंतिम चरण में हैं, वे प्रातः 11:00 बजे न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रख सकते हैं। विधिसम्मत मामलों का निस्तारण उसी दिन किया जाएगा। यह पहल उप-मंडल स्तर पर लंबित मामलों को कम करने तथा अर्ध-न्यायिक कार्यप्रणाली की दक्षता बढ़ाने के साथ-साथ नागरिकों को समयबद्ध राहत प्रदान करने के उद्देश्य से की जा रही है।

जूही जलोटा ने क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, चंडीगढ़ में उप पासपोर्ट अधिकारी एवं कार्यालय प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला

चंडीगढ़। श्रीमती जूही जलोटा, भारतीय विदेश सेवा (2018 बैच) की अधिकारी, ने आज क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, चंडीगढ़ में उप पासपोर्ट अधिकारी एवं कार्यालय प्रमुख के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने निवर्तमान क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी श्रीमती प्रियंका मेहतानी, भारतीय विदेश सेवा (2015 बैच) का स्थान ग्रहण किया है तथा वे क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, चंडीगढ़ के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत चंडीगढ़ तथा पंजाब और हरियाणा के कुछ भागों में पासपोर्ट सेवाओं की देखरेख करेंगी। श्रीमती जलोटा ने मैड्रिड, स्पेन तथा ब्यूनस आयर्स, अर्जेंटीना स्थित भारतीय मिशनों में तथा विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली में विभिन्न पदों पर कार्य किया है।

आपदा प्रबंधन में दक्षता की ओर बढ़ते युवा: युवा आपदा मित्र प्रशिक्षण का सफल समापन

पंचकूला। संयुक्त प्रशिक्षण संस्थान, गृह रक्षी एवं नागरिक सुरक्षा, पंचकूला में 16 से 22 फरवरी तक आयोजित केंद्र प्रायोजित ह्ययुवा आपदा मित्रह्ण योजना के तहत राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों का सात दिवसीय गहन आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को समुदाय स्तर पर सक्षम प्रथम प्रत्युत्तरकर्ता के रूप में तैयार करना था, ताकि वे बाढ़, आग, भूकंप जैसी प्राकृतिक अथवा मानवजनित आपदाओं में त्वरित एवं प्रभावी राहत एवं बचाव कार्य कर सकें। समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्री चंद्रकांत कटारिया, एसडीएम, पंचकूला उपस्थित रहे। इस अवसर पर अंजु राणा, परियोजना अधिकारी (आपदा प्रबंधन), उपायुक्त कार्यालय, पंचकूला तथा डॉ. शैलजा छाबड़ा, प्राचार्या, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सेक्टर-1 पंचकूला विशिष्ट रूप से उपस्थित रहीं।एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनिल कुमार पांडे सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। लगभग 100 एनएसएस स्वयंसेवकों ने प्रशिक्षण में भाग लिया। प्रशिक्षण पूर्ण करने पर स्वयंसेवकों को राज्य स्तरीय प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए तथा उन्हें इमरजेंसी रिस्पॉन्डर किट (एफ्ङ) दी जाएगी, जिसमें राहत एवं बचाव कार्य हेतु आवश्यक सुरक्षा उपकरण एवं सामग्री शामिल है।

एनएचपीसी द्वारा वसंत उत्सव 2026 का आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

वसंत उत्सव के दौरान श्री भूपेन्द्र गुप्ता, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी, श्रीमती शिखा गुप्ता, अध्यक्षा, एनएचपीसी महिला कल्याण समिति। इस अवसर पर श्री उत्तम लाल, निदेशक (कार्मिक), श्री संजय कुमार सिंह, निदेशक (परियोजनाएं), श्री सुप्रकाश अधिकारी, निदेशक (तकनीकी) तथा एनएचपीसी महिला कल्याण समिति की सदस्याएं श्रीमती मोना लाल, श्रीमती गरिमा सिंह तथा श्रीमती सोमा अधिकारी भी उपस्थित थीं।

एनएचपीसी, भारत की 100 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी द्वारा दिनांक 22.02.2026 को एनएचपीसी आवासीय परिसर, फरीदाबाद में ह्यवसंत उत्सव 2026ह्ण बड़े धूम-धाम से मनाया गया। उत्सव का उद्घाटन श्री भूपेन्द्र गुप्ता, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी तथा श्रीमती शिखा गुप्ता, अध्यक्षा, एनएचपीसी महिला कल्याण समिति द्वारा किया गया। एनएचपीसी द्वारा वसंत ऋतु के दौरान भारतीय संस्कृति की समृद्धि और विविधता को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से वसंत उत्सव मनाया जाता है।

कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते हुए अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक महोदय ने उपस्थितजनों को शुभकामनाएं दी तथा और कहा कि वसंत ऋतु हमारे जीवन में नई ऊर्जा, नई उमंग और नई आशा का संचार करती है। सर्दियों की ठिठुरन के पश्चात जब मौसम सुहावना हो जाता है, खेतों में फसलें लहलहाने लगती हैं, वृक्षों पर नई कोपलें फूटती हैं और चारों ओर रंग-बिरंगे फूल खिल उठते हैं, तब प्रकृति हमें यह संदेश देती है कि परिवर्तन ही जीवन का आधार है और प्रत्येक ठहराव के बाद आगे बढ़ना ही प्रगति का मार्ग है। अपने सम्बोधन में श्री गुप्ता ने एनएचपीसी की निमार्णाधीन परियोजनाओं तथा भविष्य की योजनाओं के बारे में भी उल्लेख किया और कहा कि पिछला वर्ष एनएचपीसी के लिए उपलब्धियों और बदलाव का वर्ष रहा है। हमने न केवल अपने लक्ष्यों को पूरा किया है, बल्कि कई मामलों में उससे आगे बढ़कर उत्कृष्ट प्रदर्शन भी किया है।

इस अवसर पर श्री उत्तम लाल, निदेशक (कार्मिक), श्री संजय कुमार सिंह, निदेशक (परियोजनाएं), श्री सुप्रकाश अधिकारी, निदेशक (तकनीकी) तथा एनएचपीसी महिला कल्याण समिति की सदस्याएं श्रीमती मोना लाल, श्रीमती गरिमा सिंह तथा श्रीमती सोमा अधिकारी भी उपस्थित थीं। इस उत्सव में मथुरा के स्थानीय कलाकारों द्वारा लोकगीत-संगीत तथा लोक नृत्य का प्रदर्शन किया गया जिनकी शानदार प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस उत्सव में जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, असम आदि विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के स्थानीय हस्तशिल्प उत्पादों को बढ़ावा देने हेतु एनएचपीसी पावर स्टेशनों/परियोजनाएं/क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा स्टाल भी लगाए गए थे।

चंडीगढ़ में स्टेट हायर एजुकेशन काउंसिल का गठन, डॉ. अजय शर्मा और प्रो. रजत संधीर बने सदस्य

चंडीगढ़। केंद्र सरकार की रूसा/पीएम-उषा योजना के तहत चंडीगढ़ में उच्च शिक्षा के समग्र विकास के उद्देश्य से स्टेट हायर एजुकेशन काउंसिल का गठन किया गया है। काउंसिल यूटी के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया की अध्यक्षता में कार्य करेगी और और शहर में उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच बेहतर तालमेल, संसाधनों के साझा उपयोग तथा शैक्षणिक सुधारों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। काउंसिल में यूटी प्रशासन के मुख्य सचिव एच. राजेश प्रसाद को वाइस-चेयरमैन तथा यूटी प्रशासन की शिक्षा सचिव प्रेरणा पुरी को सदस्य सचिव बनाया गया है, जबकि उच्च शिक्षा निदेशक, चंडीगढ़ प्रशासन स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर के रूप में शामिल हैं। काउंसिल में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ यूनिवर्सिटीज, कॉलेजों, इंडस्ट्री, संस्कृति, साइंस एंड टेक्नोलॉजी सहित विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को शामिल किया गया है। काउंसिल में पंजाब यूनिवर्सिटी, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज, यूआईईटी पंजाब यूनिवर्सिटी, एमिटी यूनिवर्सिटी, मोहाली तथा चंडीगढ़ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी जैसे प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों को भी स्थान दिया गया है। काउंसिल में स्टेट यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर्स के रूप में पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ की वीसी प्रो. रेनू विग, एलपीयू, जालंधर के वीसी प्रो. जसपाल सिंह संधू तथा गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर के वीसी प्रो. कर्मजीत सिंह को शामिल किया गया है। वहीं, एफिलेटेड कॉलेजों का प्रतिनिधित्व जीजीडीएसडी कॉलेज, सेक्टर-32 के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा तथा गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ एजुकेशन, सेक्टर-20 की प्रिंसिपल डॉ.सपना नंदा करेंगे। आर्ट्स एंड कामर्स क्षेत्र से उच्च शिक्षा विभाग के राज्य नोडल अधिकारी (एनईपी 2020) एवं राज्य नोडल अधिकारी (एआईएसएचई) को काउंसिल में स्थान दिया गया है। साइंस क्षेत्र में पंजाब यूनिवर्सिटी के रूसा कोआर्डिनेटर प्रो. गंगा राम चौधरी तथा प्रो. रजत संधीर सदस्य बनाए गए हैं। टेक्नोलॉजी क्षेत्र से पेक के प्रो. संजय बातिश, यूआईईटी के प्रो. नवीन अग्रवाल तथा डॉ. धरिंदर तायल को शामिल किया गया है। संस्कृति क्षेत्र में पूर्व आईएएस काशिश मित्तल एवं डॉ. कुलदीप चंद अग्निहोत्री को स्थान दिया गया है, जबकि सिविल सोसायटी का प्रतिनिधित्व जनरल (सेवानिवृत्त) केज. सिंह, उर्वशी गुलाटी (पूर्व आईएएस) तथा समाजसेवी जगमोहन गर्ग कर रहे हैं।

प्रतिनिधिमंडल ने पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ (यूटी) के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया से शिष्टाचार भेंट की

राजस्थान के पत्रकार प्रतिनिधिमंडल ने चंड़ीगढ़, पंजाब-हरियाणा में केंद्र की संचालित योजनओं की प्रगति का किया अवलोकन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), जयपुर द्वारा राजस्थान राज्य के वरिष्ठ संपादकों एवं रिपोर्टरों के पत्रकार दल ने इस दौरे के दौरान पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ (यूटी) के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान प्रेस दौरे के उद्देश्य के बारे में विस्तार से चर्चा की गई।

प्रेस दौरे के अंतिम दिन दल ने चंड़ीगढ़ परिवहन विभाग में ढटी-इ४२ रीद्द योजना के बारे में जानकारी प्राप्त की।इस अवसर पर परिवहन विभाग के चीफ आप्रेशनल मैनेजर श्री यशजीत गुप्ता ने बताया कि भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा चंडीगढ़ शहर के लिए कुल 428 बसों को स्वीकृति प्रदान की गई। वर्तमान में शहर में 80 इलेक्ट्रिक बसें संचालित हो रही थीं। 25 नई बसों के शामिल होने से यह संख्या बढ़कर 105 हो गई है।

उन्होंने ने बताया कि नई शामिल की गई 12 मीटर लंबी लो-फ्लोर, वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसें एक बार चार्ज होने पर लगभग 224 किलोमीटर तक चलने में सक्षम हैं। इनमें 400 मिमी लो-फ्लोर सुविधा, दिव्यांगजन यात्रियों के लिए पावर ऑपरेटेड रैंप एवं अन्य अत्यआधुनिक सुविधा, 36 यात्रियों के बैठने तथा 20 यात्रियों के खड़े होने की क्षमता, व्हीलचेयर के लिए विशेष स्थान, एयर सस्पेंशन, फ्रंट डिस्क ब्रेक, यात्री सूचना डिस्प्ले तथा वॉयस-आधारित अगला स्टॉप घोषणा प्रणाली जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

उन्होंने बताया कि सुरक्षा एवं निगरानी की दृष्टि से बसों में सीसीटीवी कैमरे (यात्री क्षेत्र, चालक व्यवहार, रिवर्स एवं डैशबोर्ड दृश्य सहित), अक्र-140 मानक के अनुरूप जीपीएस डिवाइस, स्टेट ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी के कमांड कंट्रोल सेंटर से जुड़े पैनिक बटन तथा यात्रियों की सुविधा हेतु स्टॉप रिक्वेस्ट बटन लगाए गए हैं। श्री गुप्ता ने कहा कि चंडीगढ़ प्रशासन वर्ष 2027-28 तक ट्राईसिटी क्षेत्र में संचालित सभी डीजल बसों को इलेक्ट्रिक बसों से प्रतिस्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके अतिरिक्त 70 और बसें बेड़े में शामिल की जाएंगी। इस प्रकार कुल इलेक्ट्रिक बसों की संख्या 508 तक पहुंच जाएगी, जिससे कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आएगी, शहरी परिवहन व्यवस्था सुदृढ़ होगी तथा नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार होगा।

चंडीगढ़ सिटी बस सर्विसेज सोसाइटी चंड़ीगढ़ ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग के अंतर्गत, भारत सरकार की पीएम ई-बस सेवा (ढटी-इ४२ रीद्द) पहल के तहत इलेक्ट्रिक बसों का संचालन कर रही है। इन बसों का शुभारंभ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 14 फरवरी, 2026 को किया गया, जिसके साथ शहर में पहले चरण की इलेक्ट्रिक बसों की शुरूआत हुई।

श्री गुप्ता ने बताया कि फ्लीट अवलोकन के अंतर्गत वर्तमान में 25 इलेक्ट्रिक बसें चंडीगढ़ में शामिल की गई हैं। शेष 100 बसें वर्ष 2026 के दौरान चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध कराई जाएंगी। बसें भारत में डिजाइन एवं निर्मित हैं। इंट्रा-सिटी (शहरी) सार्वजनिक परिवहन के लिए कॉनफि गर की गईं।

उन्होंने बताया कि चार्जिंग एवं अवसंरचना -- डिपो आधारित उउर2 फास्ट चार्जिंग सिस्टम स्थापित किया गया है। रात्रिकालीन निर्धारित चार्जिंग व्यवस्था, लगभग 2झ3 घंटे में पूर्ण चार्ज (बैटरी स्थिति पर निर्भर), स्मार्ट लोड मैनेजमेंट प्रणाली से बिजली मांग के अनुकूलन के अलावा, अर्थिंग, अग्नि सुरक्षा एवं विद्युत सुरक्षा मानकों का अनुपालन किया गया है। स्थानीय प्राधिकरणों के साथ समन्वित विद्युत लोड योजना के अलावा सुरक्षा एवं यात्री सुविधाएं लो-फ्लोर प्रवेश व सुगम चढ़ने-उतरने की सुविधा एवम्सीसीटीवी कैमरा एवं आंतरिक निगरानी प्रणाली से लैस है।उन्होंने बताया कि यात्री सूचना डिस्प्ले सिस्टम, आपातकालीन स्टॉप व सुरक्षा अनुपालन सुविधाएं, रखरखाव एवं सेवा समर्थन उच्च परिचालन उपलब्धता लक्ष्य, रिमोट डायग्नोस्टिक्स आधारित प्रिवेंटिव व प्रेडिक्टिव मेंटेनेंस, बैटरी स्वास्थ्य निगरानी व थर्मल मैनेजमेंट सिस्टम, डिपो पर समर्पित सेवा इंजीनियर व तकनीकी दल, स्पेयर पार्ट्स सपोर्ट व त्वरित सेवा प्रोटोकॉल के अलावा अन्य यह अत्यआधुनिक सेवाओं से लैस है। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने इंटैलीजैंट ट्रांसपोर्ट सिसटम के कंट्रोल रूम का भी दौरा किया। इस कंट्रोल रूम से सिटी बस सेवा की विभिन्न गतीविधियों की आनलाईन निगरानी सिस्टम का अवलोकन किया एवम जानकारी ली।

यह बसें वातावरण अनुकूल है जो प्रदूषण नहीं करती हैं। जिस से शहरी क्षेत्रों में ध्वनि प्रदूषण में कमी के अलावा स्वच्छ, हरित एवं टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

चंडीगढ़ प्रेस दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने चंडीगढ़ प्रेस क्लब का दौरा किया। इस दौरान विभिन्न मीडिया संस्थानों के पत्रकारों से विचार-विमर्श किया।